GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0001**

Classification:

Original File No. 56

Title

Church Supervisor

Volume:

Running **from year:** 1940 **till year:** 1949

Content:

- **Tour Report of Gumla, Chainpur & Kondra dt. 2.2.49**
- **Tour Report of Koronjo, 10th Jan - 23rd Jan 1949**
- **Report on Koronjo, ME School,Charge sheet dt.23-1-1947**
- **Report on Kinkel, dt. 22-1-1947**
- **Report on Koronjo, dt.24-3-1946**
- **Letter to Sec. by Church Supervisor, dt.15-4-1946**

258

cock

56

1940-1949

T FILE

hurch Supervisor's Report

FILE NO. 56

E Church Supervisor

No 30/149 Of 11-2-49

I

Tour Report on Gumla, Chainpur & Kondra Ilakas for Primary Schools. (D.B. attended Schools)

2/11/48 को मैं Gumla पहुंचा।
[illegible] बैठकी और
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] Primary School [illegible]
[illegible]

5/11 को मैं Baunsdih में [illegible] और [illegible]
[illegible] S.M.C. [illegible] और [illegible]
बैठकी [illegible] और [illegible]
[illegible]
प्रतिज्ञा की।

5/11 शाम को Raghunathpur में भी [illegible] पंचायत हुई और
[illegible]
[illegible]
[illegible] S.M.C. बनी।
[illegible]
[illegible] M.C. बनी; और [illegible]

6/11 [illegible] में भी बैठकी हुई [illegible]
[illegible]
[illegible] Gumla Chairman [illegible]
[illegible] Parish बैठकी [illegible]

7/11 मैं Jadi में [illegible] और [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] और M.C.
और [illegible]
[illegible] बनी।

9/11 को मैं Chainpur में बैठकी [illegible] School Staff [illegible]
[illegible]
[illegible] H.E.S
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
(बाबत; Silas v Church).

11/XI/48 Amgaon पेरिश की बैठकी हुई :
आरम्भ की बात भी पेरिश के सभी प्रचारकगणों से
काफी लोग आये हुए थे।
और सभों ने आनंद से C.C. के मिशन को
मंजूर किया क्योंकि उनके पेरिश में स्कूल ही
Church School है।

N.B. Chainpur में केवल 3 स्कूल (LP) हैं जिन्हें उन्हें
संभालना है — तथापि लोग स्कूल चाहते हैं कि सभी कोई
इसाना स्कूल खोल देवें।
पर उनका पूछना है क्या C.C. इस प्रान्त को
ले लेगा — मैंने तो कहा नहीं : पर आप के पहुंचने
इच्छा हो तो Jaspur Kondra Gumla etc.
को मदद देने के लिये C.C. का होगी।
चिट्ठी से मंजूर कीजिये।

12/11. Manjhartoli में ग्राम को पंचायत किये :
और लोग अपने स्कूल को संभालने की इच्छा की
ध्यान देने की प्रतिज्ञा किये और M.C. भी
लोग मुझे कुछ देने लिखा पड़े : इसलिये यहां पर
विशेष ध्यान देने की जरूरत है।
यहां Gumla Chairman भी आये कि वे मुझे
Kondra ले चलें।

13/11. Manjhartoli वालों ने एक मोटर गाड़ी को इमारत पर उतारने को
दिये : सो वह गाड़ी रास्ते के गाढ़ पर गिर पड़ा — ईश्वर को
धन्यवाद हो कि न गाड़ी न जीव को कोई हानि हुई।
इन लोगों जब Jarjata से एक मोटर पाये — और
रात नदी तक आये — और वहां से पैदल Kondra
को गये :

14/11. Kondra Ellaka Chairman और Upperghat के एक भाई
और और स्थानीय Staff को जाना और हम भाई बहिन हाजिर थे —
Kondra Ellaka में 10 Primary Schools हैं जिन्हें
संभालना होगा — जिनमें Kondra M.V., Chirodanr M.V.
और Jchkela भी शामिल हैं : सो 3 M.V और 7 L.P
हैं — भाई लोग मंजूर किये — और
चाहते तो एक को संभालेंगे पर Brain का है —
Kondra में नहीं है — और C.C. भी आशा करते

इस इलाके पर काफी जोर (खास) नहीं पहुंचाया है।
स्थापित Kondra School का मैनेजर है और Roll 100 से
कुछ ही ज्यादा है। और पादरी कैटिकिस्ट इस ... में से
बीमार रहते हैं। मालगुजार सिर्फ Rev. L. Lakra ही
एक देशी पादरी है जो अच्छे हैं। और काफी रस ही
पादरी बीमारी से जाते का पर गये।
नियमित प्रचार अच्छी है पर बीमारी फैला रहता है।
मेरे वहां जाने पर पादरी और कैटिकिस्ट को भी बीमार पाया.
स्कूलों की इस्लाके आदि मार्क को भी चेक किया स्कूल छोड़ पर
पढ़ाई जाती है और Ad. साफ नहीं है।
मन पसंद मोहिम से रखकर वहां जाने का साहस करता है।
मेरी राय है कि वहां पर बार २ Officer लोग जावें
और वहां वालों का उत्साह बढ़ाया जावे। और
एक स्थापित पादरी को उस क्षेत्र भेजा जावे और
Kondra एक मालगुजार इलाका और Jashpur Upper Ghat
एक मालगुजार इलाका ... माना जाये।
इलाके की बड़ी भी साफ नहीं है और Centralize किया नहीं है
और पादरी करीब 6 months बीमार हैं।

16/11 को भी Chirodanr में ... किया और उन्होंने ... दिए:
"... मंजूर किये कि हम स्कूल को चलावेंगे" . . .

N.B. वहां (Khirodanr) के ... ने मुझे स्कूल ... किये थे.
R. Kerketta वहां से हटाये जावें। मैं प्रतिज्ञा तो किया.
पर मालगुजार भी रास्ता नहीं ... हूं। स्थापित ... तो
पीना और ... का ... और ...
रखना है। Kondra Chair ... से मेरे साथ ...
... भी ... था।

Kondra M.E. ... पर है पर staff ... है।

18/11. Jarjatta में ... से Lauriatius Kujur आईये।
... इन तीनों पादरी वहां पर मिलेगा और ... स्कूल
जोर से किये और ... स्कूल को ...
को मंजूर किये और M.C. भी ... ।

IV 176. mds
21/6.

~~19/11~~
21/11. Pakardanr में Rev. L. Lakra [illegible] किये और बाद में
पंचायत हुई। पंचायत में भाई बहन काफी उपस्थित हुए थे
और सहर्ष सभी ने मंजूर किये कि
हम स्कूल को चलावेंगे और इसका पक्का जिम्मा भी
उठाने को मन हुआ। वे किसान भी मुझे यहां का [illegible]
मुझे बताये। क्योंकि उनका इसका पक्का घर ही
पड़ते उठने ताकि और नया बनाने की इच्छा है
जिसके लिये उनका इसका ख्याल भी उनका है।
अनेक महीनों की इस आखिर का रास्ता चाले।
Guala प्रचारक और प्रचारिका का जोश भी [illegible] पाया।
और प्रचारक को प्रोत्साहित किये और धन्यवाद दिये।

22/11 — Sibra का हाल देखा और स्कूल चलाने की
प्रतिज्ञा किये और M.C. भी बनी।

23/11. Silam में ध्यान देने की प्रतिज्ञा की क्योंकि उनका
स्थान D.B. upper primary School है।
D.B. का Head Guru Church के कर्मचारियों से
ठीक व्यवहार नहीं रखता है। मैं ने उसको भी
सिखाया और मंडलीवालों को भी आदर की राय दी।

24/11. Gamaria में भी पंचायत हुई और भाई लोग
पंचायत देने को मंजूर किये और पंचायत के बाद
स्कूल घर को पाटने लगे। [illegible] देखन कर
मैं बहुत खुश था।

N.B. Raghunathpur के पादरी Laurentius Kujur को
जल्दी ही पेन्शन दी जाय चूंकि बेचारा उनके
[illegible] रहे हैं।
[illegible] का घर उठा रहे हैं।

[illegible]

आपका दास
S. Kul[illegible]
2/2/49

No. 31/49
Dt- 4.2.49.

Report on Kerorjo Ilaka tour.
from 10th Janry to 23rd Janry 1949.

1

F56

10-1-49. मैं Ranchi से Simdega गया।
Simdega Pastor Rev. Samuel Tirkey का डायरी है।
बहुत ही दरकार है कि Simdega डायरी पर एक घर
बना कर और जारूरी कार्रवाई कर यहां का [illegible]
प्रबन्ध किया जाय।

11-1-49. मैं Simdega से Kerorjo गया। [illegible] की [illegible] की
[illegible] और इलाके की मीटिंग की
[illegible] और इलाके [illegible]
से मैं 12 113 को [illegible] और इलाके [illegible] को इलाके
में हाजिर हो कर C.C. की [illegible] को इलाके
[illegible] स्कूलों को [illegible] समझाया। और

13/1 को मैं Dharibahar [illegible] गया और [illegible] को
[illegible] को [illegible]
पूरा ने [illegible] को [illegible] Branch [illegible] है
[illegible] Kerorjo का एक Branch [illegible] हुई कि
[illegible] की बात [illegible] Volunteer [illegible] से
[illegible] ने Dharibahar Volunteer [illegible]
Bonds [illegible] और [illegible]
[illegible] और [illegible] पूरा [illegible] को मिले
[illegible] और [illegible] पूरी [illegible] इलाके [illegible] हो।
N.B. Volunteer को [illegible] की [illegible] हो।
और [illegible] Upper [illegible]

/1 को मैं Bedyapur गया वहां पर एक [illegible] आदिवासी जाति सेवा मंडल को
[illegible] लोगों ने [illegible] कि [illegible] जो
[illegible] है कि [illegible] जाति से
सीख लिये हैं और [illegible] पाते हैं और [illegible] जाति [illegible]
[illegible] हैं [illegible] पाते हैं [illegible] में [illegible] कि
[illegible] पाते हैं और [illegible]
[illegible] ही [illegible] और [illegible]
[illegible] Congress workers
[illegible] रहे कि Simdega को [illegible] गया
वहां [illegible] और [illegible]
Politicle [illegible] है।
N.B. यहां पर

16/1 को Ghatbahar में [illegible] को [illegible] आरम्भ हुई
[illegible] लोगों को हाजिरी [illegible] की
[illegible] हाजिर थी।
और Parish Kahupani को 4.5. [illegible] हाजिर थी।
Ghat Bahar में एक M.E. School 7 में Classes तक का खोला गया
है

विद्यार्थियों की संख्या 200. के ऊपर है और 5. गुरु हैं:
Head Master अब तक नहीं मिला है।

Ghatbahar 3. पर बयान:

a/. [illegible] M.E.S. को [illegible]

b/. C.C. की आवश्यकतानुसार 2 क्लास [illegible] Primary स्कूलों की, जरूरत को लिये देखा

c/. Karonjo. M.E को लिये भी जरूरत है:

N.B. Ghatbahar M.E — Primary स्कूलों के अनुसार इलाके से [illegible] दूर है [illegible]। यह M.E. को [illegible] से न हो:

10/ — : को Lambai Parish की जाँच हुई खास Lambai के बयान:

a/. 300 जन हाजिर थे और Parish की करीब 50 जन हाजिर थे. सबों ने अपने Primary School को [illegible] ध्यान [illegible] की प्रतिज्ञा की।

Lambai में भी 7 वां [illegible] M.E हो गया है. Roll no. करीब 250 तक है। गुरुओं की संख्या 5. है पर Head Master नहीं है।

C.C और इलाका ध्यान देवे कि Ghatbahar और Lambai M.E Head Master पावें।

b/ Martin [illegible] को [illegible] बयान [illegible] [illegible] और C.C. को [illegible] दी।

c/. Birmitra case: [illegible] Koendega [illegible] और [illegible] Lambai [illegible] और Birmitrapur में [illegible] और [illegible] 7 [illegible] में रखे गये हैं।

Rev. D. Horo को [illegible] मामला की [illegible] आया। [illegible] Karimati और Karonjo [illegible] और [illegible] Birmitrapur में [illegible] होगी।

N.B. Rev. Nathaniel Barga भी इस मामले में फंसा है। [illegible] Rev. D. Horo [illegible] हैं [illegible]

Rev. N. Barga को हाथ डालना नहीं चाहिए: [illegible] Birmitrapur को [illegible] और [illegible] है।

लड़का — लड़की — को अलग — किये — तो Rev. W. Berge Kamdara (?) — ने —
बैठकी — करते — हैं — मान — गैरह — के — साथ — और — विश्वास करते — हैं
कि — लड़का — लड़की — निर्दोष — हैं —.
सो — मेरी — सिफारिश — है — कि — वा: अगाई मेरा — बजरिये joint इलाके
(Karimati & Koronje के) Rev. W. Berge का — Pension —
C.C. रजिस्टर — में — दर्ज — रहे | और C.C. के उनके
की निस्बत — ताकि — करें — : अभी — कार्रवाई — न — होने — से
पहले — जैसा — (Berge) भाई हो — जायगा | — मेरी — मुलाकात — न — हुई
अफसोस — की — बात — कि Rev. W. Berge — से
कारण — से — Chaibasa — चले गये थे |

11/1. को Lotapani (?) में बैठकी — हुई — : वहाँ — पर Upper Primary — [illegible]
खोला — गया — है — : आनन्द से रहा.
भाई — लोग — यह — सुनकर — कि C.C. का — कहती — है —
किये — और — बहुत — खुशी — हुए — कि उनका — स्कूल — भी
[illegible] जायगा |
इसलिये — से — [illegible]
यहां — भी — लोग — पक्का — जोड़ — रहे — हैं कि एक गिर्जा घर बनावें |

21/. Samsera — को [illegible] सिटाई गई — : इन — बातों पर — :
— गई है — :
a/. कि मंडली जो — अभी — दो भाग — हो — गई है — : एक समय में इकट्ठी होकर [illegible]
एक — स्थान — एक — जगह (Samsera) एक समय में [illegible]
Church House — में — रहें |
b/. कि प्रचारक यहाँ — Samsera स्थान (?) Church House — में — रहें |
— एक दूसरे को — [illegible] — और [illegible].
c/. कि भाई बहन — और इसाई — एक — दूसरे [illegible] और ईश्वर के साथ
उक्त बातों — पर — मंडली राजी — हो गई —
सभा — शांत — हुई |
आनन्द — को — और — वहाँ — के — भाइयों ने मुझे — रथ (?) — पर — उठा — के Koronje
पहुंचा दिये — : मेरे — पैर में — 12 [illegible] — बहुत — बहते रहे — सो —
भाइयों — ने — Lachmandhara को — [illegible] — और मेरे — खाट — पर
डाले — थे — [illegible] — को — [illegible] और [illegible]
[illegible] — और — [illegible] — और — [illegible] भी — [illegible] |

आपका दास,
S. Kerketta (?)
2/2/49.

F. 56 घाघोर
बरटोली

~~Ranchi~~
5/1/48

दुलड़ गोमके अबेन के मयार होलेया।
यीशुसहाय — अबेना: —
[illegible] नेम जना। साबेन खबर
सरी केते रासका ओनोल कुलतनाबु
अबेन के इसु माइन होबा ओका।
[illegible] मरंग उतर नी आइंग ओड़ा:
[illegible] हेनाय। कजी होय दो —
[illegible] केत सेनो कपड़ जनाय।
अबुआ अपु सहर गे अबुओ
मेनाइया। दुइरे कुमिना: गे
हा बाम्ला लका नेला: तना।
सोबेनते मरंग उतर नी अबुओ
[illegible] कोरए। अबेना: ओड़ारेन
सोबेन का दुलड़ यीशुसहाय।

डांग →

चेतन सा: [illegible] सुकु काजी
मेन बयबगनेते मोल
कुलेबेन।
मामोरेगले तेमा
गाम कया: हिजु: को
उदुला लेबेन
मेबना: दुलाड़
डांग

POST CARD
REPLY
ADDRESS ONLY

BIRMITRAPUR
7 FEB

9 PS
INDIA POSTAGE

Rev. S. Kula
Lutheran Mission
P.O. Ranchi

From The Revd H. Sipon.
Singhani
P.O + Dist. Hazaribagh.

F 56

G.E.L. Church
Singhani
2-4-47.

Manyawar. Rev. S. Kula. Church Supervisor
ap se niwedan hai ki ekbar kripaya Singhani
Ilaka ko milahaya karneka kripa karenge.
isbar ap ko Singhani Ilaka ko dekhna
bahut hi jarurat hai. Kam bahut hai
unmese ek hai gobhia prachark pan ko Parish
banane ka kichar hai yanka ka kam ko dekh
karke ap mujhe salha aur sahayta
dene sakenge.

Chithi parte hi ap ko turat-ek
bat kheyāl hoga ki Dharam khojak
nahi hai to parish kaisa ho saklā
hai par tanbhi 4 Prachark per
ho raha hai jobhia ke sath 5
Ranchi District se Lutheran
bhai log. alag hasgaye hain.
Chithi dowara bahut bat nahi
kahta saklā hun.

Apka Sewak.
H. Topno.

POST CARD

HALF ANNA

9 PS

INDIA POSTAGE

ADDRESS ONLY

RANCHI
4 APR. 47
P.M.

Rev. S. Kula Church
Supervisor
G. E. L. Church Ranchi
P. O. Ranchi.
Dist. Ranchi

To
The President, G. E. L. Church.
Ranchi.

Govindpur
18-5-47

Sir

Would you kindly help me in the White Sunday to serve the Church by sending the Church Supervisor.

Yours faithfully
S. N. Sanga

Rev Ku[illegible]

would you go & [illegible] [illegible] [illegible]

N. [illegible]

POST CARD

RANCHI
DELY.
21 MAY 47
10.30 A.M.

JARHAGARH B.O.
19 MAY 47

ADDRESS ONLY

The President
G. E. L. Church
Ranchi.

Dear S. Kule, F 56

28 Bina Road
Burma Mines
Tatanagar
Date 18th Nov 46

आप को मेरा प्यार यीशुसहाय। दिन दिन होवे। मैं ईश्वर की दया से अच्छा हूं आप को भी यही उमीद रखता हूं। लिखने का विशेष मतलब तो यह है कि मेरे पिता जी Mission में बहुत दिनों तक Srivery किया जब पिता जी की मृत्यु हो गयी तो मुझे देखने वाला या सुधी लेने वाला कोई नहीं है और मैं ही एक बड़ा लड़का हूं। मैं इस वर्ष में Ran Ranchi Technical school में एक वर्ष Training के लिए Machineshop improver में रखा गया था पर अपशोस कि मैं पांच महीने के लिए फ्रीस न कर सके Samuel Hemrom पाद्री के पास बहुत ही पैसा है। मुझे मालुम नहीं है कि उस के पास कितना तक पैसा है। मैंने उसके पास Ranchi से और Tata से भी कै चिट्ठियां भेजी पर किसी एक का भी उत्तर न मिला। फिर भी Lutheran Technical Mess का कुछ देन मेरा बाकी है। Mess वालों नें मेरा सब कुछ जबत कर लिया है और Mess के लड़कों ने मिटिंग में पास किया है कि 1st January 47 तक में न अदा करने से चीज बिक्री कर, देन चुका लेंगे। मुझे बहुत मुस्किल मालुम पड़ रही है और मुझे कोई उपाय ही नहीं सूझ पड़ती है कि मैं क्या करूं। फिर Samuel पाद्री भी पैसा देने से इन्कार करता है इस कारण मेरा इरादा यही है कि तलप हैं

काट कर उस से पैसा लिया जावे।
इस को छोड़, मेरा और कोई उपाय हो
नहीं है फिर भी मैं Giridih में
apply किया और शीघ्र Giridih
जाना हो रहा है। पर जाऊं [illegible]
तो कैसे। इस कारण आप से मेरी
विनय यही कि जितना जल्दी हो
सके Samuel Henum पादरी
के तलब ही से पैसा काटने लेने का
बन्दोबस्त कर दीजिये। अभी मैं
काफी समझदार नहीं हूं किसको
क्या कहूं और किस को क्या न कहूं
अन्त में भूलों के प्रति क्षमा चाहता
हूं। Vengra सब अच्छे
हैं। अन्त में आप को बहुत
धन्यवाद। आप का Anand
ऐड्रेस ऊपर में है। Topno.

POST CARD

½A ½A

INDIA POSTAGE

ADDRESS ONLY

NATI... CERTIFIC... DELIVERY 13 NOV. P.O. RANCHI

Rev. S. Kula,
Church Supervior
G.E.L. Church Council
P.O Ranchi
Dist Ranchi.

memo No. 165/47
Dt. 11-3-47

F 56

Report on Dahijira trouble at Birmitrapur.
11/3/47.

Rev. Z. Khalkho. को खास निरीक्षक C.C. officers बना दिये थे कि एक कमिशन —: Rev. Klimkite, Rev. D. Horo Rev. Z. Khalkho, और तीनों इलाके के सब पादरी कमेटी ... के चेयरमैनशिप में Birmitrapur. में ... 6 को Dahijira के मामले को तय करें।

सो मैं Birmitrapur में 14/2. रात ही में हाजिर हुआ — पर मेम्बरों के न आने से 16/2. दिन के बाद पंचायत किये।

हाजिरी —: Rev. Klimkite, Rev. Z. Khalkho, Rev. D. Horo, और Church Supervisor S. Kula, और Birmitrapur. को 5 मेम्बर और Dahijira का लड़का और उन के बड़े भाई — और उन के बाप चार मेम्बर — जमा — 14 जन थे।

सभा में दोनों पार्टी से सब बातें पूछी गई — पर दोनों पार्टी अपनी ही बातों में अड़ी रही।
अन्त में मैं C.C. के भाव को सभा के सामने खोला और सारी सभा एक मत हो के कहा कि हां सजा उठा दी जाय। सभा में गंभीरता छा गई। सो मैं ने लड़के को — और सभा को कहा कि हमों ने अपना फैसला कर दिया — पर लड़का अपना फैसला करे फादिर को एक सोच कर देखे कि कैसे चुनता है। कि हमारा लेवे या उसे उठवावे।

आखिर को लड़का — चारों पादरियों के पास आया और कहा कि मैं निर्दोष हूं।

सो हम चारों ने कुसुम और सजा उठाने की विधि लिख कर और सही कर Rev. D. Horo को दिये।

N.B. शनिवार को मेम्बरों के न आने से पंचायत न होने, सजा सो सजा उठाने का भार Rev. D. Horo को दिया गया। अजान ... लड़की भी Khuntitoli से हाजिर न थी।

P.T.O.

मैं Birmitrapur में अब तक 3 बार मीटिंग गया।
और हर समय वहां — ऐसे ही जोश में पाया।
सो मेरी राय है कि वहां एक पादरी जरूर होवे।
यह तो खास है और लोगों का और उनके पापों का भी
भी खास है। पहिले C.C. का ऐसा ही विचार था
और एक Candidate. Sudarsan Lakra को
रखा भी था — पर हम उसको आगे रखने नहीं सके।
पर अब भी — समय आ गया है — इलाका भार सकेगा।
सो मेरी राय है कि Candidate. X. Umbelun Dang
को फौरन जल्द दी जाय — और वह वहीं रखा जाय।

N.B. Rev. D. Hero अब बूढ़े हो गये और आगे उन से
इलाका जोर पैमाने नहीं चलेगा।

CC
14/3/47

आप के आज्ञाधीन दास
S. Kula
11/3/47.

Report on Koronjo M.E. School Charge sheet.

11/12/46 को मैं रांची से टकरमा पहुंचा और 12/12 को
Mr. ~~Dun~~ P. Dungdung ex. Hd. master of Koronjo M.E. School
से मुलाकात किया। Mr. P. Dungdung [illegible]
लिखे – कि वे अपने M.E. का P. Fund से Koronjo M.E. School
के पैसे को किसी को Charge देते समय नहीं दिये थे [illegible]।
13/12 को टकरमा से Simdega Bus से गया और उसी रोज Koronjo पहुंचा।
14/12 को वहां इलाके पंचों से भेंट। इलाके की हालत दुःख भरी हो रही है
15/12 को हमों ने बड़े आनंद से सिंहासन का संस्कार किये।
और शाम को बड़ा खाना सब [illegible] के साथ खाये।
Koronjo अपने M.E. छात्रों को पढ़ाने चला रहा है और स्कूल
घर का नया भी डाल दिया है।
16/12 को मैं ~~[illegible]~~ Simdega आया और 17/12 को टकरमा में
गया और 20/12/46 को रांची आया।

Seen [signature]
12/2/47

S. Kula
23/1/47.

1 [illegible] situation
2 Letter [illegible] – to thank

No. 126/47

To the C.C.
for considering the [illegible]
matters
[signature] 13/2/47

Report on Kinkel. I

मैं 12/11/46 को Jakarma पहुंचा और वहां 13 & 14 को काम करने के बाद 15/11 को Simdega पहुंचा और वहां से 16/11 को Kinkel गया। 17/11 को Kinkel में मैं विश्राम किया और बाद में Bonkona गया।

18/11 को इस इलाके के कार्यकारियों के साथ कुछ विचार किये कि 25/11 को खास किनकेल में विचार होवे। सो मैं 19/11 को प्रचारक घर पांगरीनदा गया जो Korwa लोगों का मंडली है। मैं वहां घर घर घूमा और विश्राम किया। 20/11 को मैं Sanwa मंडली गया और भाई बहिनों को ध्यान करके विश्राम किया। 21/11 को कारनडीह हो कर Sarjaipani गया — यह भी Korwa लोगों का मंडली है।

Note —: Sarjaipani का प्रचारक 2 जगह काम करता है उसने [illegible] जसपुर नाम में किमड़ा भी है जहां 10 घर नये धर्म खोजक Korwa लोग हैं। प्रचारक C.C. से काफी [illegible] पाता है। उसे Rs 10/- मिले।

22/11 को कारनडीह लौटे मंडली और खेत खेतों का सर्वेक्षण किये —:

मंडली की हालत साधारणता का ही है पर प्रचारक और भाईयों में कुछ मतभेद है।

खेत 1947 में अवश्य [illegible] पर लगाया जावे और जल्दी से काम कराया जावे। हमारे ख्रीस्तान भाईयों का खेत से अच्छा संबंध नहीं है। सो [illegible] के बदले सौदा करना होगा।

फिर लोग [illegible] का [illegible] चीज करते हैं और [illegible] पैदा उठाते और उनका हिस्सा [illegible] को कुछ भी नहीं देते हैं।

फिर वहां के [illegible] लोग [illegible] कर [illegible] कर रहे हैं सो कई [illegible] की जय।

23/11 को मैं Rev. S. Bage के साथ बरटोली गया।

24/11 को वहां [illegible] भाई बहिनों को घर घर घूम कर देखा। वहां का Compound [illegible] में

को सौंपा है — पर अफसोस — पादरी को रहने का घर छिन गया।
पादरी S. Bage अपने निज घर में रहते हैं।

26/11 को वहां से मैं Kinkel आया।

इलाके ने M.E. के हेड मास्टर पर अनेक इलजाम
लगाके C.C. से भेजा था — उसी पर इलाके साथ —
हेड मास्टर और School staff से भी बातें।
मैं ध्यान पूर्वक दोनों तरफ की बातों को
सुना और उनको राजी करा दिये।

नोट:- Kinkel हमारी मंडली में 4 था. स्थान रखता है
पर अब तक वह अपने कर्मचारियों को वेतन नहीं
पूरा था — है; इसके अनेक कारण हो सकते हैं
पर मुख्य ये हैं।

I इलाके जेवरमेन का इलाके से अलग रहना।
II दोनों पादरी यानी Rev. S. Bage और Rev. S. Tirkey का
प्रभाव मंडली में कम (कम-ज्यादा) हो गया है।
III इलाके में ~~[illegible]~~ बहुत प्रचारक काम करते हैं
और उनकी बदली कोई नहीं — कर सकता — अगर किया
जाय तो — हड़ताल — ही होगा।
IV पुराने Missionary लोग मंडली — आमद पर अभाव डाले।
पर ~~[illegible]~~ कई के भी ऐसा होने से बाहर से पैसा नहीं मिलेगा।
V C.C. के लोग वहां पर कम पहुंचते हैं।

M.E और H.E स्कूलों की हालत — खास कर डिसिप्लिन
और सिखाई पढ़ाई पर एकदम जान बूझकर ढिली दे दी गई हो
मैं देखकर दंग रह गया — और मन में — कहा — क्या स्कूल ही
का खेल तमाशे का अखाड़ा।

दोनों पादरी — और इलाका — शासन में — कमजोर — हैं सो C.C.
अन्त की मैंने — अधिक लोगों का भार को रोकने के लिये — राजी करना
है — कि C.C. अभी समय पर कार्रवाई करे।

26/11 को मैं Simdega आया और वहां से 27/11/46 को रांची आया।

Seen [signature] 1/2/47

S. Kinkel
29/1/47.

Koronjo tour report by Church Supervisor.
24/3/46.

मैं 2-3-46 को रनारना पहुंचा — अफसोस की बात
कि मैं आपने आने के भतीजे — के — लाश को Kolebira
police और डॉक्टर से दिखला हुआ देखा —:
पूछने से पता लगा कि वह डूब कर मरा —
police ने मेहरबानी से लाश को सुपुर्द किया और उसी
दिन शोक समय हमों ने उसे Jakarma में मिट्टी दिया।
यह आघात का दुःख मेरे भाइयों के लिये असहनीय था पर
शांति के ईश्वर को धन्यवाद जिसने हमों को आत्मिक
धैर्य को शांति में ~~रह~~ रखा।
मैं रनारना में पूरा: हफ्ते भर रह कर 11-3-46 को
Simdega होते हुए 12/3. को Koronjo गया।
Koronjo में मैं कर्मचारी सभा, इलाके आमसभा, और इलाके
सभा — के साथ — ... जांच की। और ... महाउपवास
का निरीक्षण किया।
इलाका — और आमसभा — में बैठने से मुझे मालूम हुआ कि
लोग — (कौन) उठने के लिये जागरूक हैं पर आगुवे
की — कमी — है।: सो मैं उन्हें यह हुक्म दिया —:

Mandli-Accounts —!

a/. प्रचारकपद का — आमदनी बही — होवे।
b/. पेरिश का — आमदनी बही — होवे।
~~बिल~~ सेन्ट्रलिजेशन बही होवे।
c/. " . . . बिल बही — होवे।
d/. "
e/. इलाकों का आमद की खर्च बही — होवे।
f/. हरएक प्रचारकपद का नामावली बही — होवे।
g/. " " " के हाते के मुख्य पुरुष का — नाम और बारह रुपया — होवे जिसमें महीनावार चंदे की पैसा जमा होवे
h/. प्रति प्रचारकपद का कलसी और प्रमुखित ~~के~~ पेरिश के बिल बही में जिरही में — ... होवे।
i/. कलसी — को प्रमुखित का देख इलाका देख लावे।
X j/ ~~1946~~ 1945 — का ... में 12 पैसा कर्मचारियों से वसूल — होवे। (कलसी-प्रमुखित का)

II

~~School Account~~ मंडली के कर्मचारियों ने Rs 115/- सीतम्बर 1945 का तलब draw किये। बारीकी से अफसोस की बात है कि कर्मचारियों ने 1944 और 1945 के कटनी और प्रमुदित को सिर्फ 1946 में रखाया। जब कि इलाके का चालू कानून है कि पहली साल का कटनी और प्रमुदित दूसरे साल में आवे।

सो कर्मचारियों को इलाके सामने हुक्म दिया कि कानून पर अमल होवे — इसलिये वे 1946 का कटनी + प्रमुदित को 1947 में रखावें। और 1945 के कटनी को प्रमुदित को रखा~~नीति~~ 15 पैसा के दर से रखाये हैं — उनसे रु. में 12 पैसा के दर से वसूल करें। आनंद की बात है कि इलाके पेपर में यादि प्रचारकों को उठाने की खूब परिश्रम कर रहा है। उम्मेद है कि इलाका इसको रहते जरूर उठेगा — पर C.C. मेम्बर इलाके की निगरानी पर विशेष ध्यान देवें।

School account — मैं ने देखा और पूछने से पता लगा कि हिसाब — जैसा — रखना था नहीं गया है।

Boarding — Accounts — 1945 में Boarding Committee का हिसाब छुआ नहीं गया है। एक बार बैठी — थी — और हिसाब Head Supervisor आवें। जरूरी होगा कि एक बार

मैं 15/3 को Koronjo से Kutnia गया और भाईयों के घर घूमा और मिलाप किया। और एक मुकदमा को छाड़ा। और शाम को आराधना की गयी।

Ambapani Koronjo इलाके का एक नमूना प्रचारक पन है और उन संख्या प्रायः उस है। मैं वहां भी घर घर घूमा और 17/3 को मिलाप किया और प्रभुभोज बांटा। वहां के भाईयों ने 5,000 पत्ते छापे हैं कि एक बड़ा मिलाप घर बनावें। चंदा Rs 20 से Rs 3/ प्रति घर उठा रहे हैं।

18/3 को मैं Kahupani खास पेरिश में आया और Parish आमसभा की सभा की थी। Parish का मुख्य विषय था कि वहां पादरी के प्रचारक का घर बनावें।
उजाड़ पाने की बात कठिनाई पड़ी — सो सभा के मेम्बर रंजूह हो कर न दे सके। पर ईश्वर का धन्यवाद हो।

~~Koronjo Tour Report~~

III

कि उसने वहां के ग्राम Luther — को बताया और उसने 19/3.
किसान को हमों के पास खबर दिये कि वे जगह देंगे।
सो हमों ने जगह को नापा और संस्कार भी किया — ग्राम जगह को
बिना दाम — दान दिया — सो C.C. उन्हें एक धन्यवाद पत्र देवें।
19/3. ही — को मैं Rajbasa गया और भाई बहिनों से मुलाकात होने
के बाद उन्हें गिर्जे में उपदेश दिये — और बाद में वहां के D.P.
स्कूल के बारे बातचीत किये। और उसी तारीख — को मैं Lomboi
शाम तक — में — आया।
20/3. को मैं Lomboi में घर घर घूमा — और 2-3 प्रचारकों से
आये हुए भाई बहिनों को गिर्जे में उपदेश दिया।
अफसोस की बात कि Koronjo इलाके में एक रोग से लोग
2-3 दिनों ही के भीतर मर रहे हैं। Lomboi में भी इस घरों
को पाया जहां छोड़कर 1-2. सिर्फ बाल बच्चे बचे हैं
20/3 तक Lomboi की मृत्यु संख्या करीब 63 हो चुका था और
रोग — चल रहा है। यह रोग दोनों बेरियों में है पर Lomboi
में भयानक जोर से है — डर है कि Zakarma इलाके में भी चार
होगा। भाई लोग कुछ इलाज खोज निकाले हैं — पर उचित है
कि सरकार का ध्यान इस ओर खींचा जाय।
यह रोग मनुष्य और पशु दोनों में — है।
ईश्वर का धन्यवाद हो कि भाई बहन निराश नहीं — हैं।

Korjo. इलाके का सेन्सस 1946. का 16500 से ऊपर है। ~~और~~
सो यदि उचित जान हो तो यह हमों का एक खास इलाका होगा।
मेरी — राय है C.C. इस ओर अपना खास नजर रखे।
M.E स्कूल — के लिये 8 वां Class. 48 विद्यार्थियों से खुला है
और प्रति घर 3-6. रु. के दर से चंदा उठाया जा
जा रहा है — चंदा करीब 5,600. रु. तक उठ चुका था।
खासनोट —: Koronjo गिर्जे बंगले को अगर न मरम्मत किया
जाय ~~सो~~ तो इतना सुंदर बंगला का नाश हो जायगा।
सो तहसीलदार फौरन वहां भेजा जाय। —— :

आपका का आज्ञाकारी

Seen [signature] 12/2/47

S. Kerketta
25/3/46

Rabat? Sunday 18/4/46 (pencil annotation, partly illegible)

F. 56 ~~46~~ 2 (k)

To.

The Secretary. L. C. Ranchi.

From. Rev. G. Kula. Church Supervisor.

15-4-46.

[illegible],

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] Bonus [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

G. Kula 15/4.

F. 56 Jakarma.
4-3-46.

Dear Harry/ प्रभुसहाय।

[illegible] मैं
2/3. को यहां पहुंच कर [illegible]
[illegible] को रात 9-10 बजे
का [illegible] किया। 12/2 [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] को 1/3. [illegible]
[illegible] 1/3. को [illegible]
[illegible]
[illegible]
से। और 2/3. को Police [illegible]
[illegible] Umbulan
[illegible]
[illegible] Police [illegible] को
[illegible] रात को [illegible]

मैं शरण लिये।
लड़का - मगन ने जो कांटा था और
~~...~~ २ ५ मुर्गों को टांगा—
२० क, को पांव में मारे रूपए को
ताला से - मारे लोगों पैर को
मैं काटा था - पर दोनों हाथ रखा।
निरपराध है ये बात मगन को
मालूम था तो किया। शोक! महा-
शोक!! - ईश्वर को ही मालूम
है क्यों ऐसा हुआ - लड़का
मारा/ इच्छा बताया था - पर
लोगों को विश्वास न था/
President को जनाइयेगा।
— S. Kula

POST CARD

ADDRESS ONLY

BUY NATIONAL SAVINGS CERTIFICATES
7 MAR.
8.30 A.M.
RANCHI

RANCHI

To The Secretary
Lutheran Church
Ranchi

For — C.C. Makes. Total.

Torpa — Mariam Kandir. ~~Do.~~ 45. . . . . ~~Do.~~ 1/-

Gamla —: Naimi Kindo. Nurses & Deliveries. . . . : 56

Lohardaga.. Sorani Lakra. . . . ~~not/pa~~ due. C.C.

~~Rahit~~ Kinkel —: Rahil Minz. . . . Non-Do. . . do. . . .

Ranikhatanga. Prakhudasi Lakra. D.O. . . . do.

Ranchi — { Shanti Minz — [illegible] / Due pay.

Govindpur — . . . .

Headpracharika — [illegible]

Transfer —:

1 Silwanti Kulu. Khuntitoli — to. Karanjo. Dakhin bhag.

2. Prafulit. Kujur —: Sipharis — Panisani — not necessary. by. Hd. pr. . . .

3/. Dulary Surin. Rajabasa / Karanjo — to. Khuntitoli.

4/ Naimi Samad Burju. . . to. Karanjo. near the side.

Pay increment of — Pracharika. should be done —:

I Pay increment of —

II. God Son of S. Horo — Christ Moses Hardagan.

should be helped by. C.C.

III Naimi Samad Burju — [illegible] 2½ [illegible]

Karanjo — [illegible] C.C. [illegible]

~~from~~ move by Elaka .. Total

1/. Mariam-Kandir Jokarl—	9/+3	2/-	~~14~~+	14/-
2/ Naini Joonad Barju...	7/.+3			12/-
3/. Susari Kandalna Jakarma	7/+3	"		14/
Mrs 4, x Mariam Jopena Govindpur.	9/.+3	"		12/
5, Naini Kinda Gumla	7/.+3	"		12/
6/. Monika Tirkey. Govindpur.	"	"		12/.
Mrs 7/. x Alisa Jarim Jakarma	"	"		12/.
Mrs 8 x Srimi parti Burju	"	"		12/.
9. Silvanti Kiln Khuntitoli	"	"		12/.
Mrs 10. x Pyari Soeng	"	"		12/.
11. Rahil Minj Kinkel	"	"		
12, Prakhudasi Lakra Raoi Khatanga	"	"		12/.
13. Praphulit Minj Koromjai	"	"		12/.
14. ~~D~~ulari Surin Rajabasa	"	"		12 /
Mrs 15. x Karolinadas Purolia	"	"		12 /
16. Rosni Lakra Lohardaga	"	"		12/.
Mrs 17. x Shanti Minj. Ranchi	8.+3	"	"	13/-
				25.
Head Pracharika	20/- 5.			

From janry 1946/

S. Kul[illegible]
12/2/46.

1186-87/46/F-56. 17th June, 6.

The undermentioned document is forwarded to the Treasurer G.E.L.Church and the Rev.S.Kula for information, guidance and compliance.

C. H. Herenz
Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the Extended C.C. Executive Committee held on the 13th June, 1946.

Item No. 22.

" The Request of Rev.S.Kula :- Read petition dated 15.@.46 from Rev.S.Kula for a help of Rs. 120/- and there was a long consideration of the subject, during which time he was absent from the meeting. It was pointed out that Rev.S.Kula had to incur different kind of expences because of extraordinary situation of his family during the last two years. He himself was sick for a long time, and medicine itself cost a good amount as he was alone at Ranchi lying seriously ill. After recovery also he had to recoup his health which cost him money. During the last year his twin sons died almost on the same day. Hås nephew reading in the eleventh class died sinking in the river. Thus Rev.S.Kula had to undergo several mishaps during the last two years which is an extraordinary case in his life. It is therefore resolved that the amount prayed for i.e. Rs. 120/- be sanctioned as an extraordinary help to him.

Sd. J.Lakra.
17.6.46.

Sd. C.H.Herenz.
Secretary.
13.6.46."

CBBCM/3C.

F. 56

To
The Church Supervisor
G.E.L. Church Ranchi.

[illegible]

Goindpur 14-4-46.

Dear Sir,

Would you kindly come to help me for Lord's Supper on Maunday Thursday evening and Good Friday and oblige.

Yours faithfully
[illegible]

BUY NATIONAL SAVINGS CERTIFICATES
OFFICE
15 APR
RANCHI

POST CARD

THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE
9 PS

JARIAGARH B.O.
14 APR

The Rev. S. Kula
G. E. L. Church
Ranchi

Considered 10/4/46

F 56. Rajgangpur

13-4-1946

Parish Supervisor. S. Kulla ko yisusahay

Secretary C.C. के चिट्ठी से मालूम है कि आप
Easter के पहिले राजगांगपुर आवेंगे। आपसे
राजी है कि आप Good friday के पहिले आइये
जिससे Good friday रोज यहां राजगांगपुर में
Service और प्रभुभोज का काम जो आप से हो सके
यहां राजगांगपुर में कई प्रकार का गड़-
बड़ लगा हुआ है मैं आप के आने को ताकता हूं

आप का विश्वासी

Rev. E. Ekka

BUY NATIONAL SAVINGS CERTIFICATES
DELIVERY
16 APR 46
RANCHI

POST CARD

THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER

ADDRESS ONLY

9 PS INDIA POSTAGE 9 PS

GANGPUR
15 APR

Rev. S. Kulla
Church Supervisor
G.E.L Church
Ranchi

438-30/46/F-36. 26th Febr., 6.

The undermentioned document is forwarded to the Revds. P.D.S.Bage Jumain, S.S.Bage Jharsuguda, C.M. Ekka Simdih, P.Beck Jashpur, Th.Kujur Bishrampur, H. Topno Singhani, L.Kongari Toked, C.J.Tirkey Chainpur, Th.Topno Chaibasa, S.Surin Takarma, Z.Khalkho Kuru, L.Topno Calcutta and S.Kula Church Supervisor for information, guidance and compliance.

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the C.C.Executive Committee held on the 23rd February, 1946.

Item No. 3 (b)

" 3. The Programme of the Mahasabha :-

(a) --- --- --- ---
--- --- --- ---

(b) Report on Missionary fields for the Mahasabha :- This report should be included in the Church Supervisor's report to the Mahasabha under special and separate Heading, the Pastors of Mission fields be asked to submit their detailed reports to the Church Supervisor on or before the 30th March, 1946.

Sd.	J.Lakra. President 23.2.46.	Sd.	C.H.Horenz. Secretary. 23.2.46."

N.B. :- Particulars required are the following :-

1. Number od Dharmabhojak in 1944-46 (figure be shown separately year by year.
2. Yearly grant from the C.C.

P. T. O.

3. No. of Catechists.
4. No. of baptized membership.
5. No. of Schools.
6. Local yearly income.
7. Any other matters.
8. Your personal remarks.

CBECM/18C.

Church Supervisor Report for Bamra State from 21st July to 28th July, 1944. 1

9 (1)

To,

The Secretary, Luthan Church Ranchi

8/8/44. F 56

महाशय

आप को यीशुसहाय।

मैं ने 21-28 July तक अपना Bamra के लिये दौरे [illegible] दिनों की सूची का वर्णन नहीं होता था, क्योंकि मुझे Bamra की [illegible] हुआ। [illegible] मुझे रात को [illegible] जातियों को [illegible] रहती थी। सो मैं अपना निज हुआ Program रद्द कर दिया।

21st July को मैं व Rev. B. Ekka Jharsugda से Bamra Rly Station में आके लौटे व 22-7-44 को Bus के जरिये Madhupur गये। 23-7-44 को गिरजा किया व भाई बहिनों से मुलाकात किया।

Madhupur तथा Station —— मैं ने गांव को देखा और [illegible] में [illegible] किया। [illegible] में [illegible] है [illegible] है। पादरी के घर के लिये [illegible] तैयार है पर [illegible] हाल में नहीं लाया गया है। पादरी [illegible] Madhupur में नहीं हैं पर Rajganpur में [illegible] में रहते हैं। [illegible] है कि पादरी का [illegible] होने के बाद पादरी के लिये घर [illegible] गया है।

School —— मैं ने बच्चों को [illegible] पाया [illegible] 34 हैं [illegible] [illegible] नहीं [illegible] हैं। मैं ने [illegible] को [illegible] है [illegible] है [illegible] [illegible] [illegible] C.G.S.K. [illegible] मैं [illegible] से [illegible] [illegible] है कि इतना [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] हैं और [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] हैं। पादरी का [illegible] [illegible] नहीं है। लोग [illegible] हैं पर [illegible] और [illegible] [illegible] हैं।

23/7 — 23-7-44 को हम लोग Rengkapara गिरजा [illegible] गये थे।

24/7. 44 — को मैं और Rev B. Ekka Bus से [illegible] गये जो Madhupur से 58 Mile है। रास्ते में इतना ~~[illegible]~~ बड़ी [illegible] पानी पड़ा कि हम [illegible] Bus वाले लोग भीग गये। Deoghar Bamra का State का राजधानी है और [illegible] के [illegible] से [illegible] के [illegible] और [illegible] का काम भी चलता है। मैं [illegible] को देख कर St. Paul की बातें याद किया कि [illegible] [illegible] से भरी पड़ी है। मैं [illegible] था कि [illegible] में हमारी [illegible] [illegible] है। हमारे [illegible] [illegible] 200 [illegible] हैं और Church Compound भी [illegible] [illegible] में है। गिरजा घर [illegible] के लिये [illegible] हैं

हमारा 2.

यह आश्चर्य-की बात कि-यहां हमारा स्कूल नहीं है जो वर्तमान में प्रचलित हैं वे दोनों-धर्म के आश्रित नहीं हैं। ब्रजराजनगर के लिये E.C. हुक्म-नामा को अपने हाथ-हवाला में रखे चूंकि यहां कचहरी और Paper Mill के होने से हमारे लोग-बाहर से आते हैं।

नगर पुरा सामग्रियों से भरा-पड़ा है आश्चर्य की बात कि-State में Public preaching मना है। कुछ समय लिया जाय-तो ब्रजराजनगर में एक बड़ी मण्डली यहां पर खड़ी होगी।

25/7 44-को वहां निवास किया और रविवार को और 26/7 44 को दो आदमी की शादी हुई और मण्डली की आपस-बातों को फैसला किया। गाड़ी बदलने-ही-से देखने से वह स्कूल के यह आश्चर्य में अपने विभाग से लाया था।

26/7 44 को हम-दोनों Bus से Bamra होके Rly train से Garhpos आये और ता० 27-7-44 को Philinglechal मण्डली गये और हाल-का वहां देखरेख किया

मिटिंग में हाजिर — Rev. S. Kula, Rev. B. Ekka, Cat. Jiwanmasih Kekette Madhupur; P. Sahay Lugun Jarai; Samuel Topno Nawapali. P. Sahay Dang Karlakhaman + Premprasad Aind Philinglechal (2the) और स्थानीय पंचायत और प्रचारक-पांच (5) और आम 17-थे।

Bishay — (a) मण्डली दो भाग हुआ है
(b) मण्डली के लिये प्रचारक बदलना:

a, — मण्डली भाग के कारण ये हैं एक-तो पुरानी बात-की अर्थात पुराना प्रचारक और गांव के एक लड़की का मनमोटाव। यह विषय खत्म-हो चुका है पर मण्डली में अब तक मनमोटाव है उसके-कारण ये हैं।

I पहिले कथा-गये प्रचारक और लड़की का दोष मण्डली में तय-पाया है और जाति सभा में भी खतम हुआ है पर मण्डली के दो भाग होने के कारण जाति विभाजन बात भी साथ हुई है एक पार्टी मण्डली के मनमोटाव के कारण नहीं मान रही है।

II Premprasad Aind का अपने को जबरन बदला प्रचारक-काम करना।

ये उक्त दो कारण हैं इस मण्डली दो भाग से का एक-भाग हाथ में मिला-रहता है और दूसरा भाग, दो Mile की दूरी पर Karlakhaman हमारे ही प्रचारक में आती है। सो यहां दो Parties हैं एक Premprasad Aind पार्टी और और दूसरा उसका विरोधी पार्टी। Premprasad Aind का पार्टी strong है पर विरोधी पार्टी कमजोर है।

Puranprasad के पहले में Bumra State से बाहर के लोग हैं जैसे Gangpur, Takasma, Govindpur Est. पहले में बसाये गये हैं। जिसमें पहले में स्थानीय लोग हैं और ~~Policy~~ Policy बनाने में स्थानीय आन्दोलन है। सो मुझे मालूम हुआ कि मण्डली में दो भाग होने का कारण बाहरी Puranprasad and others हैं जो इस इलाके से अपने को प्रचारक बनाए रखने की इच्छा का काम करते हैं। सो मैं पंच में Philinghahal के प्रचारक की नियुक्ति का विचार किया

I सवाल — कितने चाहते हैं कि यहां के लिये C.C. प्रचारक देवे
जवाब — 12
Q. जो कितने इसके विरुद्ध में हैं
A. 5

II Q. — कितने चाहते हैं कि Puranprasad and यहां का प्रचारक न होवे
A. 7
Q. — कितने चाहते हैं कि ~~यू~~ Puranprasad and ही रहे
A. — 3.

Note सिर्फ स्थानीय मण्डली के लोगों ही से वोट लिया गया था।

सो बात-चीत की कि दूसरे प्रचारक बदल का प्रचारक न रहे पर जोर मैं ने यह हुआ कि दूसरे प्रचारक का पहले strong है यहाँ एक सोचने की बात है। सो आपस में हम लोग बात करके यहां के लिये प्रचारक देवें। सो मैं ने सभा को आपसी फैसला ऐसी रीति —

I कि प्रचारक को C.C. देवेंगे
II कि जब तक C.C. प्रचारक न देवे तब तक Puranprasad and काम चलाते रहेंगे
III कि 1943 का जमाना का Report Philinghahal पादरी जी C.C. को देवे।
IV 30-7-44 से सारी मण्डली एक जगह मिला करेंगी।

प्रचारकाल Philinghahal के प्रचारक ने [illegible] को [illegible] के पहले ने सिल (ताड़) लिया। और [illegible] के [illegible] पैसा से [illegible] लिये हैं जो [illegible] की बात है [illegible] से [illegible] कि Police ने [illegible] को [illegible]

रुपए पैसा का List — Dharmdas Topno Bikiribali 1000 Dal.

Prabhusahay Hemrom Philinghahal 1000 Dal

Samuel Lagun Philingkeahal 1000 Dal जमा Rs. 3000 Dal

जो विरासत की बातें नहीं हैं। ऐसे ही बातों को मैं पंचायती की बातें कहता हूँ।

Puranprasad की पार्टी में Dharamdas Tipono साथ का एक आदमी है जो पादरी को मण्डली के लिये रुकावट है। मण्डली अपनी कमजोरी से इनका सामना नहीं कर सकती है। जिन से की कमजोरी हुई है

N.B मण्डली में जब तक मेल न हो गिरजा घर बनाने का काम बन्द करना उचित है

28/7 44 फ़जीर को हम लोग Parish कमेटी के मेम्बरों से और कुछ बड़े और खास खास के पंचों से मिले, सेक्रेटरी, मण्डली सेवकाई के विषयों पर, आपस में बातचीत किया। फ़जीर कोचरिंग सन्तोषजनक रही।

General Note on Bamra and Jharsuguda

C.C. सेक्रेटरी हर छठवें महीने अपना visiting दौरे President महोदय के Pastorate से खास खास Report लेवे।

Urgency Note on Rajgangpur —

Rajgangpur के Rev E. Ekka को अक्टूबर 1944 के अन्त में निश्चय ही बदल दिये जावें। मण्डली में आप की हार हो गया है। Confidence तो गिर ही गया है यदि पादरी की बदली में अगर देर की जायेगी तो कुछ लोग S.P.G. में चले जायेंगे और हमें नहीं पछताना करना पड़ेगा।

28/7 44 शाम को Garhpos आये और रात की गाड़ी से Tata 29/7 44 को पहुँचे और अब तक मलेरिया के रोग से पीड़ित हैं।

आप के आज्ञाकारी दास

[illegible]

8/8/44

Copies to Secretary, President C.C.

9(2) 3

To

The Secretary
Lutheran Church Camp Ranchi

F56

From
Rev. S. Kula Supervisor
Camp Jharsuguda.
21/7/44.

महाशय,

आप को यीशुसहाय।

मैं 6/7/44 को Kitadih से railway station आया कि गाड़ी पकड़कर Jharsuguda जाऊं पर अपसोस की बात कि Military के कारण Booking बन्द कर दिया गया सो मैं फिर से 7/7 को गाड़ी पकड़ कर 8/7 को Jharsuguda आया और Rev. S.M. Bage से मुझे पता लगा कि इलाके प्रचारकों की बैठकी 12/7 को Jharsuguda में होनेवाली है सो मैं ठहर गया और आनन्द की बात थी कि हमों ने 9/7 और 10/7 को यहां गिर्जा और jubilee मनाये और आशा से प्रचारकों की बाट जोहते रहे - पर पानी इतना करने लगा कि सिर्फ एक प्रचारक Binjipali का आया और सब गैरहाजिर !! सो मैं 14/7 को Paper Mills Brajrajnagar को गया और 15/7 को Jharsuguda लौट आया। वहां पर हमों के करीब 150 ईसाई प्राणी हैं और उन के लिए कोई गिर्जा घर नहीं है सो मैं 14/7 को एक मिटिंग बुलाया जिस में यह तय पाया :—

a) वहां पर एक Church Compound Company area के बाहर होवे जो हमारी मांग को भविष्य के लिए भी पूरी करे-

b) कि हर को इस के लिये चन्दा आनन्द से देवें।

c) कि एक पंच होवे जो गांमू से बात करे।

d) C.C. सिर्फ रजिस्ट्री का खर्च वो गवाहों को खर्च देवे - पर जगह खरीदने का दाम स्थानिये लोग देवें।

e) कि यहां पर अभी मोलनदिरी गिर्जा होवे - मैं और Marshal Herenz जगह को देखने गये और अन्य जन भी थे पर अपसोस की गांमू से हमों की मुलाकत न हुई पर मुझे स्थानिये लोगों ने बताया कि गांमू जरूर देंगे - Marshal Herenz Rs 20/- Compound के लिये चन्दा देने की इकरार दिये और ऐसे ही औरों ने - मैं ईश्वर को धन्यवाद देते हुए और उन के उत्साह को बढाते हुए 15/7 को Jharsuguda चला आया।

मैं 13/7 को Sundargarh जाने के लिए टिकट कटा और कुछ दूर जा कर Bus से ~~उत~~ उतार दिया गया सो मैं 13/7 को Jharsuguda ही में ठहरा —

16/7 को मैं Rev. S.M. Bage के साथ गाड़ी में चढ़ कर Binjipali गये और गिर्जे के बाद एक पंचायत हुई जिस में हम दोनों के अलावे 12 जन भाई लोग थे जिन में Manmasih Barla और उसका भाई Jaymasih और ~~Junas Barla~~ :- ~~मैं ने~~ उन के भतीजे प्रचारक Sasan का Jakariah और Junas Barla :- मैं ने प्रार्थना के साथ पंचायत को खोला और सभा को बताया कि मैं C.C. की ओर से Binjipali में 2 बातों के लिये भेजा गया हूं -

I कि Manmasih Barla और उन का भतीजा Jakariah Barla के बीच मेल कराऊं -

II कि Manmasih Barla वो Jaimasih Barla वो उन के परिवार जो Advantist हो गये हैं उन को समझाऊं कि वे अपनी माता मंडली को लौट आवें —

I कि मेल होवे — Manmasih Barla वो Jaimasih Barla वो उन के भतीजे Jonas वो Jakariah Barla रोते हुए आपस में मिले और एक दूसरे को क्षमा किये और मंडली उठ कर ईश्वर को धन्यवाद दिया और दूसरी बात को 17/7 मजिर को लिया -

II Manmasih Barla वो Jaimasih Barla अनेक कारणों को बताये जिस के कारण वे मंडली को छोड़े हैं - जिन में कुछ ये हैं - जातिभेद (Concerning Parha) उन का Secretary ship का लिया जाना और उन के पुत्र Johan Barla का Teacher ship में लिया जाना वो Nagpur वालों का Executive पना। सभा ने उन को (Manmasih) जवाब दिया कि उन का Secretary ship आप ही से खोया जब कि वे हाजिर नहीं हैं तो फिर सभा को अपना Secretary ठहराना ही पड़ता है फिर उन के पुत्र को तो बदली दी गई तो वह जाता ही नहीं और मैं पढ़ा सम्बन्धी वो Executive के बारे बोला :. पर कितनी अच्छी बातों को करता है जौभी उन में अनेक छोटे त्रुटि हैं। समय आने पर वे हल होंगे।

नोट: - याद रहे कि उन का बड़ा भाई Jaimasih Barla अपने चाचा की बेटी ही को रखनी रखा है जिस से उस को पापक्षमा और शादी देना बनता नहीं है। पर अभी Jaimasih की स्त्री मर गई (विवाहिता स्त्री) पर Jaimasih को तौभी नहीं बनता है चूंकि वह अपनी चाचा की बेटी को रखनी रखा है।

Nagpuri Executive :: Manmasih की इच्छा है कि वे आप ही सर्वेसर्वा रहें और पद्री से लेकर नीचे तक उन की हुकुमत मानें -

सो मैं Manmasih को सभा ही में बोला कि Cross के नीचे सब को अधिकार है कि उस की (Christ की) बड़ाई करे तब Manmasih बोला :- मैं अभी सब बातों से कुछ दिन के लिये अलग रहूंगा चूंकि लोग मुझ से नराज हैं जिस से प्रभु की मंडली की भलाई हो। और हम लो (Manmasih and Jaymasih) किसी को Advantist में नहीं लावेंगे और हम लोग अब तक Lutheran मंडली से स्तिफा नहीं दिये हैं वो Advantist के अखिरी ताह में नहीं आये हैं मैं ने सभा में यही फैसला रखा -
a) कि Manmasih और Jaimasih के परिवार हमारे गिर्जे के आराधना में आवें
b) कि Manmasih वो Jaimasih गंभीरता पूर्वक अपने विषय में सोचें
c) कि कोई अपनी माता मंडली को न त्यागे - मैं Private में Manmasih से अनेक बातें कीं और उन्हें जताया कि Masih के Cross के नीचे आने से उन का आत्मिक और लौकिक उद्धार होगा -

18/7 को मैं वो Rev. S.M. Bage Sambalpur आये - और ~~Biray~~ Bajray से मुलाकात किये वे एक S.P.G. भाई हैं और हमारे भाई

हैं और हमारे भाई Cornelius Dalki के बेटी दमाद हैं पर
Cornelius भी अभी Advantist है और Bagray भी है
Bagray से हम लोग मुलाकत किये उन का कहना है कि मैं तो
थोड़ा दिन यहां रहता हूं और आगे चला जाता हूं। सो आप लोग
अपने भाइयों को ले लें। मेरा उजुर नहीं है।
उन से बात करने के बाद हम लोग अपने ख्रिस्तान भाई बहनों
से Sambalpur में मुलाकत किये और 19/7 को sasan मंडली
में आये और उन्हें उपदेश आदि दिये - और 20/7 को
Jharsuguda लौट आये

नोट :- बाकी प्रचार कुपनों में अभी जाने की जरुरत मैं नहीं समझा
कारण कि अभी Man masih के काम - मंडली को मालूम हो गया
है। और 16th July से 20th July तक सूर्य्य का दर्शन बरसा से
न मिला हो आज 21/7 को भी सूर्य्य का पता नहीं है। मैं आगे
Bamra जाने चाहता हूं और Rev. Bilokan के आज्ञा में यहां
Jharsuguda में बैठा हूं - गाड़ी न मालूम 6 A.M. को आने वाली
थी पर अभी 11 A.M. हो चुकी है पर न आई है —
आगे ईश्वर पिता मालिक है —

आप के आज्ञाकारी दास
S. Kula

17/7. को मैं Rev. S. M. Bage और Binjipali का प्रचारक Jusaph Surin
Basupali ~~पर~~ प्रचारकार्य गये और वहां के भाई बहिनों से
मुलाकत होने से मैं बड़ा ही आनन्द पाया कारण कि 1928 में मैं
ही ने वहां के गिर्जे घर को संस्कार किया था जब कि Rev.
Bagraila वो Rev. G. Barnam. Jharsuguda में N. M. S. से
काम कर रहे थे।

S. Kula

✓ Jharsuguda Compound — हाता अच्छी अवस्था में थोरे के
द्वारा लाई जा रही है। हाता का स्कूल उन्नति पर है। अफसोस
कि हाता का बड़ा बंगला school के नाम पर भड़ा दिया गया है
पर अभी H. E. School वो Hostel के व्यौवहार में लाया जाता है
सो Hostel के व्यौवहार में भी आने से आगे बंगले की
हालत अच्छी न होगी —

S. Kula.

F 56 9 (3)

The Gossner Evangelical Lutheran Church, Jamshedpur.

Chairman: Rev. S. HEMROM, L. Th.
Secretary: P. D. KANDULNA, B. A.

No. .... Dated 28/8/ 1944.

Church Supervisor's Report to Burda (Purolia Taka)

To The ~~President~~ Secretary Lutheran Church ~~Camp~~ Ranchi. 28/8/44.

19/8 को Bus के द्वारा Ranchi से [illegible] Mijra (Silly) आया। [illegible] R.C. [illegible] है।

20/8 को Mijra [illegible] और [illegible]

21/8 को [illegible] और Silly से Suisa से Train से [illegible] आया और 21 को Koreng (Burda) [illegible]

22/8 को मैं Burda गया और [illegible] New design से बनाया गया है [illegible] Baranda [illegible] और [illegible] Plastering [illegible] है।
[illegible] (पाने [illegible]) और Rs 250/- [illegible] और [illegible] Rs 200/- " " [illegible]
Church Compound [illegible] और [illegible] है।
[illegible]
[illegible] किया।

23/8 — [illegible] D.B. [illegible] किया [illegible] 5 [illegible] सभा में [illegible] 17 [illegible] हाजिर थी।
[illegible] C. [illegible]
C.C. Burda [illegible]
[illegible]
Burda [illegible]

Burda [illegible]

a/. Burda — Ranchi [illegible] Purulia [illegible] 50 miles [illegible]

b/. Purulia [illegible]

c/. Elijargo [illegible] Mijra [illegible] R.C. [illegible] C.M.S. (S.P.G.) [illegible]

Burda — 250 — [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] C.C. [illegible] Burda [illegible]

[illegible]

[illegible]

Purulia [illegible]

[illegible] C.C. [illegible] Purulia [illegible] 2 [illegible]

[illegible] C.C. Burda [illegible]

[illegible] C.C. Checkari, Hazaribagh, Bano, Sambalpur.

Ch. Boarder [illegible] Aid [illegible]

[illegible] Burda [illegible] Rs 10, 15, or 20.

[illegible] C.C. [illegible] Aid [illegible]

[illegible]

[illegible] C.C. [illegible]

[illegible] Burda [illegible]

[illegible] Burda [illegible] Rs 100/-

[illegible] 35, [illegible] 250/- [illegible] Kurmi [illegible]

[illegible]

[illegible]

1/. Purulia [illegible] Rev. P.C. Panoria [illegible] Purulia [illegible]

[illegible]

[illegible]

2/. [illegible] Burda [illegible]

[illegible] Aid [illegible]

[illegible] Burda Parish [illegible] demand [illegible]

[illegible]

The Gossner Evangelical Lutheran Church, Jamshedpur.

Chairman : Rev. S. HEMROM, L. Th.
Secretary : P. D. KANDULNA, B. A.

No. .... Dated 19

[illegible] — C.C. Burdu [illegible]

Burdu [illegible] Parish [illegible] Rs 30 [illegible]

[illegible] Burdu Parish [illegible]

No.	Name	House	members	distance from Burdu	Site from Burdu
1	Burdu	35	250		
2	Elijargo	5	25	6 miles	West
✗ 3	Patkom	23	150	12 "	South
4	Chandil	4	15	12 "	"
5	Mijra	2	9	12 "	West
		69	449		

✗ Patkom [illegible] Tamar [illegible]

[illegible] 70 [illegible] 450 [illegible] Parish. Purulia [illegible] Backward Area [illegible] Kurmi, Munda, Khar[illegible] Santal [illegible] Burdu [illegible] Burdu [illegible] D.B. [illegible] V.P. [illegible] Rs. [illegible]

24/8 — [illegible] Silly [illegible] Elijargo [illegible]

25/8. [illegible] Train [illegible] Ranchi [illegible]

Elijargo [illegible] Parish [illegible]

Jargo [illegible] Eli [illegible] 2-3. [illegible]

[illegible] Eli [illegible] R.C. [illegible]

Mijra [illegible] Elijargo [illegible]

[illegible] R.C. [illegible] S.P.G. [illegible]

R.C. [illegible]

[illegible] 7/12/[illegible] [illegible]

[illegible]

S. Kula

28/8/44

F 56

To, The Secretary, G. E. L. church
Ranchi,

Report by church Supervisor, Rev. S. Kula
Dated 28-9-44

Jonahatoli 16th August 1944.

आज तारीख १६-८-४४ को मान्यवर Rev. S. Kula church supervisor के सभापतित्व में दूसरी इलाका जो-जोन्हाटोली प्रचारक पन के पंच और नाई-बहिनों की सम्मिलित जोन्हाटोली गिरजा घर में हुई।

I काम का आरम्भ दुरंग पुथी ८२ का शास्त्र वचन "अपना कुश-इति" पर एक छोटा उपदेश दिया गया।

II चेयरमैन और सेक्रेटरी का चुनाव:—

सर्व सम्मति से चर्च सुपरवाइजर Rev. S. Kula और Mr. C.H. [illegible] इलाका सेक्रेटरी आज के लिये चेयरमैन और सेक्रेटरी चुने गये।

III हाजिरी:—
1. Rev. S. Kula church 1
2. प्रचारक ---- २
3. इलाका मेम्बर — १२
4. पंच --- ~~[illegible]~~ १२
5. शिक्षक ---- २
6. [illegible] ---- १८२
7. पाहुन ---- २०

टोटल - २२२

IV Petition ।।

आज सभा में पाहुन शब्द का प्रयोग:—

पाहुन शब्द पर बात चीत होने से यह दिखाया गया कि किसी-किसी इलाकाओं में इलाका आम सभा का संगठन यों है:- इलाका पंच + पेरिश पंच + प्रचारक पन और कोई-कोई इलाकाओं में उक्त तीन प्रकार के पंचों के साथ आम जनता भी मिलाये जाते हैं। ऐसी पिछली प्रथा इलाकों में अनेक इलाका चेयरमैनों के जमाने से चली आ रही है, चर्च सुपरवाइजर ने दिखाया कि हमारी नियमावली

P.T.O

मे साफ से यह बात नहीं है कि इलाका आम सभा का संगठन कैसे हो। एक बात हमारी नियमावली में है vide 12वाँ निर्णय नियमावली Item 3. कि इलाका अपने लिये नियम बनावें इति।

फैसला:- आम सभा की जो प्रथा हरएक इलाके में चली आ रही है सो रहे। इलाका आम सभा सुसमय में उक्त धारा के (vide 12, Item3) आधार पर अपना नियम या कायदा चालू करें।

V Petition no. 1 [2+3] और Petition no. 2 [2] सेन्ट्रोलीजेशन :-

~~फैसला~~ — सेन्ट्रलीजेशन का अर्थ बतला दिया गया

फैसला — ब्रंच प्रचारकों को इलाका अपनी स्थिति के अनुसार कुछ अधिक मदद देवे।

नोट:- जो प्रचारक पूरा काम करते हैं।

VI Petition 1 4 पंच बैठकी में 171/- का खर्च :— Rev. C.K. Vanpa
पूरा बिवरण देतेहुए सभा को समझा दिया।

VII Petition 1 5 32/रु० प्रभु प्रीत बाबत — रु० 32/- महासभा में दिखाया गया।

चर्च सुपरवाईजर ने बहियों को देख कर बताया कि यह 32) रु० केवल ब्रंच प्रचारकों का प्रभु प्रीत भोज है। बाकी शाखाओं का प्रभु प्रीत और आत्मी भोज सब मिलाके महासभा को आमदनी-आयती के रूप में दिखाया गया है।

फैसला — आने वाले महासभा में इसका सुधार होवे।

नोट:- रुपये गोलमाल नहीं हुआ है पर दो प्रकार की आमदनी आमदनी में केवल दिखाया गया है।

VIII Petition 1-6, Pet. 2-3, Pet 2-4 कर्मचारियों का बोनास —

चर्च सुपरवाईजर ने कहा कि कर्मचारीगण आजकल भारी घाटा सहे हैं और अभी चीजों का दाम अत्यन्त बढ़ गया है सो C.C. ने फैसला दिया है कि तलब का 1/6 हिस्सा से अधिक कोई इलाका वार एलावेंस न देवे।

फैसला:- कि इलाका अपनी फिनान्सियल अवस्था के अनुसार अपने कर्मचारियों को वार एल. वेंस देवे।

नोट:- ब्रंच प्रचारक मन के "फूल टाईम" प्रचारकों को भी वार एलावेंस दिया जाय, उसका दे इलाका करावेगी।

Ch. supervisor explains financially awasthā — war allowance to not more than 1/6 of ...

[illegible] 13/10

Ch. S. says that there 25 pailas paddy and 6 pailas rice consensus of 1953. Th? 13/10

IX Pet 1.7 ह० का २५ पैला धान और ह० का ६ सेर ~~आज~~ चावल :—

चर्च सुपरवाइजर ने सभा को बताया कि आम का मांग और मंडली कर्मचारियों का मांग ठीक है अर्थात आम का मांग है कि C.C. सेक्रेटरी के रिपोर्टानुसार जिन्सी बाजार रेट से बिक्री किया जाय और कर्मचारियों की मांग है कि महासभा के फैसलानुसार उनका वेतन २०-२५ रुपये माहवारी होवे।

फैसला :— २५ पैला ह० का धान और ६ सेर चावल आदमी का रेट १९५४ के लिये इलाका आम सभा का फैसला बहाल रहे। पर १९५५ से इलाका आम सभा नया रेट रखे।

X Pet 1.8 सक्रामेन्ट की सेवकाई में त्रुटि :— मंडली का कहना था कि १९५३ में हमें एक बार केवल प्रभुभोज मिला पर पादरी बाबू का कहना था दोबार। पर चर्च सुपरवाइजर ने बहियों को देखा और पाया कि जोन्हायोली मंडली को दोबार मिला अर्थात २४-३-५३ और ४-७-५३ को। एक बार सक्रामेन्ट की सेवकाई चूक कर सभा में अफसोस प्रगट किये और बोले कि प्रति मंडली को साल में कम से कम ३, या ४ बार जरूर सक्रामेन्ट मिले।

XI Pet 1.9 सक्रामेन्ट के बांटने में भूल :— Rev. C.K. Vangra ने भूल से १९५३ मार्च २४ में कितनों को केवल रोटी दी और दाखरस नहीं दिया, इसके लिये वे सभा में अफसोस प्रगट किये।

XII Pet.1.10 + Pet 2.14 बालकों का स्नान :— इस पर बातचीत होने के बाद फैसला हुआ, बपतिस्मा के लिये चिट्ठी लाया जावे पर खत में जन्म तारीख का इन्ट्री न होने के कारण बालकों का बपतिस्मा किसी सूरत से न रोका जाय।

XIII Pet 1.11 सेवकाई सम्बन्धी के तारिख आदि में गड़बड़ी।—
पुराने बातें होने से दोनों पक्ष अपनी २ घटना की स्थिति ~~व~~ व तारिख को सभा को ठीक रीति से समझा नहीं सके, पर चर्च सुपरवाइजर के बहियों को देखने से घटना की तारिख साफ हुई। याने २४-३-५३ को घटना हुई (आधों को केवल रोटी मिली) और ४-७-५३ को पादरी C.K. Vangra अपनी भूल कितनों को बाहर में समझौते के आधार में बताये।

XIV 1.12 रुपये २०५॥) इस्पाई का अन्य खर्च :—
पादरी C.K. Vangra ने सभा को बताया कि यह तीनों पेरिशों का अलावे खर्च का योगफल है। इसी में :—

P.T.O

इसी में इलाका-कर्मचारियों का बोनस (४०२) रु० भी शामिल है।
फैसला :- खर्च अलग २ दिखाया जावे।

XV Pet 2-8 २५) रु० माहवारी कन्टिंजेन्सी का मांग :—
इस विषय पर अनेक लोगों ने पक्ष व विपक्ष में बहस किये।

फैसला नं० १, कि इलाका अपनी सामर्थ्य के अनुसार मंडली को सहायता करेगी।

नं० २, मंडली का जरूरी खर्च, जैसे चपरी, मोमबत्ती, डालिया, झाड़ू, धूप, पानीघड़ा, ताला-चाबी, लिपाई-पोताई व जाम पर्व के जरूरी खर्च अपनी आमदनी के लियाकत अनुसार खर्च कर सकती है। ~~इलाका~~

~~नं० ३~~, इलाका उक्त कामों को प्रभु के नाम से आपही करेगी यही उम्मीद रखती है।

नं० ३, इलाका आम सभा अपने गिरजाघरों की मरम्मत के लिये कोई खास राय (मंडली का कोई आमदनी) महासभा के एजेंडा में पेश करे।

XVI Pet 2-11 यू० पी० शिक्षकों को मदद :— पक्ष व विपक्ष में बहस होने के बाद फैसला हुआ कि नीचे अंकित चार स्कूलों को माहवारी १०) रु० का ग्रांट इलाका मदद में देगी।

स्कूल ये हैं — जोन्हायोती, चंपी-कुरकुरा, तितलिंग और डामयोती। सो ये स्कूल अपना २ फिनान्सियल स्टेटमेन्ट १९४३ का और १९४४ का आधा वार्षिक इलाका को देवें। और इलाका इस दस रुपये का बटवारा इन चारों स्कूल में करेगी।

S. says = This arrangement is only for war period (G.S. 13/10/44)

XVII Pet 2-12 धंधा-खुंटा — फैसला — मंडली १००) या २००) का मांग न करे पर वर्तमान महंगी की तकलीफ को याद में रख कर पैसा-धंधा-खुंटा के लिये खर्च करे व खर्च का रिपोर्ट इलाका को मिले।

XVIII Pet 2-13 चर्च सुपरवाइजर ने सभा को समझाया कि दूसरे पादरी के यहां आने से नई रीति से स्थिति को समझने के लिये और समय बर्बाद होगा और इलाके का हानि उठानी पड़ेगी। इसलिये वर्तमान चेयरमैन का रहना यहां जरूरी है।

Y.IX Pet 2.9 A- जोन्हासोती के लिये पादरी —— इलाका आम तथा कोलेबिरा थाना को ख्याल में रखते हुए एक पेरिश खोलने की इजाजत दी है तो यह और एक जोन्हासोती पेरिश बने का मांग वर्तमान में इलाका के लिये असम्भव है।

B - Pet 2.10 ~~फैसला~~ —— तीन इलाका मेम्बरों का मांग —
फैसला —— फी २०० दीक्षित में एक मेम्बर, जोन्हासोती में अभी दो है। और यही बस है।

S. Kulu
28/9/44.

~~4(c)~~ 9(4)

F9 ✓

Takarma
20. 6. 44

Manyawar Hony Secy Theodore Sumi ko
Jyohmsahay!

ap ko report diya jata hai ki Kai mandlion se centralise band ho gaya hai. Loyonkel & Jouhatki se May ka amad nahi mila. Unhon ne apne pracharakon ko talap de diya hai. Jaldega & Korsade se koi report nahin aya par bidar hai ki wahan se bhi nahin awega. Baki sabjagahon se centralisation aya. 15. 6. 44 ke full Ilaka meeting men yah phaisla huwa ki Ilaka ne niyamanusar kharch kiya aur kam kiya iska samjhanta niwedan milne pas bheja gaya. Tis par bhi centralise na awe to commission 25. 6-44 ko Jouhatki jayegi aur Loyonkel 2. 7. 44 ko jayegi samjhane ko. Tis par bhi yadi na mane to iska report C. C. men jayega.

(2) C. C. se High school building ke liye 30/- mila iske liye Ilaka sabha hardik dhanyabad deti hai. (3) Ilaka men press hoke kam kiya jata hai tau bhi aisa Solmal hota hai. Visheshkar Jaldega ka Babu Joel Suan Tirkedar hai jo ja jake yah samjhate hain ki centralise mat karo. Malum hota hai unke sang aur bhi hain.

P. T. O.

Abhi wah samay a gaya hai jis men bhai bahinon ko aur bitha pandon ko thik marga men lane sakenge. autonomy ka mane ko ulta arth laga ke mandli ko samjhate hain. yadi is bar Ilaka athwa C.C. samjhane men fail hojawe to mandlion ke liye hani bani hogi. yadi is samay ham log samjhane men saphal ho jayenge to is golmal ka achha phal niklega. Idhar bahut log niyamavali ko jante nahin. C.C ki agyanusar pande chune gaye aur niyam ke saman meeting hone laga to golmal nikal gaya. Main ne ap ko Ranchi men sab baten mukha mukh kah di.

(4) ap logon ko yad dilaya jata hai ki Mr. Rafael Kerketta koi ek din bhi bina daru ka nahin rahte hain. koi 2 roj to pike chhakachhak rahta hain. kitna din tak unke liye "grace"-time hai. mandli ke liye aur chalong ke liye bari thokar ka karan hai. Mr Rafael Kerketta sudhar ke marg men hai hi nahin. Mere nikat rahte hain aur nisha men sab roj rahte hain isse aisa malum hota hai ki nahin sudhrenge.

shubh.

C. K. Bhengra
Chairman

Takarma
20.9.44

महामान्यवर Revd. J. Lakra प्रेसिडेन्ट को बहुत २ यीशुसहाय !

आप को जनाया जाता है कि (१) जोन्हायोली मंडली का गोलमाल सफाई हो गया है ता: १९.९.४४ को इलाका सभा के साथ चर्च सुपरमैंजर जोन्हायोली गये थे।

(२) ललकेल गोलमाल के विषय चर्च सुपरमैंजर Revd. S. Kula और इलाका सभाने एक काम किया है जिससे उम्मेद है कि वहां का गोलमाल शान्त हो जायगा।

(३) आज ता: 20.९.४४ को चर्च सुपरमैंजर तपकारा चले गये। उधर से लौट के लोयोंगा को ले जायेंगे। उम्मेद है कि ईश्वर के अनुग्रह से वहां का गोल माल की सफाई हो जायगा।

ऊपर लिखित बातों का पूरा रिपोर्ट चर्च सुपरमैंजर C.C. को देंगे।

आप का आज्ञाकारी

C. K. Bhengra

Copy forwarded to the C.C. Hony. Secy for information.

C. K. Bhengra

मि॰ 17/7/44 95) F9 u(9) Takarma
12.7.44

मान्यवर Hony Secy Theodore Surin को यीशुसहाय!

(1) आपसे अर्जी की जाती है कि तलब स्केल और वृद्धि का नियम जो अंतिम दफा में बनाया गया और पास भी हुआ है उसका नकल कृपया जल्दी भेज दीजिये। मैं साल को याद नहीं करता हूं पर यह याद करता हूं कि यह नियम पास हो गया है पादरियों और प्रचारकों के लिये। कृपया तकलीफ उठा के खोजिये और भेजिये क्योंकि इस इलाका के लिये दरकार होगा।

(2) लोयोंकेल मंडली का गोलमाल शांत हो गया है। इलाका कमिश्नर ने गोलमाल को शांत कर दिया है। वहां से जो सेन्ट्रालिजेशन बन्द था सो बीते 5-6-44 की बैठकी में सेन्ट्रालैज किया गया। इलाका ने वहां के प्रचारक घर मरामत के लिये 20) रुपैया दिया और गिर्जा घर मरामत के लिये 82) रुपैया जमा दिर) रुपैया दिया गया।

(3) जोन्हायेली मंडली का गोलमाल अभी तक शांत नहीं हुआ है। पहिले के प्रचारक पर पंच व परिशपंच थे जिससे पंच लोग नियमावली की बातों को नहीं जानते हैं। अभी नियमावली को चालू करने से Reformation के ऐसा हो रहा है और कहीं २ नियमावली के अनुसार चलना कठिन मालूम होता है। अभी इलाका पंचों का अनादर हो रहा है। हां भारी बेइज्जती। मैं सहनशील होके अपना काम कर रहा हूं। हमलोग कौंसिल के आने की आशा में हैं।

(4) बाबू युनस किड़ो के शोर्ट कोर्स के विषय और आरडिनेशन (ordination) के विषय 11.7.44 को मुझे आपसे चिट्ठी मिली। मैं इस चिट्ठी को पूरा इलाका सभा में पेश करूंगा तब आप को सुसमय में जवाब मिल जायगा।

(5) 10.6.44 को हमोंने यहां बड़े आनन्द के साथ 25 बरस का जुबिली मनाया है। गिर्जा के बाद जैसा C.C. से प्रोग्राम ठहराया गया है वैसा किया गया और उन्हीं बातों पर भाषण भी दिया गया। बाद लड़के लड़कियों का और देहाती भाई बहिनों का भी खेल कूद हुआ और अन्त में बकसीस भी बांट गया और चाय भी दिया गया। गिर्जा के समय गायकगणों ने अच्छे २ गीतों को गाया और ईश्वर की महिमा और आनन्द को बढ़ाया। भाषणों के समय अर्थात गिर्जा के बाद जो भाषण हुआ बीच २ में गीत और भजन गाये गये।

P.T.O.

समूचा इलाका से यहां नहीं आये क्योंकि यह ठहराया गया कि बरसात का दिन होगा इसलिये पौरीशार में जुबिली मनाया जाय और ऐसा ही किया गया।

(6) आप को मालूम होवे कि गोलमाल के विषय Official report भेज को दिया गया है जिसमें Chairman & Secy का Signature है।

आप का आज्ञाकारी

C. K. Bhengra

Chairman 12/7

Ack'd
Th. Lusin
5/9/44.

9(4)

F9

To The Secratary G. E. L. Church Council Ranchi.

From. Christofer Bage Jonhatoly. P.O. Lassia Dtt Ranchi.

श्रीमान सेक्रेटेरी साहब को यीशु सहाय।

जोन्हाटोली मण्डली ने मई १९४४ से इलाका में सेन्टरलाइज करना बन्द किया है। इस बाबत में २५ जून '४४ को इलाका-कमिशन जोन्हाटोली आया था; पर बात सफाई नहीं हुई।

इस पर कमिशन ने कौंसिल में रिपोर्ट दिया है, जिस रिपोर्ट में मेरा नाम विरोधी दल के अगुवा में दिया गया है; मैं अफशोष करता हूँ कि क्यों पाद्री साहब ने मेरा नाम लिखा है।

जिस रोज मण्डली ने सेन्टरलाइज बन्द करना शुरु किया उसी रोज मिशन स्कूल के मास्टरों, प्रचारक और प्रचीन उस दल से अलग कर दिये गये; जिसको हम्मों ने मंजूर कर लिया।

२५ जून को मण्डली और पाद्री साहब के बीच कई एक बात का झगड़ा शुरु हुआ; जिस में एक यह थी (पाद्री साहब ने एक दफे प्रभुभोज में कितनों को केवल रोटी दिया और दाखरस नहीं दिया था) इसी पर बात बहुत बढ़ गई, और बहुत शोर गुल होने लगा। पाद्री इस पर जोर देते थे कि मैं ने मण्डली से इसका समझौता कर लिया है। मण्डली बोलती थी कि समझौता नहीं हुआ है। मैं शोर गुल को शान्त करने वास्ते उठा, मण्डली को शान्त किया। पाद्री ने इस बात के सबुत के वास्ते प्रचारक और प्रचीन को गवाह रखा। मैं ने उनका का इजहार लियां, वे दोनो पाद्री के पक्ष में गवाह नहीं दिये। इस पर मैं ने सबों के सामने कहा कि "पाद्री की बात विश्वास योग्य नही है"। पाद्री भी मण्डली के सामने मान लिया और माफ मांगा। मैं समझता हूँ इसी कारण पाद्री साहब ने मेरा नाम कौंसिल में भेजा है।

मैं विरोधी दल में सामिल नहीं हूँ न कभी उस में भाग लेता हूँ न मैं उसका अगुवा हूँ।

इस सच्ची बात पर श्रीमान गलती समझते हैं तो कृपया मुझे माफ कीजिये।

Jonhatoly
29.8.1944.

आइन्दे हुजूर मालिक
हुजूर के तैबेदार
Christofer Bage

No

~~4 (4)~~

F9 9(4)

From,

Rev. C.K. Vengra Chairman and the Secretary to the Takarma Ilaka

To,

The Secretary G.E.L. Church Ranchi.

Dated the 29th of June 1944

Sir,

We have the honour to report that the Jonhatolli pracharakgan has stopped making centralization since the month of May, 1944.

On knowing some of their points the Ilaka Sabha gave them answers in writing and at the same time requested them to centralize all the income seized but they refused to do. The Ilaka Sabha thereby sent a Commission to them on the 25th of June 1944. The Commission was composed of the following members:— (1) Rev. C.K. Vengra, Chairman, (2) Rev. Santosh Surin (3) Rev. B. Minz. (4) Mr. Jonathan Tofno, (5) Mr. Barnabas Surin, (6) Pracharak Caleb Bajraita, & (7) Mr. C. H. Horenz Secretary to the Ilaka.

The Commission met the brethren of Jonhatolli on the 25th June 1944 in the Church, but failed to bring them to terms. They requested the Commission to request the C.C. to send some of the C.C. members to Jonhatolli to make them understand. The Commission also thought it proper to do so.

Hence "the Commission unanimously resolved that the C.C. members be requested to come down to Jonhatolli to make the people understand soon".

Jonhatoli decentralisation

We have the honour to be,

Sir,

Yours faithfully

1. C.K. Bhengra

2. C. H. Horenz

Secretary.

F56

Takarma

6/10.

Dear Secretary.

1/ from to-day I am suffering from "আমাশয়" so I shall stay here till my recovery.

2/ I am sending the Reports of Topkara Parish & Loyonket and 2 Bills.

Yours obediently

S. Kula. 6/10

F56

Bill no. 3. for Transfer.......... Rs-as-p.

15-8-44...	6 Bharias Kitadihi to Bus road........	1-8-0.	
	2 persons. ~~B~~ Bus fare ~~Kar~~ Jatar-Ranchi...	6-0-0.	
	4 Mds Lagage. Rs 2/8 per md.....	10-0-0.	
	2 Rixa Bus Road to ~~D~~ Chutia...	0-8-0.	= 18-0-0
31-8-44...	1 person ~~Bus~~ & 4 mds lugage Ranchi-Gumla...	13-0-0	
	2 Rixa ~~D~~ Chutia to Bus garrage.....	1-0-0.	
	5 Coolies - at Gumla.............	0-10-0	= 14-10-0
2-9-44.	3 Bharias Gumla-Jakarmaca Rs 2/10 each.	7-14-0.	
	3 Bharias fooding............	2-4-0.	10-2-0.
	fooding charges for.....		
	15/8-16/8 2 persons 2 days.......	2-0-0.	
	17/8-18/8 1 " 2 "	1-0-0	
	27/8-31/8 1 " 5 "	2-8-0	5-8-0
			Rs. 48-4-0

S. Kula 6/10/44.

F 56

Bill No. 4.... Tapkara Parish

		Rs. as. p.
	Bharia's River charges.	1-0-0.
28/9 – 27/9.	River Koil & Karo. charges to & fro.	1-4-0.
	Bharia for 8 days @ 6/ as a day.	3-0-0
	Bharias fording on the way only (3 days)	0-12-0.
30/9 – 1/10.	Bharia to Loyonkel. 2 days.	0-12-0
2/9 – 6/10 —.	Halting charges for 34 days.	17-0-0.
		Rs. 23-12-0

S. Kala.
6/10/44.

Page 1 F56

To.
The Secretary Lutheran church, Ranchi.
Report by Church Supervisor. Rev. S. Kula.
Dated 28th Sept 1944.

Koenara:— 21.9.44

आज तारिख २१-९-४४ को कोइनरा स्कूल घर में प्रार्थना के साथ सभा आरम्भ हुई। हाजिरी:— Ilaka chairman Rev. C.K. Guria
Rev. Y. Dang.
Ilaka Member - Philip Vengra
अन्य मंडली के .. २ भाई
कोनेरा के दोनों पार्टी के भाई,
पंच, प्राचीन वगैरह काफी संख्या में हाजिर थे।

I दोनों मंडली एक हो जांय —— चर्च Supervisor ने पूरे गम्भीरता के साथ आत्मिक वो लौकिक विषयों को लेके कोनेरा ग्राम को दो गिरजा नहीं पर एक गिरजे की आवश्यकता जताये। कोनेरा के ग्राम ने विवेक वो मुंह से मान लिये कि दो गिरजा करके वे चूक किये हैं; पर वर्तमान में वे एक होने से लाचार हैं।

A. फैसला — चर्च Supervisor ने फैसला देते हुए कहा कि C.C. ने आप लोगों की हट पर दोनों गिरजे को संस्कार किया, इसलिये कानूनन एक प्रकार से C.C बांधा हुआ है पर C.C भविष्य के लिये यह आशा रखती है कि आप लोग भविष्य में दो नहीं पर एक मन और तन होंगे। इस पर ग्राम ने भी अपना सम्मत होने की इच्छा प्रगट की।

B. कोनेरा मंडली पर इलाका ने जो सक्रामेन्ट की सकाई की प्रतिबन्ध लगाई थी सो आज से उठा दी जाती है। आगे पर दो गिरजे के हिसाब से पादरी नहीं आवेंगे, लेकिन एक गिरजा के हिसाब से, इसलिये पहान टूट के गिरजा में दोनों के लिये एक महीना बंध जायगा और दूसरा महीना मुंडा टूट के गिरजा में दोनों टूट के लिये बांध जायगा

C. यहां का कुल आमदनी इलाका में Centralise किया जावे, इसको सभों ने मान लिया।

S. Kula
28/9.

P.T.O.

<u>रोन्हे</u> (कुम्बा डुसीड़ टोला) 22-9-44

रोन्हे के असंस्कारित नये गिरजे घर में प्रार्थना के साथ सभा आरम्भ हुई। हाजिरी —

Rev. C.K. Guria.
" Y. Daul.
Mr. Philip Vengra.
" Mansidh Topno Budhia.
" Babulal Topno.

Ronhe khas ke — 14
Proposed new Girja ke — 6
Haboo Prachakpani 2
Rohinpani " 1
Kutam ke " 3

कुल — 30 प्रचारी थे।

चर्च Supervisor ने अनेक बातों से Proposed Girje के नाई-बहिनों को समझाया कि उनको अलग में रहना सब प्रकार से गैर मुनासिब भी है। पर उनके हट का सिमाना न रहा। अन्त में यही फैसला हुआ: —

A. इस नया गिरजा घर को संस्कार करना या न संस्कार करना C.C के अधीन होगा और सबों को उसका फैसला मानना होगा। सो चर्च सुपरवाइजर वहां की स्थिति का पूरा रिपोर्ट C.C को देंगे।

B. इलाका ने Proposed गिरजे ~~घर~~ वालों को सक्रामेन्ट, शादी से रोक दिया था सो आज के तारिख से C.C के आखिरी फैसला तक ~~उन~~ वह रोक-थाम उठा दिया जाता है। सो स्थानीय प्रचारक Proposed गिरजा वालों को भी शादी वो बपतिस्मा आदि कर दिया करेंगे।

Church Supervisor's report and opinion on the ~~said~~ subject.

भौगोलिक स्थिति: — संस्कारित रोन्हे गिरजा घर और असंस्कारित रोन्हे (कुम्बा डुसीड़ टोला) का फासला सिर्फ 3, 4 सौ गज का है। नाम के लिये लिये नया गिरजा घर डुसीड़ कुम्बा टोली लिखा जाता है।

प्रचारी: — प्रोपोज्ड नया गिरजा घर के प्रचारी सिर्फ तीन घर हैं। दो घर रोन्हे में और एक घर डुसीड़ कुम्बा टोली में। रोन्हे का गिरजा घर संस्कार हुआ है और नया घर का संस्कार के लिये ये तीन घर वाले हठ मांग पेश कर रहे हैं। मेरे विचार में उसको संस्कार करना अनहोनी है। चूंकि नये गिरजा घर के leader Israel Bhuia को मैंने सभा के बीच में पूछा कि आप अपने अलग गिरजा घर बनाने का कारण क्या है? जवाब में बोला मेरे लोग मुझे कुछ बोल बकते हैं, इनको मैंने खस्ता किया, और वे मेरे हाल-हुक्म को नहीं मानते इति। मैंने फिर पूछा कैसे बकता? वह बोला हम नीच —

3

F 56

घर वालों का ~~गिरजा घर~~ को गिरजा घर व माना जाय और संस्कार किया हुआ गिरजा घर स्कूल घर बनाया जाय तथा सब भाई बहिन पहले के समान आदर-सत्कार देवे। याद रहे कि पहला पार्टी में २१, 22 घर हैं जो इसराइल बर्ला के मांग को अभी नहीं मानते हैं। दोनों गिरजा घर हाल ही में बने हैं। पहिला गिरजा घर दो बरसा खा चुका है और बर्ला का गिरजा घर येही चलती बर्षा खा रहा है पोचेरा आदि और साफ सुथरा नहीं किया गया है केवल घर खड़ा है। C. C. का फैसला इलाका को और इसराइल बरला को मिले।

S. Kula
28/9/44

Tapkara
25-9-44

गीत व प्रार्थना उपदेश के साथ सभा का आरम्भ हुआ। सभा का समय २५-९-४४ से दिन १२ बजे से २६-९-४४ शाम तक लगातार रहा।

I हाजिरी:— Rev. C.K. Guria, Rev. Y. Samp. Philip Vengra.

Tapkara से पेरिश पंच	—	३
मंडली पंच	— —	६
आम	—	२१
~~चिमोकेल~~ — साधारण मंडली पंच	—	१
	—	१
प्रचारक	—	२
कोनेरा — मंडली पंच	—	१
प्रचारक		२
साधारण भाई	—	
		२
रोन्हे — साधारण	—	४
बिरता — "	—	२
ह: बो: — "	— — —	१
कुरन — प्रचारक	—	२
गोंडरा गैरह		
मिल जुमले	—	२३ उपस्थित थे।

II सर्व सम्मति से ~~चर्च~~ सुपरवाइजर सभा के चेयरमैन चुने गये और इलाका चेयरमैन अधिकांश वोट से Secretary चुने गये।

III ~~चर्च~~ Supervisor ने इलाका चेयरमैन से कहा कि यहां की स्थिति का बयान वे साफ तौर से कहें, इस पर Rev. CK Guria ने कहा कि पेरिश में सहयोग न होने से यह गोलमाल उठा है।

P.T.O

IV यू० पी० स्कूल :— स्कूल घर को स्थानीय भाईयों ने जोश के साथ बनाया है सो उनका काम आगे बढ़ाया जावे।
फैसला :— Rev. Y. Daud स्कूल कमिटि से पूरा सहयोग रखें।
Rev. Y. Daud स्कूल कमिटि के मेम्बर रहें। स्थानीय पेरिश केयर मैन भविष्य में स्कूल कमिटि का chairman होवें या अभी मुलतबी रखा जाता है।
Rev. Y. Daud तथा Tapkara प्रचारक पंच के साथ सहमत होके काम करें।

V धान की दर :— फैसला—इलाके फैसलानुसार १९४४ में रुपये का १२ पैला रहे पर १९४५ के लिये बुड़जू के लिये C.C. से दर ठहराया जावे और बुड़जू इलाके को नोवेम्बर के आगे फैसला सुनाया जावे।

VI Tapkara U.P. School को इलाका माहवारी २) रु० का मदद देगी
नोट :— २) रु० इलाका ~~४) रु०~~ Tapkara यू० पी० स्कूल को, पहले ४) रु० ~~की~~ देने का फैसला किया था उस तारिख से देवे।

VII इलाका अपने मास्टर-प्रचारकों को इस गर हालत में (war time) कुछ बोनस देने का कोशिश करें (यह चर्च Supervisor की सलाह)।

VIII इलाका केयर मैन Tapkara प्रचारक पन खजांची से जो आमद उनके पास है उसे Centralise में लेगें और साथ में २) रु० सरकारी स्कूल को पावना है देगें। यह दोनों काम चर्च Supervisor के सामने हो गया। मंडली खजांची ने ३८) रु० इलाका केयर मैन को सुपुर्द कर दिया।

IX U.P. School Committee Board of Management से जामुनगाड़ के डाकियों को ~~मारने के कारण~~ बिना इजाजत मारने को स्कूल में व्यवहार करने के कारण माफ मांगे बजरिये C.C. के। इस पर स्कूल कमिटि के प्रेसिडेन्ट ने सभा के सामने माफी मांगा।

X Rev. Y. Daud और भाग ने एक दूसरे से माफ मांगा जो माफ किया।
~~बी~~ बड़े गीतगान तथा बड़ा जोश के साथ सभा का अन्त हुआ।

S. Kulu
28/9.

Loyonkel — 31/9 — 1/10/44.

Rev. C. K. Bhengra: और C. H. Herenz — ने Loyonkel मंडली के भाईयों को — आज — Loyonkel में [illegible] हुई [illegible] — [illegible] [illegible] — [illegible] — [illegible] — [illegible] — [illegible] — [illegible] — [illegible] — [illegible] — [illegible] — [illegible] — हुआ —

S. Kulu
6/10/44.

Ecdstro ?
seen
2/8/45

F 56

Zakarma.
30/7/45.

Dear Secretary.

आप — को — प्रणाम।

— कैसे — केदीन — मे — पड़ा — हूं
रहो — आप — लोगों — को — मालुम नहीं
आपके — लोग — कैसे — संकट
मे पड़े — है — उन का मैं आ
ना ? समाचार — आ — सकता है।

जुन 27/7 को मुझे मार।
गढ़। पहिला बैर मे — नहीं — पर
कर पकड़ गया — सो मुझे
उठना — बैठना — कठिन — हो — गया
है। यदि आप और न दे
कर तो भी — मुझे 9–10 दिन
में बैठना — होगा — ✓

कृपा — कर — [illegible] को साथ
आप लोगों आप का मैं

S. Kirla.

Dear [illegible]
[illegible]
[illegible] — july [illegible]
pay [illegible]
[illegible]
M.O. [illegible]
[illegible]
S. Kula

POST CARD

CARELESS TALK COSTS LIVES
2 AUG 42
8.30 A.M.
RANCHI

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE

Secretary: Lutheran Church Council Ranchi
Ranchi P.O
Ranchi

F. 56 1.

THE COUNCIL OF
The Gossner Evangelical Lutheran Church
in Chotanagpur & Assam.
RANCHI, (Behar) INDIA.

To, The President G. L. Church

Memorandum.

Report of visiting Khuntitoli and Karonjo & Panisani.

12/5/45

~~21/6/45.~~ को मैं Khuntitoli गया। और 13/6 को मैंने वहाँ पर Rev. Kujur को [illegible] और 14, 15 को उपासना-सभा के सदस्यों को शिक्षा दिया। [illegible] Rev. M. Topno [illegible] 12/6 को [illegible]।

16/6 को मैं Karonjo गया। और 17, 18, और 19 को उपासना-सभा के सदस्यों को शिक्षा दिया [illegible]

[illegible]

मेरे विचार से president का tour [illegible]

[illegible] — प्रति [illegible] को
[illegible] — ~~[illegible]~~ [illegible] साल को [illegible] — और
[illegible] — [illegible] को [illegible]
और Karanjo [illegible] — दूर [illegible] — [illegible]
[illegible] निराश [illegible] — है/
20/5. को मैं Karanjo में [illegible]
21/5. " " Khuntitoli. [illegible]
21/5. को मैं Simdega. Rev. [illegible]
[illegible] किया — और [illegible] — [illegible]
को [illegible] — जो [illegible] — [illegible] है/
मैं Rev. Dh. Kujur. Rev. M. [illegible]. से Rev. [illegible]
और [illegible] — [illegible] किया.
[illegible] — [illegible] — [illegible]
5. [illegible] 1500/ रु. और [illegible]
पर है — और 150/ रु [illegible]
[illegible] — है/ [illegible] — नहीं — [illegible]
को [illegible], [illegible]
[illegible]. Rev. Dh. Kujur. का — Biru [illegible] के
[illegible] — [illegible] है
[illegible] — और वहां के [illegible] — [illegible] है
कि president. [illegible] — नहीं — [illegible] — है.
Biru — [illegible] — money नहीं — [illegible] है
और [illegible] — [illegible] — [illegible] है/
Khuntitoli — [illegible] — [illegible] — और
[illegible] — रहा — है — और [illegible] — [illegible] का.

F-56 3.

THE COUNCIL OF
The Gossner Evangelical Lutheran Church
in Chotanagpur & Assam.
RANCHI, (Behar) INDIA.

Memorandum.

सूरज – बहु – जाना – है कि वह बहु – पर
Koronjo – स्कूल का – चुना – है – उसे
बनाना – हमारा – कर्तव्य – है /
2/6/46 – को मैं Panisani – गया – और
वहाँ – के भाई बहिनों से – मिला – और
2/6 – को मैं – वहाँ – पर दो बार उपदेश दिया।
और 3/6 – को रविवार को विदाई लिया –
गया – पेरिश – का – ओवरा बहुत – अच्छा – है
और इसे – उन का – उत्साह – को बढ़ाता है
मालूम – हो – बात – कि – ~~उन का~~
Compound – को लिये – स्कूल जमीन को जो देना
था – वायदा – कर – दिया – और सो
काम – यहाँ – पर [illegible] – [illegible] – है /
मालूम – हो बात कि – वहाँ – का – और
[illegible] भाई Mansidh Toppno. [illegible]
और [illegible] बात दे रहा – है /
पर M. Toppno. [illegible] – हैं कि
हमारे President Ranchi हैं मैं [illegible]
से मिले – और उन्हें कहें तो – बात
को मालूम – से – [illegible] देंगे।

[illegible]
[illegible] Compound
[illegible]
[illegible]
[illegible] M. [illegible] [illegible]
[illegible]
Lal [illegible]
[illegible] Lal [illegible]
[illegible]

M. [illegible]
President [illegible] Hall [illegible]
[illegible] Lal [illegible]
[illegible] Parish [illegible]
[illegible]
[illegible] P. Lakra [illegible]
[illegible]

[illegible]

S. Kulu

Church Supervisor.

7/6/45.

F 56

Tapkara
8/10.

Dear Secretary.

आपका – का – पत्र का हाल

में 2 बातों – को मैंने रिपोर्ट में

नहीं लिखा – हूँ –!

1/ Tapkara — Rev. J. Dang की [illegible] [illegible]

Burju [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] – Rev. J. Dang [illegible] private

[illegible] है।

2/ Tonkatoli — [illegible] – को

[illegible] — [illegible] — personal

[illegible] — C.C.

को – पास – या – [illegible] – [illegible] को पास

[illegible] (Rev. C.K. Bhengra [illegible]

Tonkatoli) [illegible] है [illegible] – ~~Withdraw~~

[illegible]

[illegible] Withdraw [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Skulo

[illegible]

12-13 [illegible]

POST CARD

9 PS

INDIA POSTAGE

SAVINGS CERTIFICATES
DELIVERY
ADDRESS ONLY
RANCHI

To The Secretary
Lutheran Church
Ranchi
Ranchi

F. 56

Kitodih.
14/8/44.

Dear Secretary.

Thanks God after much trouble I have recovered of the ~~the~~ disease. So I shall start for Gumla via Bus through Ranchi this week. If possible I might see you at Ranchi.
I want to visit Jakarma on the next week via Gumla.
Would you please arrange to get me the papers concerning Jakarma, Japkara & Burdar if any? I am leaving my daughter at Jambagutu after rainfall there would-

go to Kharma.
The Jatamen are trying their best to accomplish the work of Sonary Building & a new Building at 7070 here. The said Buildings are the Church Buildings.

Yours faithfully
S. Kula.

POST CARD

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE 9 PS 9 PS

CENTRAL DELIVERY 11 45 AM RANCHI

The Secretary, Jubilee Bhavan
Church, Camp Gungutoli
Ranchi
Ranchi

F 56

Kitadih.
26/6.

Dear Sir,

I shall be highly obliged if you would kindly allow me to live at Chaibasa & thence to see Bambra, Jharsugda... etc. As I have got here only 3 small rooms. 1. for sleeping - other for cooking & III^rd for office work. So they are quite insufficient for 2 femalies.

I have requested the same to the President.

Chaibasa has got connection to see the said places.

I have got your paper & order.

from you & the President
I want to visit Jharsuguda
first on the first week
of July.
I hope my daughter will
be glad to live with
N. Sanga's family happily
while I will be away.
I will wait for your kind
order — yours faithfully
S. [illegible]

[illegible] CERTIFIC[illegible]
DELIVERY
RANCHI
[illegible] JUN [illegible]

POST CARD
REPLY
ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE
9 PS

To.
Secretary: Lutheran Church.
Gungutoli
Ranchi P.O.
Ranchi.

2486/44/F-56.

27th November, 1944.

To

The Rev.S.Kula.
Church Supervisor, Ranchi.

Dear Rev.Kula,

The C.C.sent you to Jonhatoli,by its resolution dated 24-7-44 the copy of which is attached herewith for easy reference, to settle troubles there and those troubles had arisen because of stopping centralisation.

The main point was centralisation question and your report dated 28-9-44 does not say a word about it.

From the Ilaka Chairman of Takarma I came to know that you have not decided whether Jonhatoli congregation is to centralise its withheld income of the months of May to September, 1944.

This income is not yet centralised, but only the income of October 1944 has been centralised.

The income for five months is about Rs. 400/- only. I am also told that the Church income has not been properly spent e.g. in giving you dinner etc. they spent Rs. 98/- only which is too big a expenditure and it is not appreciable.

Please report at once on these points ~~your~~ action, taken by you.

Yours sincerely,

Th. Surin

Hony. Secretary,

True Copy.

No. 1728-29/44/F-9. Dated the 1st August, 1944.

The undermention document is forwarded to the Church Supervisor and the Rev.C.K.Vengra for information and guidance.

Sd/- Th.Surin.
Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minutes of the C.C.Executive Committee held on the 24th July, 1944.

Item No. 4.

" (a) Letter from the Rev.C.K.Vengra dated 12-7-44 regarding Takarma matters.

(b) Rev.C.K.Vengra's letter dated 20-6-1944 regarding decentralisation of Church income in some congregations in the Takarma Ilaka.

(c) Letter from Rev.C.K.Vengra and Mr.C.H.Heranz dated 29-6-44 regarding decentralisation of Church income by Jonhatoli Congregation :-

All these letters were read and considered together.

Resolved that the Church Supervisor be requested to go to Jonhatoli and settle up the matter at once.

Sd/- Th.Surin.
Hony. Secretary."

BBMINZ/2C.

2482-83/44/F-56.

23rd October, 1944.

The undermentioned document is forwarded to the Church Supervisor and the Treasurer C.C. for information and guidance.

[signature]
Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

~~The undermentioned document is forwarded to~~

Extract from the draft minutes of the full C.C. meeting held on the 19th October, 1944.

Item No. 36. (vi)

" 35. Any other competent matters :-

(i) --- --- --- --- --- ---
--- --- --- --- --- ---

(vi) Church Supervisor's pay :- Fixed at Rs. 50/- p.m. from the date July, 1944."

BBMINZ/3C.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.S.Kula, Church Supervisor for information and guidance.

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the Minutes of the full C.C. meeting held on the 13th October, 1944.

Item No. 9.

" Church Supervisor's reports :- (a) Burda report :- Read the report and following resolutions were passed :-

(i) Res lved that the Candidate Daniel Lakra be ordained on 31-12-1944 at Purulia and he be stationed at Burda from 1-1-1945.

(ii) Resolved that at present the following five Pracharakpans be grouped together to form the Parish Called the Burda Parish.

Burda -	which has	35	families having	250	souls.
Elujargo -	,,	5	,,	25	,,
Koidih -	,,	23	,,	150	,,
Congregation at Chandil -	,,	4	,,	15	,,
Mijra -	,,	2	,,	9	,,
		69	families having	449	souls.

(iii) Resolved that the Burda congregation be requested to provide temporarily the residence for the Pastor.

(iv) Resolved that the rest of the matters be considered by the C.C. after the Pastor is stationed at Burda.

(b) Jonhatoli report :- The report was read and considered at length.

Resolved that the attempts be made to introduce Beora in the Jonhatoli congregation.

(c) Koenara report :- The report was read and considered. It appears that the matter was left unsettled i.e. the two parties having two separate consecrated Churches in the same village were not united.

Resolved that attempts be made to make Koenara brethren united and to hold service only in one Church.

(d) Ronhe report :- Read the report and considered. It appears that the two parties in the Ronhe congregations were left without being united.

P. T. O.

Resolved that the President be requested to make attempts to bring the two parties to erms and to hold service in one Church.

(e) Tapkara report :- The report was approved and the apology of the Tapkara brethren for cutting two branches of a living tree for the purposes of building the new school building without permission was accepted for sending it to the Property Board for information.

(f) Loyonkel repprt :- Noted.

Sd/- J.Lakra.
14-10-44.

Sd/- Th.Surin.
13-10-44.
Hony. Secretary."

BBMINZ/2C.

2033/44/F-56. 19th Sept. 1944.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.S.Kula, Church Supervisor for information and gùidance.

Th Surin

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the minütes of the C.C.Executive Committee held on the 30-8-1944.

Item No. 3.

" Jharsuguda and Bamra reports of the Church Supervisor :-

(a) (1) Read the report of the Church Supervisor regarding the troubles of Jaymasih Barla and Manmasih Barla of Jharsuguda Ilaka. The troubles does not seem to be settled. The movements of Manmasih and his brother and of Mr.Bajray be watched;with this remarks the xxx report of the Church Supervisor was noted.

(2) It is reported that the Bara Bungalow at Jharsuguda which has been leased out on rent to the local H.E.School is used by the School authorities for hostel purposes also because of which the beautifully painted bungalow is damaged. The Secretary of the Board of Management of the Property had been informed by the Rev.S.M.Bage of this fact long ago but till mow no action has been taken to remove the hostel from the bungalow.

Resolved that Mr.D.M.Panna Secretary and Manager of the Property Board be requested to take immediately all necessary steps to ask the school authorities to remove the hostel from the big bungalow at once.

(b) Philingbahal troubles :- Read the report of the Church Supervisor regarding Philingbahal troubles. Resolved that the new Pracharak be appointed by the Church Council as a special case and this be done in consultation with the Rev.S.Barla who is to take over charge of Madhupur Parish very soon.

(i) Transfer of the Rev.Eliazar Ekka of Rajgangpur :- It is reported by the Church Supervisor that there is troubles in the Gangpur Ilaka also and the troubles are centred round about the Rev.Eliazar Ekka and hence his immediate transfer is the only solution in the Ilaka.

The matter was postponed to the next full C.C.

(ii) Salary of the Teacher of Madhupur L.P.School :- Resolved that the Headsupervisor be requested to find out money and pay the Teacher at Madhupur, his dues with effect he finds appropriate, but he should do this inconsultation with the C.C.Treasurer.

Sd/- Th.Surin.
6-9-44.
Hony. Secretary."

BEMINZ/2C.

Kitadih.
3/8/46.

Dear Secretary.

I am sorry to inform you that after visiting Bamra I ~~came~~ came back to Tata on 29/7- and since then am suffering from ~~D~~enai (Skin disease on the legs) so I am quite unable at present to go to Gumla untill I am recovered. The said pen began to me at Bamra yet on much patience I could see. Machkupur, Deogarh. and philinghabal. The report of the same would be sent letter on—

Yours obedient
S. Kulu. [illegible]

BUY NATIONAL SAVINGS CERTIFICATES

POST CARD

ADDRESS ONLY

9 PS 9 PS

INDIA POSTAGE

Secretary. Lutheran Church

Gangutoli

Ranchi P.O.

Ranchi Dt.

1718-20/44/F-56.

1st August, 1944.

The undermentioned document is forwarded to the President, G.E.L.Church, the Treasurer, G.E.L.Church and the Church Supervisor, G.E.L.Church for information and guidance.

Th. Surin
Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the Minutes of the C.C.Executive Committee held on the 30th June, 1944.

Item No. Addl. 5.

" (a) Rate of T.A. and Halting charge of the Church Supervisor :-

Resolved that the actual travelling expenses plus daily allowance of annas eight only be given to the Church Supervisor.

(b) Headquarters for the Church Supervisor :-

Resolved that the Headquarters of the Church Supervisor be at Gumla, and he be the guest of the President as long as the short course class be at Gumla.

Sd/- J.Lakra.
24-7-44.

Sd/- Th.Surin.
17-7-44.
Hony. Secretary."

BBMINZ/4C.

Kitadih.
6-7-44.

Dear Sir,

To-day I am starting to Jharsugda. I am sorry to read your letter-live Kitadih instead of Leave Kitadih. So I request you Sir, humbly please excuse me for that. The Kitadih Mandly wants my daughter for her School mistress for the month of July 1944 sorely. So I am leaving my daughter to the full charge of Rev. Dh. Gavia for a month only. Rev. Dh. Gavia & my daughter will live at Kitadih.

I want to finish my
work for Sambalpur
first & thence to
Madhupur etc......
I am sorry for one
thing, whether the
Political Agents would
give me permission
to enter their Estates.
May God guide us.
Thus my present Dera
is Kitadih... S. Kula

POST CARD

ADDRESS ONLY

9 PS

INDIA POSTAGE

To: The Secretary
Lutheran church. Ranchi
Gungutoli. P.O. Ranchi
Dt. Ranchi
B.N.R.

1st July, 1944.

1433/44/F-56.

To

The Rev.S.Kula. (Church Supervisor)
G.E.L.Church,Kitadih.
P.O.Tatanagar. Dist. Singhbhum.

Dear Rev.S.Kula,

Thanks for your p.c. of the 26th June, 1944.

You are to leave Kitadih and your Headquarters is at Gumla till further orders.

Please make tour throughout the Jharsuguda Ilaka and try your best to settle all the disputes there. You cannot finish touring in one week. You must tour for 15 days at least in that Ilaka and then come to Madhupur and Philingbahal. You will get the actual Travelling Expenses plus daily allowance of eight annas only when you are on tour from the C.C. You shall have to submit one copy of your report to the C.C. and the other to the President.

Resolution will be sent to you later.

Yours sincerely,

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

BBMINZ/2C.

21st June, 1944.

1327/44/F-56.

To

The Rev.S.Kula,
Church Supervisor.
G.E.L.Church,Kitadih.
P.O.Tatanagar. Dt. Singhbhum.

Dear Rev.S.Kula,

Kal ap ko July 1944 ka tour programme bheja gaya hai Aj main ap ko Sasan mandli ke golmal ke bare Pracharak Zachariah Barla ka chithi ka nakal bhejta hun. Ap samuche Sambalpur mandliyon men tour kariye aur apna tour programme agotra Padri ke sath thik kar lijiyega.

Your sincerely,

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

BBMINZ/2C.

PROGRAMME OF THE CHURCH SUPERVISOR FOR
JULY 1944.

1. Visit Jharsuguda Ilaka Pracharakpans ans stop Manmasih Barla and others from going over to the Advantists.

2. Visit Madhupur Parish.

3. Then visit Philingbahal and other congregations of the Bamra Ilaka and bring about peace among brethren.

The Church Supervisor to start for the above Ilaka from Jamshedpur at once.

Ranchi.
The 20th June, 1944.

President,
G. E. L. Church.

1217-24/44/F-36. 9th June, 1944.

The undermentioned document is forwarded to the President, C.C., the Rev. S. Kula, the Rev. M. Sanga, the Rev. C.B. Minz, the Rev. Dh. Guria, the Rev. L. Topno Govindpur and the Rev. U.E. Kujur for information and guidance.

Th. Lakra

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the Minutes of the full C.C. meeting held on the 6th June, 1944.

Item No. 4.

" Appointment of Church Supervisor - vide Mahasabha 1944 resolution under Item 5 :-

The Matter was considered and for the purpose it was thought necessary to frame rules.

The following resolutions were passed :-

(i) Resolved that rules be framed for the guidance of the Church Supervisor in discharging his official duties and the President be requested to frame these rules and place them in Ex.C.C. for consideration.

(ii) Resolved that the Church Supervisor be under the direct supervision of the President but the Church Council orders, decisions and resolutions should get preference.

The President then called for the nomination of persons for the Church Supervisorship and the names of the Rev. C.K. Vengra and the Rev. S. Kula were proposed and seconded. The Rev. S. Kula was then asked by the President to leave the Council for sometime who then left the Council.

The discussion followed and by the majority votes the Rev. S. Kula was elected Church Supervisor with effect from 1-7-1944.

The Rev. S. Kula then was called and he came back in the Council, and H was welcomed by the President on his being elected the Church Supervisor.

In reply the Rev. S. Kula said that while he was coming for this C.C. meeting he told the congregation at Tatanagar that perhaps he (Rev. S. Kula) would not come back to Tatanagar again as its Pastor. He was glad to accept the Church Supervisorship and he sought co-operation from all C.C. members for the better discharge of his new duties.

On being ~~xkx~~ asked by the President whom he recommends as his successor for the Tatanagar Parish Chairmanship, he said that at his departure he asked the congregation people whom they liked to be his successor and he was replied that either the Rev. Dh. Guria or the Rev. Bimal Minz.

P. T. O.

The C.C. then transfered the Rev.Dh. Guria to Tatanagar with effect from 1-7-1944 and his previous transfer to Govindpur was cancelled.

It was also said that the Rev.Dh.Guria may not be able to go to Tatanagar on account of his family troubles.

The C.C. then decided to post the Rev.Bimal Minz at Tatanagar and cancel his posting at Ranchi on condition the Rev.Dh.Guria does not go on transfer to Tatanagar."

Sd/- Th.Surin.
6-6-44.
Hony. Secretary.

BEMINZ/SC.

28th October, 43.

2513/43/F-56.

The undermentioned document is forwarded to the Church Supervisor, G.E.L.Church, Ranchi for information and guidance.

Th. Surin

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the Minutes of the full C.C.meetings held from 19-25th October, 1943.

Item No. 18.

" Provision for poor and old Pracharkas :-

After preliminary discussion it was decided that the Church Supervisor be requested to draw up a definite plan and place it before the C.C. and then further consideration on the subject be taken.

Sd/- J.Lakra. 22-10-43.

Sd/- Th.Surin. 21-10-43."

BBMINZ/2C,

56

Ed. 4.8.1943.

Tokad Ilaka

R.S. in Raigara (visit from 26th July to 4th Aug. 1943)

की रिपोर्ट २६ जुलाई से ४ अगस्त १९४३.

कौन्सिल की आज्ञानुसार मुझे जड़ाकुदार इलाके के Jorabund Parish को देखना था- पर वहां के पादरी लूथर बगेरजी और मसीहदास लकड़ा से मेरी चिट्ठी (१ली जुलाई की) का मुलाकात में नहीं पाया इस कारण Executive C.C. मिटिंग 17-20th July के बाद मैं Tokad इलाका के Raigara मण्डली देखने गया. जहां Tokad इलाके में नयामिशन काम का आरम्भ किया गया है- इस के साथ Hno: Kibora नाम का मण्डली भी है जो एक दूसरे से प्राय: दो दिन की यात्रा की दूरी पर भारी जंगल के बीच में है।

मैं २६ जुलाई को टोकाद पहुंचा, और २७ जुलाई को २ प्रचारकों के साथ Raigara गया- भारी वर्षा थी और भारी जंगल से होके वहां जाना पड़ा टोकाद से ८ कोस दखिन की ओर है। Raigara में ३० प्राणी हैं जो बहुत गरीब हैं। उनके बीच कोई स्कूल नहीं है। यहां बहुत दिन से हमारे खृस्तान लोग हैं पर उनका देखभाल नहीं होते आया- मैं ने सुना कि यहां कितने प्रचारक भी भेजे गये थे- पर कोई नहीं ठहरा पहिले प्रचारक को बाघने पकड़ा- दूसरा आसाम चला गया इत्यादि- इस साल से एक प्रचारक C.C. की ओर से १०/रु. मासिक तलब पर नियुक्त किया है।

〈मण्डली〉

Raigara पहाड़ों की तराई में है- पच्छिम में एक बहुत ऊंचा पहाड़ है प्राय: ३ मील की दूरी पर, उत्तर में २ मील की दूरी पर एक पहाड़- दखिन में प्राय: ३ या ४ मील की दूरी पर पहाड़ों की एक श्रेणी है- पूरब की ओर बहुत दूर तक प्राय: १६ मील तक Tebo तक खुली तराई है। Raigara के चारों ओर कई गांव हैं जहां Non-Christians लोग हैं- ये हैं Dheyain- Barudih- Komrora Jonkopai. Kolagara इत्यादि

〈स्थिति〉

बहुत जरूरत है कि लड़कियों के लिये आने वाले साल २ कोठरियां वर्तमान masters line ही में बढ़ाई जातीं — बढ़ाने के लिये पश्चिम तरफ यथेष्ट जगह है।

मालूम हुआ कि Headmaster और पादरी के बीच में co-operation नहीं है।

जायदाद की रक्षा के लिये एक Station committee है जो कोशिश करती है कि हटिया के भीतर की जमीन से और फलवन्त गाछों से कुछ आमदनी हो।

Boarding accounts का audit काम खतम नहीं हुआ है।

मैं बर्षा के मारा ४ था अगस्त १९४३ को रांची लौटा।

Luther Jojowar
Church Supervisor
Ranchi
10-8-43

इस Raigana लराई के पश्चिम में Hor:Kebora
है जो दो दिन की यात्रा पर है। वहां भी mission
काम हो रहा है और एक प्रचारक C.C. की ओर से
१०) रु० माहवारी वेतन पर इसी साल से नियुक्त किया गया
है — Hor:Kebora में नहीं जा सका — क्योंकि
वर्षा के दिन वहां जाना कठिन है।

Raigara में एक गिर्जा घर और एक
(प्रयोजन) प्रचारक का घर होना बहुत जरूरी है। मैं ने वहां
के भाइयों से सुना कि कोई प्रचारक के नाम पर एक
मैदान प्रायः १८ डांग लम्बाई और १० डांग चौडाई
पैमाइश हुआ है जो mission गिर्जा घर और
प्रचारक घर के लिये था। उस मैदान को गांव
के मुन्डा ने दखल किया है। मैं ने पादरी S. Surin
को प्रचारक दाऊद मुन्डु को और वहां के भाइयों
को कहा है कि वे जांच करके C.C. को बतावें कि
वह मैदान मिल सकेगा कि नहीं — वह मैदान भाइयों
के घरों के बगल में सुन्दर जगह है।

Raigara में ५ पाद घर Roman mission
के ख्रिस्चान हैं, उनका एक स्कूल घर और एक गिर्जा
घर और एक प्रचारक है। इससे मुझे कहना है
कि हम लोगों के लोगों के लिये भी स्कूल घर भी
दरकार है जिससे हमारे लड़के लड़कियां पढ़ सकें
वे बिल्कुल संसार लड़कों के ऐसे हैं। देखने से
उन पर मया लगती है।

Raigara के भाइयों में से एक भाई के घर
के बरन्डे के छत को प्रचारक के रहने के लिये
भाई लोग मरम्मत कर रहे हैं — बांस के बत्ता लगाये
गये हैं और टोकद से कुछ खेर ले गये हैं, और कुछ
ले जाना दरकार है पर बर्षा के कारण काम बन्द
हुआ है। मैं ने कहा है कि बर्षा के बाद तुरन्त घर
को तैयार करना होगा और प्रचारक को Raigara
में रहना होगा — अभी प्रचारक टोकद से आता
जाता है। प्रचारक को मैं ने कहा है कि बर्षा के बाद
तुरन्त वहां रहे — उसने उसको अंगीकार किया है।

Raigara के भाई लोग बहुत खुश हैं कि अब प्रचारकों को council बराबर Raigara में बहाल रखेगी।

६ बजे तां: २८ जुलाई १९६३ को मैं सबेरे चाह पीके Rev. Santosh Surin और २ प्रचारकों के साथ Sahikata मराउली गया। हम लोगों ने भारी जंगल को २ बजे पार किया - और Sahikata पहुंचे - वहां प्राचीन के घर पर बैठे और सब भाई बहिन खेतों में काम के लिये निकल गये थे - केवल प्राचीन के घराने के साथ प्रार्थना हुई और हम लोग बिना खाना Tebo गये और ३ बजे पहुंचे Sahikata में लोग बहुत गरीब हैं खाना बिना हैं - साग पात से दिन काटते हैं Tebo में एक एक मुट्ठी भात भी हम लोगों को मिला और ४ बजे Tebo से चल निकले और रात १० बजे हम लोग Tokad पहुंचे। (कहीं ठहरना नहीं बना क्योंकि मराउली के भाई बहिनों के पास चावल नहीं है (Raigang में सिरती चावल ४ सेर था उसी को हम लोगों ने Raigang में खाया)

⟨Sahikata मराउली⟩

तां: २९ जुलाई + ३० जुलाई को मैं टोकद में बिहान बेला Boarding account का audit करता था और दूसरी बेला टोकद के निकट के गांवों में पादरी के साथ जाता था॥ (जैसे Kharwa आदि)

सनिचर तां: ३१ जुलाई को compound के घरों को देखा - जो घर की मरम्मत जरूरी है - पानी चूता है। Missionary Bungalow में M.E. क्लास होते हैं, एक office भी है। office कोठरी में दीवालों पर पानी चूता है - मैंने Headmaster को पूछा क्यों मरम्मत नहीं करते हैं, उसने कहा कि कुली नहीं मिलते हैं। School main building भी चूता है। उसमें ३ कोठरी खाली हैं। Boys' boarding House भी बेमरम्मत है। बहुत खराब कोठरियां हैं। लड़कों की देखभाल में कोई नहीं है। एक House master होना दरकार है।

Boarding की लड़कियों के लिये कोई घर नहीं है - जिस के कारण केवल दो लड़कियां हैं, वे एक मास्टर के घर की एक कोठरी में सोती हैं। दो मास्टरों के लिये रहने को घर नहीं है। अच्छा होगा कि school main building में M.E. क्लास होते और missionary Bungalow में पादरी रहते और २ मास्टर पादरी के घर में जहां २ परिवार रह सकते हैं।

Tokad Parish

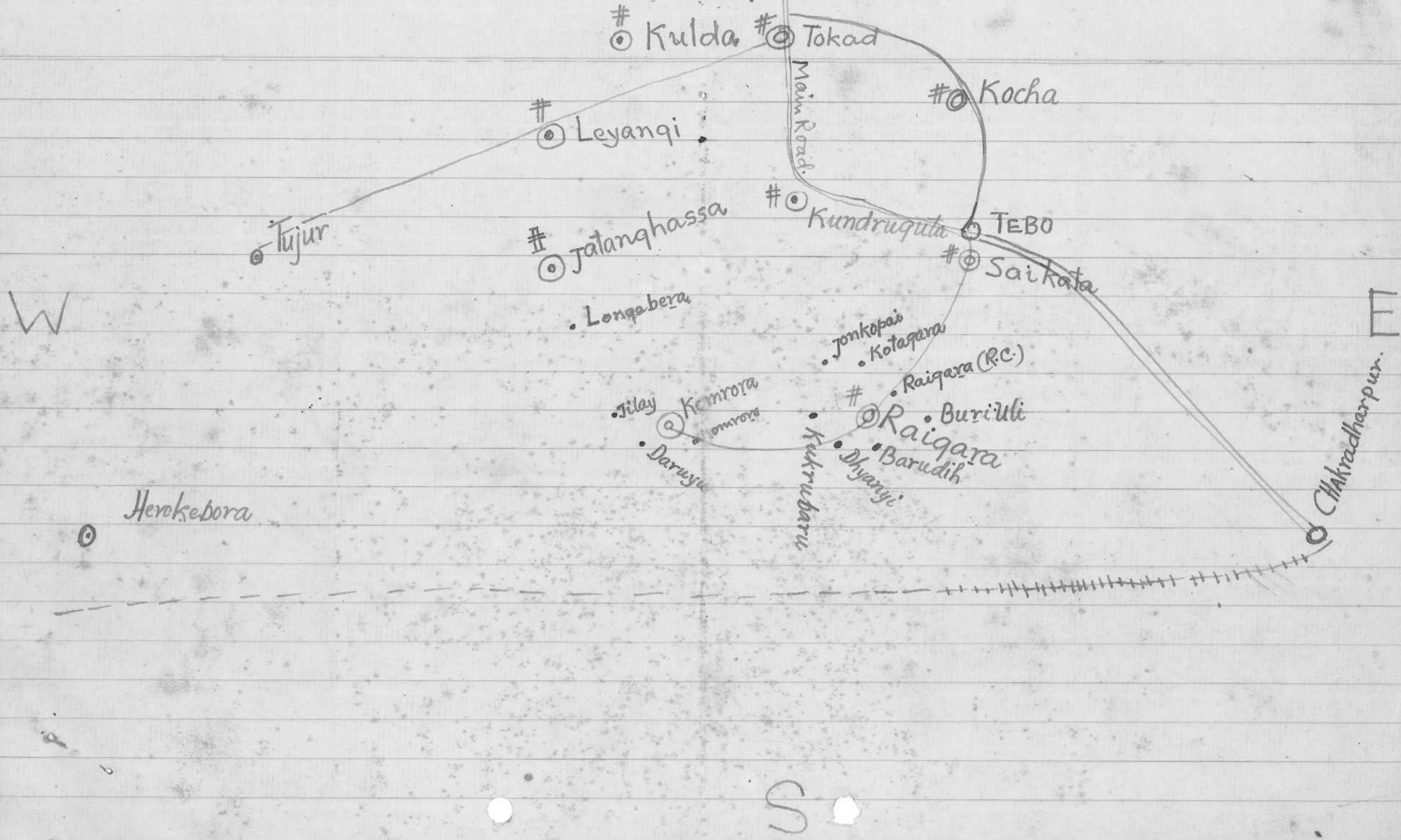

Camp Jharsuguda 24-3-43
56.

The Secretary C.C. Ranchi.

Mahashay. ap ko mera bahut 2 yishusahay.

Main + Daniel Topno achhe hain. asha hai ki ap log bhi achha hain.

1. Anand ki bat hai ki Madhupur ke jamin Thik hogaya hai. Registry nahin hua - darkar nahin - desh ke dastur motabik gaon ke Gaonjhee + members logon ka darkhast pakka men hua - chirasthayi bandobast hai - 3 acres hai - 18-23 March Madhupur men ham log the aj 24-3-43. ko lauta hain aur aj hi night train se Tahsildar Birmitrapur jayega aur Koronji adi sthan. main aj hi paidal 18 miles jake Kinzalor jata hun

wahan 25 March rahenge

arthat. Kuralor. 24+25 ..... miles
Kutripali 26+27 (18 miles
Sirgira 28+29 14 miles
28 miles

Jharsuguda se bahut dur parne ke karan laut ne men 3 din phir lagega. kewal paidal jana hai - Idhar dhup bahut hai — main 2nd or 3rd April ko Ranchi aunga — uprokt sthan jana hai aphi pichhi ke chithi ke anusaar maph kijiye age shiuly aapka R. Goswami

POST CARD

INDIA POSTAGE 9 PS

POST CARD ... RANCHI ... 11 A.M. ... ADDRESS ONLY

Mr. Th. Surin
Church Council
Secretary C C Ranchi
Lutheran church
Dist - P.O. Ranchi.

Camp Tokad 20.8.42

To
The Secretary, C.L. Ranchi.

Mahashay! Ap ko mera Yishu-sahay. — Main 17th Aug. se bukhar men hun — so main apna kam jaldi se nahin khatam kar saka aur is karan jaldi nahin laut sakunga — main yahan ka repair kam aj aur kal dekhunga. 22nd Aug. Koronjotola jane chahta hun Rev. Santosh Surin ke sath — Padri ke liye ghar hai ki nahin, bhaiyon se milenge adi

Bhaiyon ki ichha kya hai, Padri chahte hain athwa nahin, is sab ko bujh Bunju Chairman Ko bolenga ki Rev Bage ke waste Parish hona hi chahiye, C.C. ki ichha + hukum hai.

Kripakar Mr. Lakra Ko hal dijiye. ap log mujhe maph kijiye ki main deri se Ranchi aunga – main malaria bukhar se pirit hun Kamjor kar diya hai: Khana nahin pachta hai.

Apka biswast
[illegible]

POST CARD

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE 9 PS 9 PS

BANDGAON 20 SINGHBHUM

27 AUG 42 DEFENCE ... CERTIFICATE

To
The Secretary
G.E.L. Church,
Ranchi
(Gungutoli)
Dist. & P.O. Ranchi.

19th August, '43.

2017-19/43/F-56.

The undermentioned document is forwarded to the Church Supervisor, the Rev.M.D.Lakra and the Rev.L. Baghraila for information and guidance.

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the Minutes of the C.C.Executive Committee ~~kkk~~ held from the 9-11 August, 1943.

Item No. 31.

" Letters from the Pastors of Jarakudar Ilaka on the touring of the Church Supervisor in that Ilaka ;- addressed to the Church supervisor :-

The letters stated that on account of various reasons it is not possible to make tours in Jarakudar Ilaka during rainy season :-

Resolved that the Church Supervisor be requested to make tours in Jarakudar Ilaka after rainy season and to inform the Pastors concerned accordingly."

BEMINZ/4C.

56

To

The Secretary C.C. Ranchi.

Manyawar Mahashay,

apko aur C.C. memberon ko mera yishusahay.

Meri dintapurbak arji hai ki mere rahne ke liye koi ghar ka bandobast manjur kiya jay — Main Dr. Nandi ke ghar men ek bari kothri, ek chhoti kothri aur ek Verandah lene chahta hun uske waste Rs10/- per month Houserent manga jata hai. — phir dusri arji hai ki Dr. Nandi ko kuchh ~~House~~ ~~rent~~ baksis L.J. diya jay kyonki mere Sāman L.J. 4 March 1942 se ab tak uske ghar rakhe gaye hain.

Apka agyadhin das

L. Tojowar, Ranchi.

16.12.42.

Hony.
~~xxxxxxxxxxxxxx~~
Th.Surin Esqr.,BA.BL.

15th March, 3.

403/43/F-56.

To,
The Rev.L.Jojowar,
Church Supervisor.

Piyare Padri Babu,
Ap ko mera yishusahay. Main ne kal 14-3-43 ko is chithi ko paya. Ap Jharsuguda hi men hain is liye main is chithi ka nakal ap ko bhejta haun. Kripaya ap is ko janch kar ke aiye aur agar sakenge to mita dijiye golmal ko aur mandliyon men mel milap sthapit kar dijiyega.

Main is chithi ka nakal aur apne chithi ka nakal Rev.S.M.Bage ko deta hun. Kam to usi ka hai, magar chunki ap bhi hajir hain aur ap wahan kai baras rahne ke karan mandliyon aur bhaiyon ka hal jante hain is liye ap is kam ko pura saphai kar de sakte hain, aur S.M.Bage ko bahut madat hoga.

Ap ka bishwast,
B.B. [signature] 15/3

for Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Copy to Rev. S.M.Bage, Jharsuguda.

BBMINZ-3C.
15-3-43.

Hony.
XXXXXXXXXXXXXXX
Th.Surin Esqr., BA.BL.

27th February 43.
1st. March.

313-14/43/F-56.

The undermentioned document is forwarded to the Rev.L.Jojowar and Dr. N.K. Nandi for information and guidance.

Th. Surin

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the Minutes of the C.C.Executive Committee held at Govindpur on the 10th February, 1943.

Item No. 19.

" Rev. L. Jojowar's quarters :- The Rev. L. Jojowar reported that he has taken settlement from Dr. Nobo Kumar Nandi, one veranda, one room and a kitchen for him as his quarters on Rs. 7/- p.m. as rent and is ~~xxxxxxx~~ living there since 20th of the previous month.

The C. C. accepted this and agreed to pay Rs.7/- only as its rent."

BBMINZ-3C.

G. E. L. CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Hony.
Secretary : ~~Rev. J. J. P. TIGA, B. D.~~
Th.Surin Esqr.,BA.BL.

Ranchi, (Bihar) India.

The 27th February 1943.

No. 301-[illegible]/[illegible]- 24. 1st March

Extract from the Minutes of the C.C. Executive Committee held at Govindpur on the 10th Feb., 1943.

To The Secretary C.C. Ranchi. १४४.

I Jharsuguda Ilaka visit. (July 1942.)

A Diary.

56

July
~~C. Congr.~~
Congr. 9
C. Ex.
Thf
24-8-42

7th :- Started for Chakradharpur by the Lorry.
8th " " Manoharpur by the Railway train.
9th :- Halted at Manoharpur. no train due to heavy rain.
disorder of the Ry. line near
10th :- Posoita station.
Started for Jharsuguda; arrival at 4 P.m.
11th :- Talk with Rev. Suleman Bage about the condition of the Jharsuguda Ilaka; and the rent of the big bungalow with the Tata Company, Jharsuguda. (Saturday)
12th :- Sunday Service at Jharsuguda.
visiting of the Christian families in the Railway station.
13th :- Started for the Paper mills on foot near Ib station with Rev. S. Bage + 1 Bharia (8 miles)
14th :- Returned to Jharsuguda for Ilaka meeting.
15th :- Ilaka meeting 8-11 am. + 2-5 P.m. (mandli golmal,
16th :- Do
17th :- Ilaka karamchari meeting Do Do (Upadeshki taiyari etc.)
18th :- Started for Khonsor mandli. (golmal + by the breach of commandment, (on commission)
(32 miles by Ry. train and 19 miles on foot.)
19th :- Sunday Service at Khonsor. (Heavy rain.)
20th :- Panchayat at Kolpa (4 miles) — Byabhichar golmal
21st :- Do Do. (Christ Kalyan Baba + Kario)
22nd :- Returned to Khonsor.
23rd :- Started for Jhakarpali (Baptism of 1 child.) arrived
24th :- Jharsuguda at 8 P.m. by ~~to~~ Ry. train.
Started for Kankani by the Ry. train. 9 miles
after checking the books of the Jharsuguda Ilaka.
25th :- Panchayat of the Jharsuguda Ilaka commission with the Baptist Pastors and their people at
26th :- Kankani (Kukrikani). (Byabhichar case.)
Sunday Service at Kankani-tongri.
27th :- Started for Ranchi by the Ry. train
Halted at Manoharpur.
28th :- Started for Chakradharpur. arrival 6 P.m.)

II Chakradharpur Parish visit.

29th :- Notice to the Compound people re:- rents of houses.
Started for Chaibasa with Rev. M. Sanga.
Checking of books of both the Pastors.
Returned to Chakradharpur. (4 P.m.)
30th :- Talk with the Compound people re:- rents.
Started for Ranchi by the Lorry bus by 11.30 am.
arrival about 4.30 P.m.

I Jharsuguda Ilaka visit. (July 1942.)

B. Report.

मैं ता: ७ जुलाई को Jharsuguda Ilaka के कामके लिये

(यात्रा.) रांची से निकला — रास्ते में भारी बर्षा के कारण एक दिन Manoharpur में ठहरा. रेल लाइन Posoita के निकट खराब हुआ — ता: १० जुलाई को प्राय: ४ बजे मैं Jharsuguda पहुंचा। autonomy day का service हो चुका था।

〈ता: ११ का काम.〉 ता: ११ जुलाई सनिच्चर का दिन था. मैं ने उसदिन पादरी सुलेमान बागे से (1) झारसुगुड़ा इलाके की मराउलियों की बर्तमान दशा पर बातचीत किई। मैं ने यह भी पूछा कि क्यों उसने May और June की चिट्ठियों का जबाब Secretary साहब C.C. को नहीं दिया — जबाव में पादरी ने कहा कि मैं ने कोई चिट्ठी नहीं पाई है। मैं टूर में था—। —— Tata Company, Jharsuguda के Superintendent के साथ (2) Big bungalow के Rent के बिषय में बातचीत हुई जो Rs. 50/- p.m. पर स्थिर हुआ और १२ जुलाई को लिखा पढ़ी हुई और Rs. 50/- भी advance दिया गया।

ता: १२ जुलाई — एतवार आराधना हुई झारसुगुड़ा में। दूसरी बेला भाई बहिनों से मुलाकात किई। (10–11.30 a.m.)

ता: १३+१४ जुलाई को मैं पादरी बागे और एक भरिया के साथ Braj Rajnagar के Paper Mills Co. के भाई बहिनों को देखने गया जो झारसुगुड़ा से ८ मील पश्चिम में है। वहां के भाई बहिनों के साथ गिर्जा किया. (उनके डेरे में)। उनकी मर्जी है कि Church Council इस कम्पनी से गिर्जा घर का बन्दोबस्त कर देवे। निकट में Rampur Colliery भी है जहां भी हमारे खृस्तान भाई बहिन काम करते हैं। मैं ने 26 ता: को दोनों जगह के भाई बहिनों को जमा कर के एक भाई के डेरे में गिर्जा किया घउ सिरनी और एतवार सिरनी १३ सेर ~~और~~ चावल और पैसा ११½ आना था — इससे मुझे यह बिचार आता है कि एक गिर्जा घर होवे — मैं सुनता हूं कि Manager जगह देगा यदि Lutheran church के अधिकारी इस बिषय पर लिखा पढ़ी करें अथवा personally उनसे बातचीत करें। अच्छा होगा कि Secretary C.C. चाहे President, Gossner church वहां जाते।।

〈एक गिर्जाघर〉

church

½ miles

ता. १५–१७ जुलाई: — झारसुगुड़ा में इलाका और कर्मचारि पञ्चायत हुई। ता. १५ की सांझ आराधना में पादरी Suleman Bage, Jharsuguda Ilaka का Chairman नियुक्त किये गये। 〈इलाका + कर्मचारी meeting.〉 क्योंकि इलाका मीटिंग दो दिन हुई मराउली बिषयक गोलमाल बहुत पेश किये गये प्राय: सातों मराउलियों से पेश किये गये। उनमें से दो गोलमाल मिटाने के लिये मैं Commission मेम्बर चुना गया अर्थात Kolpa और Kankani में (व्यभिचार का गोलमाल)।

church

ता. १७ जुलाई को मैं ने प्रचारकों को "उपदेश की तैयारी" पर तैयारी दिई। उनको ऐसी तैयारी अब तक Ilaka के Chairman से नहीं दिई गई। मैं ने इलाका चेयरमेन को इस बिषय पर हिदायत दिई है।।

B. Report. (Continued)

ता: १८-२३ जुलाई:— Kolpa गोलमाल मिटाया गया।

मैं Mr. Manmasih Barla, Jharsuguda Ilaka Secretary के साथ commission होके Khonsor मराउली ता. १८ को पहुंचा - मेरे साथ बाबु जकारिया बर्ला भी गया था - इस मराउली का एक गांव Kolpa है। Jharsuguda से 32 मील रेल से और 19 मील पैदल जाना पड़ता है। ता: 19 को खोनसोर में गिर्जा हुआ - बहुत भाई बहिन हर्ष से आये हुए थे। ता: २०+२१

⟨Kolpa गोलमाल⟩ को Kolpa में 8 मील की दूरी पर मराउली पन्चायत हुई, वहां Christ Kalyan Baba (married man) और Kario Barla एक धर्मखोजक लड़की के बीच में व्यभिचार का काम हुआ था— बहुत जांच के साथ उनका इजहार हुआ और पाया गया कि लड़की बोग्य के ऐसी है और तीन बेर गर्भवती पाई गई थी। सो लड़की दोषी ठहराई गई। लड़की ने Christ Kalyan Baba को फंसाने चाहा जिससे गर्भवती अवस्था में प्रतिपालन पावे। जो गर्भ है सो दूसरों से है (इलाका कई बेर असफल था)

ता: २३ को खोनसोर से सम्बलपुर लौटते समय एक गांव Jhakarpali में एक भाई की बेटी का बपतिसमा हुआ यह भाई Forest guard है जो वहां एक लाही खिलान है। (Sambalpur town से 7 मील पूरब है)।

ता: 24-2६ जुलाई:— कनकनी (Kankani) गोलमाल मिटाया गया

ता: 24 को मैं Mr. Manmasih Barla और Rev. S Bage और 14 इलाका मेम्बरों के साथ Kankani पहुंचा

⟨Kankani गोलमाल⟩ ता: 25 को Kankani (Kukrikani) Baptist पादरी Sardhanand और उसके इलाका मेम्बरों के साथ एक meeting हुई। एक Luthran भाई Premanand Horo ने एक Baptist लड़की (Widow) Dibro को अपने घर में रखनी रखा था जो तीन महिनों से बड़ा गोलमाल का कारण हुआ।— अनेक सवाल लड़का और लड़की से हुए जिनसे मालूम हुआ कि उन दोनों में खुशी रज़ी से प्रेम था. — सो फैसला हुआ कि वे शादी के द्वारा मिलाये जावें - अभी से लेके मराउली बाहर गिने जावें — पीछे मराउली ठहरा पाने पर उनको शादी दिई जावे - दोनों Lutheran मराउली में ठहरा लेवे और शादी लेवें।

⟨शादी में भिन्नता⟩ Sambalpur Baptist mission or Baptist union के और हमारे Lutheran लोगों के बीच में शादी नहीं होती है, यहां तक कि बाहरी खान पान में भी अलग रहते हैं।

ता: 24 को मैं ने पादरी की बहियों को देखा। पादरी को प्राय: 24 रुपैया माहवारी तलप मिला और प्रचारकों को प्राय: ६ या ७ रुपैया मिला। कर्म्मचारी याने प्रचारक लोग बहुत

⟨विशेष ध्यान.⟩ कमजोर हैं। उनको बार्षिक शिक्षा क्लास की बड़ी जरुरत है। झारसुगुदा स्टेशन में एक गिर्जा घर की जरुरत है।

B. Report (continued)

〈भिन्न विचार〉 Sambalpur के खिस्तान भाइयों का यह विचार है कि पादरी और प्रचारक लोग Sambalpur ही के लोगों में से होना चाहिये। वे छोटानागपुरी लोगों को नहीं चाहते हैं कि वे Sambalpur में काम करें। उनको परदेशी समझते हैं।

〈रिपोर्ट〉 Jharsuguda इलाके में कई मण्डली विषयक गोलमाल है। पादरी के रिपोर्ट से प्रगट है। मैं ता: २७ जुलाई को १० बजे बिहान के train से रांची आने के लिये रवाने हुआ।

II Chakradharpur Parish.

B. Report.

〈घर भाड़ा〉 ता: 29 + 30 जुलाई को मैं ने Chakradharpur Compound के खिस्तान भाइयों को १ दिन का समय (ता. २९) देके नोटिस दिया कि वे घर भाड़ा देवे। ता: ३० को बिहान ८ बजे बहुत थोड़े हाजिर आये और बहुत कम भाड़ा अदाय हुआ। मालूम होता है कि वे देने में बहुत ढीले और ढीठ हैं। पादरी Markas Sanga कोशिश करते हैं कि वे देने को सीखें। बहुत घर भाड़ा बाकी है जैसा पादरी Sanga के रिपोर्ट से भी प्रगट है।

〈Latrine〉 बंगला किरायादार मारवाड़ी ने एक Latrine (पक्का) पादरी के घर के बहुत निकट 26 हाथ की दूरी पर बनाया है जो कभी नहीं मंजूर होना चाहिये। सुनने में आया है कि municipality का chairman वही मारवाड़ी है।

〈बहीजांच〉 मैं ने ता. २९ को Chaibasa में पादरी खिस्तकल्याण भेंगरा और Markas Sanga की बहियों को देखा। आमदनी उनके तलप के लिये यथेष्ठ है, दोनों पादरी ३५) ५० माहवारी करके पूरा तलप पाते हैं। पर मालूम हुआ कि centralisation उनमें नहीं चलता है।

मैं ता. 30 जुलाई को Lorry से कुशल से रांची प्राय: 4.30 P.m. पहुंचा। !!

Luther Jojowar,
Church Supervisor.
Ranchi.
1.8.42.

To The Secretary, C.C. Ranchi.
Gossner Evangelical Lutheran church,
Chotanagpur and Assam.

(August, 1942.)

56

1. कलीशा की आत्मिक दशा।
2. " " आर्थिक दशा।
3. " में जनाना बिभाग।

---

1. कलीशा की आत्मिक दशा।

जब से (1919 ईस्वी से) यह कलीशा autonomous होगई तब से कलीशा के भाई बहिनों का आत्मिक जीवन परखा जा रहा है। कितने ऐसे हैं जो मिश्नारियों के समय में भक्ति के साथ जीवन बिताते थे, वे अभी तक भी भक्ति का जीवन बिताते हैं। पर कितने ऐसे हैं जो भक्तिमय जीवन के बिपरीत चलते हैं।

autonomous कलीशा में स्वाधीनता का आत्मा आ गया है। कलीशा में यह एक रोग सा है। प्राचीन कलीशा में गलाती मराउली और करिन्थ मराउली में भी ऐसा आत्मा घुसा था जिससे मराउली में अनेक गड़बड़ हुए। हमारी स्वापालित कलीशा में भी अनेक गड़बड़ हुए और होते ही जा रहे हैं। कलीशा के अधिकार का साम्हना किया जाता है। कलीशा का शासन अब धीरे २ दृढ़ होते जा रहा है।

स्वाधीनता का आत्मा भाई बहिनों में और कलीशा के कर्म्मचारियों में, दोनों में कुछ बहुत प्रबल है। भाई बहिन लोग गिर्जा आने जाने में ढीले मालूम होते हैं। दान देने में मामूली जान पड़ते हैं। कर्म्मचारी अपना जबाबदायीत्व नहीं समझते क्योंकि अधिक समय मराउली में घुमने, सीखाने और दुःख में सुधि लेने में नहीं बिताते, पर अपने निज काम जैसे खेती आदि में बिताते हैं, जिससे मराउली के आत्मिक जीवन की बढ़ती नहीं पर घटती ही होती है।

आनन्द की बात है कि यह आत्मा साल बसाल घटते जाता है और इससे आत्मिक जीवन बढ़ते जाता है। प्रमाण यह है कि कई जगहों में ईश्वराधना के स्थान पक्का पक्का बनाये जा रहे हैं। आमदनी, सिरनी आदि बढ़ती जा रही है, जैसे बार्षिक रिपोर्ट से प्रगट है।।

१. कलीशा की आत्मिक दशा। (लगातार)

कलीशा की आत्मिक दशा सुधारी जाय और अच्छी होवे इसके लिये जो उपाय कलीशा में हैं सो चालू रहें। अर्थात :—

1. Theological Seminary.
2. पादियों का वार्षिक शिक्षा क्लास।
3. प्रचारकों का " " "।
4. दृढ़िकरण क्लास।
5. बपतिस्मा की शिक्षा।
6. बैबल क्लास (कहीं २ चलता है)
7. बिन्ती समाजें।
8. सन्डे स्कूल ...।
9. साक्षी हफ्ताह।
10. राज्य वृद्धि.......।

२. कलीशा की आर्थिक दशा।

autonomy के राज्य में आर्थिक दशा सन्तोषजनक नहीं है। मिश्नरियों के राज्य में दान देने को भाई बहिनों ने नहीं सीखा। बालकों के ऐसे मिश्नरियों पर ओठंगके रहते थे। छोटानागपुर और आसाम के हमारे भाई बहिन इतने गरीब नहीं हैं जैसे अन्य २ देशों के हैं। हमारे लोगों को प्राय: सबको landed property है। कलीशा में बहुत कोशिश किया जाता है कि लोग अपने प्रभु के प्रेम से अधिक देवें। कहीं २ पर देने के बिरुद्ध हड़ताल किया जाता है। लोगों ने अभी तक अपने प्रभु को अपना मन नहीं दिया है। आप स्वार्थ जगह जगह पर प्रबल है।

जो २ दान कलीशा में चलते हैं वे दृढ़ता से चलाये जासें तो दशा निश्चय सुधर जायगी। वे ये हैं:—

1. एतवार (मुठी) सिरनी।
2. घड़ा सिरनी —।
3. प्रभु भोज + बपतिस्मा दान।
4. नवा खानी दान — —।
5. कटनी [illegible] दान — —।
6. शादी फीस ----।
7. मराउली पैसा ---।

दान की बढ़ती रुक जाती है, जब कलीशा के अधिकारी दानों का सुव्यवहार नहीं करते हैं। जैसे हमारी कलीशा में हर इलाके में प्राय: प्रगट हुए। प्राय: हर पादी के ऊपर भाइयों का शक था

२. कलीशा की आर्थिक दशा। (लगातार)

और अब तक भी कितनी जगहों में है।

इसलिये आमदनी पर बिशेष अधिकार रखना कलीशा के अधिकारियों को दरकार है। अच्छा है कि महासभा ने ठहराया कि आमदनी का centralisation होवे। यह नियम अभी केवल इलाकाओं में चलता है। यह नियम तब ही पूरा लाभदायक ठहरेगा जब कलीशा भर की आमदनी एक ही जगह में (C.C. Treasury में) एकत्रित किई जाती। जिसका फल यह होगा कि कलीशा की बढ़ती औ घटती मालूम होगी और उसी के अनुसार कर्म्मचारि लोग तलप दिये जासकेंगे। और किसी कर्म्मचारी के ऊपर थक नहीं किया जा सकेगा इस रीति से मराउली की सेवकाई में बाधा नहीं रहेगी।

आमदनी की बढ़ती इस रीति से भी होगी यदि मराउली में समय २ पर दान देने के बिषय में सुयोग्य रीति से उपदेश दिये जाते।

और कटनी आदि सिरनी ~~को~~ उस समय बिक्री किये जाते जिस समय बिक्री का दर बढ़ा हुआ है। (जैसे मई से जुलाई के भीतर।)

३. कलीशा में जनाना काम। (बिभाग)।

autonomous कलीशा में हमारी कितनी बहिनें कितने इलाकाओं में काम करती हैं। बहुत भाइयों को समझ नहीं आती है कि वे क्या और कहां काम करती हैं।

सच है कि हमारी कलीशा में बहिनों के बीच में उचित शिक्षा दिई जावे क्योंकि वे केवल एतवार के दिन ईश्वर का पवित्र बचन सुनते और सीखते हैं। अब तक उचित प्रबन्ध नहीं हुआ है। मैं जहां तक जानता हूं सो यह है कि वे बहिनें प्रायः केवल इलाका स्टेशन में और निकर के टोलों वा गांवों में जाती हैं। इलाका भर के गांवों वा मराउलियों में नहीं।

अच्छा होगा कि इस बिभाग पर कलीशा के अधिकारी उचित ध्यान देवें॥

L. Jojowar
Ranchi, 5-8-42.

१५८

56 # Tokad, Koronjotola and Burju visit.

(from 15th – 29th Aug. 1942.)

Th. Hsm
19-9-42
Hony Secy

C.ll
C.l. E
11-9-42

I Diary.

Aug. 15th Saturday – Started for Tokad by motor bus.
" 16th .... Sunday service at Tokad.
" 17th Mon ...... fell ill of malaria fever at Tokad
" 18th – 20th ...... ill at Tokad.
" 21st .... Inspected the repair work done to the missionary bungalow + the chapel building
" 22nd .... visited Sayadbera, one of the tolas of the Tokad mandli.
" 23rd .... S. Service at Tokad (upadesh ki autonomous church ko mission work karna hai.)
" 24th .... Started for Koronjotola (Parish, with the Rev. Santosh Surin.
25th .... Started for Burju. (Rev. S. Surin returned to Tokad)
26th .... Talk with the Ilaka chairman of Burju, about the Koronjotola Parish + the New Padri (Rev. Yakub Bage)
27th .... prepared reports of the Burju Ilaka.
28th .... visited Kolna mandli at the request of the Padri (Rev. C.K. Guria) Returned to Burju. Evening service. Pichhli Barsha ke bishay bishes upadesh. Zachariah 10.1-2.
29th Saturday .. Returned to Ranchi. (5 P.M. arrival)

II Report.

A. Tokad:— मैं ता: 15 Aug. सनिच्चर को प्राय: 4 बजे टोकद पहुंचा. रास्ते में भारी बर्षा थी। 16 ता: को एतवार का दिन था— बर्षा के कारण गिर्जे में भाई बहिन यथेष्ट नहीं आ सकते थे। 17– 20 ता: तक मैं मलेरिया बुखार से टोकद में पड़ा था।

मरम्मति काम :— ता: २१ को मैंने मरम्मत्ति काम देखा अर्थात

(क) Missionary Bungalow:— समूचा घर उजाड़ा जाकर नये कांड़ और चीरे हुए बत्ते लगाये गये हैं

और भंडिया भी एक दो बदले गये हैं। दीवाल पलस्तर किया गया था पर सफेदी (white washing) कुछ बाकी था. बरन्डे की लकड़ी के खूंटे उठा दिये जाकर ईटों का पाया लगाये गये हैं।

घर के गत्र भी प्राय: ठीक हैं पर किवाड़ें खराब हैं- कांच सब टूट गये। अच्छा है कि कांच की जगह में लकड़ी के तखते लगा दिये जाते। ——

गिर्जा घर: ~~(ख)~~ गिर्जा घर: —— गिर्जा घर में कोई काम नहीं किया गया है। हालत खराब है। गिर्जा घर के लिये प्राय: ५५ हजार ईंटें पकाई गई हैं पर न मालुम है कि कितनी ईंटें अच्छी पक्की निकलेंगी - अब तक तो भट्टे में ही हैं। हो सकता है कि ४५ या ५० हजार ईंटें अच्छी निकलेंगी।

खर्च: —— मैं ने हिसाब देखा और पाया कि Receipts Rs. 932—00 में से प्राय: Rs. 700—00 खर्च हुए अभी तक बहुत काम बाकी है कैसा गिर्जा घर बनेगा।

मैं पाया कि भाई लोगों ने अपना voluntary labour नहीं दिया जिसके कारण केवल प्राय: मजुरी पर काम चलता है। —— पादरी Santosh Surin और भाइयों के बीच में co-operation नहीं है। इलाका पंच में खर्च का हिसाब नहीं दिया गया है। —— मैं ने पादरी साहब से अरजी किई है कि हिसाब इलाका पंच में पेश करें और C.C. में पूरा रिपोर्ट भेजें।

B. Koronjotola Parish.

ता: २५ अगस्त को मैं Rev. Santosh Surin के साथ कोरोंजोटोला पहुंचा. उसी दिन 3-5 P.M. मराडली पंच की मीटिंग गिर्जा घर में हुई - भाइयों ने अपना विचार प्रगट किया कि हम लोग नये पादरी Yakub Bage को खुशी से ग्रहण करेंगे- रहने के लिये घर भी ठीक है जिसमें अभी प्रचारक रहते हैं।

Koronjotola में एक बड़ा गिर्जाघर है- अच्छी हालत में है। और compound भी यथेष्ट बड़ा है। Compound में एक U.P. school है जो D.B. stipendiary है। एक पादरी के रहने से मराडली और स्कूल की उन्नति होगी। पादरी बाबु नहीं पहुंचे हैं। इस Parish में 7 मराडली हैं और जनसंख्या में Burju Ilake के 5 पेरिशों में Koronjotola दूसरा नम्बर में है। ये Parish हैं 1. Burju. 2. Darigutu 3. Sarnatoli. 4. Taptara और 5 Koronjotola. ——

C. Burju.

मैं ता: २६ अगस्त को Burju पहुंचा - मैं ने पादरी Christ-Kalyan Guria, Ilaka chairman और प्रचारक Dit से पूछा कि इलाका पंच Rev. Yakub Bage को ग्रहण करेंगी कि नहीं? उत्तर मिला कि ग्रहण करेंगी पर Candidate Babu Christ Rayan Topono को नहीं सम्भाल सकेंगी। मैंने कहा कि आप लोग C.C. को लिखिये कि उनको कोई दूसरी जगह मिले।

मैंने २७ अगस्त को chairman की अरजी पर Kolna मराडली को देखा - भाई बहिनों को दो उपदेश दिये गये - दिन को २-३ बजे और सांझ को ७-८ बजे। वे बहुत खुश थे। उनका गिर्जाघर पत्थल से पक्का बनाया गया है। सुन्दर है। ३३ हाथ लम्बा और १३ हाथ चौड़ा है दीवाल छोड़ के। ता: २८ को बुरजू लौटा और सांझ को उपदेश दिया। ता: २९ अगस्त को मैं रांची लौटा। ॥

Luther Jojowar
Church Supervisor. 18.9.42.

The Gossner Evangelical Lutheran Church
in Chotanagpur & Assam.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919
Registered under Societies Registration Act XXI of
1860 on July 30, 1921.

Officers and members of the Executive.

1. *President*: Rev. J. Stosch, Lic. Theol.
2. *Secretary*: Rev. J. J. P. Tiga, B. D.
3. *Treasurer*: Mr. N. Soy,
4. Mr. Th. Surin, B. A., B. L.
5. Rev. L. Jojowar,

Other members of the Church Council.

6. Rev. S. Bage,
7. Rev. W. Radsick,
8. Rev. L. Topno,
9. Rev. S. Kula,
10. Mr. C. D. Ekka.
11. Mr. P. Soy.
12. ,, D. Tirkey,
13. ,, P. S. Vengra B. A.

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (BIHAR) INDIA.

No. 2371-72/42/F- 56.

Dated the 11th Nov., 194 2.

The undermentioned document is forwarded to the Church Supervisor and the Rev. S. Surin for information and guidance.

Th. Surin 11-11-42
Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the Minutes of the C. C. Executive Committee held on the 24th September, 1942.

Item No. 11.

" Church Supervisor's report dated 18-9-42 :-

The report about (A) Tokad (B) Karanjtoli and (C) Burju was read and considered and the C. C. has taken the following action :-

(A) Tokad :- The report says that there is lac of co-operation between the Pastor on one side and the brethren on the otherside. The CC considers that it is fit to call for explanation about this lac of mutual co-operation from the Pastor and the brethren there; and what ways and means can be adopted to re-establish co-operation.

(B) and (C) :- Noted. "

BBMINZ-3C
11-11-42.

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919
Registered under Societies Registration Act XXI of 1860 on July 30, 1921.

Officers and members of the Executive.

1. *President*: Rev. J. Stosch, Lic. Theol.
2. *Secretary*: Rev. J. J. P. Tiga, B. D.
3. *Treasurer*: Mr. N. Soy,
4. Mr. Th. Surin, B. A., B. L.
5. Rev. L. Jojowar,

Other members of the Church Council.

6. Rev. S. Bage,
7. Rev. W. Radsick,
8. Rev. L. Topno,
9. Rev. S. Kula,
10. Mr. C. D. Ekka.
11. Mr. P. Soy.
12. ,, D. Tirkey,
13. ,, P. S. Vengra B. A.

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (BIHAR) INDIA.

No. 2114-15/42/F-56.

Dated the 12th Oct. 1942.

The undermentioned document is forwarded to the Church Supervisor and the Rev. S. M. Bage, Jharsuguda for information and guidance.

Sd/- Th. Surin.
Hony Secretary.
G. E. L. Church.

Extract from the Minutes of the C. C. Executive Committee held on the 31st August, 1942.

Item No. 9 (A).

Church Supervisor's Jharsuguda report :-

(1) Jharsuguda Church :- There is a need of building a Church at Jharsuguda as there is no Church at present.

Mr. Nirmal Minz has given out his wish to donate Rs. 200/- only for the same. The estimated cost is about Rs. 500/-. So the C. C. should get the balance of Rs. 300/-.

(2) --- --- --- --- --- --- --- ---
--- --- --- --- --- --- --- ---

Memo No. 2190/42/F56 Dated Ranchi, the 23rd Oct., 1942.

Copy forwarded to Mr. Nirmal Minz Jharsuguda for information.

Th Surin
23-10-42.
Hony Secretary,
G. E. L. Church.

T-HLAKRA-2C
23-10-42.

The Gossner Evangelical Lutheran Church
in Chotanagpur & Assam.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919
Registered under Societies Registration Act XXI of 1860 on July 30, 1921.

Officers and members of the Executive.

1. *President*: Rev. J. Stosch, Lic. Theol.
2. *Secretary*: Rev. J. J. P. Tiga, B. D.
3. *Treasurer*: Mr. N. Soy,
4. Mr. Th. Surin, B. A., B. L.
5. Rev. L. Jojowar,

Other members of the Church Council.

6. Rev. S. Bage,
7. Rev. W. Radsick,
8. Rev. L. Topno,
9. Rev. S. Kula,
10. Mr. C. D. Ekka.
11. Mr. P. Soy.
12. ,, D. Tirkey,
13. ,, P. S. Vengra B. A.

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (BIHAR) INDIA.

No. 2114-15/42/F- 56.

Dated the 12th Oct. 1942.

The undermentioned document is forwarded to the Church Supervisor and the Rev. S. M. Bage, Jharsuguda for information and guidance.

Sd/- Th. Surin.

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the Minutes of the C. C. Executive Committee held on the 31st August, 1942.

Item No. 9 (A)

xxxx

" Church Supervisor's Jharsuguda report :-

(1) --- --- --- --- --- --- ---
--- --- --- --- --- --- ---
--- --- --- --- --- --- ---

(3) The people of Jharsuguda express their wish that a person be prepared and ordained for Pastoral works in the Sambalpur Dist., and that person be a native of the said District. They also said that Catechist Johan Barla, who is a son of Manmasih Barla, be chosen for the same.

It was resolved that Catechist Johan Barla, who is below 20 years, now, be sent to some High English School, to qualify himself to enter into the Seminary. If needs be, the C. C. may help him financially."

Memo No. 2189/42/F. 56. Dated Ranchi, the 23rd Oct., 1942.

Copy forwarded to Babu Johan Barla, Binjipali for information and guidance.

Th Surin
23-10-42

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

BBMINZ-2C
23-10-42.

G. E. L. CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Secretary : Rev. J. J. P. TIGA, B. D.

Ranchi, (Bihar) India.

The .... 194 .

No.

12th October, 2.

2116-17/42/F- 56.

The undermentioned docuément is forwarded to the Church Supervisor and the Rev. M. Sanga for information and guidance.

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the Minutes of the C. C. Executive Committee held on the 31st August, 1942.

Item No. 9 (B).

" Church Supervisor's Report :-

(B) Chakradharpur Report :- The tenants of Chakradharpur are in great arrears of their rents as stated in Tahshildar's report and also the Rev. M. Sanga, always complained of this in his letters :-

It was decided to serve the 4 greatest defaulters with pleader's notices."

BEMINZ-3C
12-10-42.

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919
Registered under Societies Registration Act XXI of 1860 on July 30, 1921.

Officers and members of the Executive.

1. *President*: Rev. J. Stosch, Lic. Theol.
2. *Secretary*: Rev. J. J. P. Tiga, B. D.
3. *Treasurer*: Mr. N. Soy,
4. Mr. Th. Surin, B. A., B. L.
5. Rev. L. Jojowar,

Other members of the Church Council.

6. Rev. S. Bage,
7. Rev. W. Radsick,
8. Rev. L. Topno,
9. Rev. S. Kula,
10. Mr. C. D. Ekka.
11. Mr. P. Soy.
12. ,, D. Tirkey,
13. ,, P. S. Vengra B. A.

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (BIHAR) INDIA.

No. 2114-15/42/F- 56.

Dated the 12th Oct. 1942.

The undermentioned document is forwarded to the Church Supervisor and the Rev. S. M. Bage, Jharsuguda for information and guidance.

Th Surin
Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the Minutes of the C. C. Executive Committee held on the 31st August, 1942.

Item No. 9 (A).

" ~~(1)~~xChurch Supervisor's Jharsuguda report :-

(1) Jharsuguda Church :- There is a need of building a Church at Jharsuguda as there is no Church at present.

Mr. Nirmal Minz has given out his wish to donate Rs. 200/- only for the same. The estimated cost is about Rs. 500/-. So the C. C. should get the balance of Rs. 300/-.

(2) It also appears from the report that there is a Paper Mill at Braj Rajnagar and also there is a mine near about this place. In the paper mill and also in the mine there re Lutheran Christians of our Church. It is also said that if the authorities be approached there a land for building a Church can be obtained.

It was resolved that attempts be made to secure land for building a Church there.

(3) The people of Jharsuguda express their wish that a person be prepared and ordained for Pastoral works in the Sambalpur Dist., and that person be a native of the said District. They also said that Catechist Johan Barla, who is a son of Manmasih Barla, be chosen for the same.

It was resolved that Catechist Johan Barla, who is below 20 years, now, be sent to some High English School, to qualify himself to enter into the Seminary. If needs be, the C. C. may help him financially.

(4) Catechist Siksha Class at Jharsuguda :- Let Shiksha Class be opened at Jharsuguda for Catechists who are below the standared of Catechists of other places of the Church."

BBMINZ-3C
12-10-42.

To The Secretary
C.C. Ranchi.

पोड़गा U.P. school का
M.V. school, D.B. होना।

संस्कार। (16.6.42.)

पोड़गा करीमट्टी इलाके की एक मराउली है। यह गाँव छोटानागपुर और गांगपुर स्टेट के दो सिमाने पर है। १९२४ के महायुद्ध के समय से मिशन स्कूल उठ गया, मराउली के कई भाइयों के यत्न से D.B. के अधीन फिर स्कूल हुआ U.P. standard तक हुआ। — ता: 16.6.42 को यह स्कूल D.B. के अधीन M.V. school ठहराया गया, स्कूल खोलने के लिये Mr. Samuel Purti, Vice-chairman, रांची, और Mr. Abraham Bajray Deputy Inspector of schools (Gumla) गये थे।

स्कूल घर भाइयों के निज खर्च से पक्की ईंटों से D.B. के नकशे पर बना है, प्राय: डेढ़ हजार रुपैये खर्च हुए। —— स्कूल कम्पौन्ड बहुत बड़ा है, प्राय: ७ एकड़ है। कम्पौण्ड में एक Hostel भी है जिसमें 42 लड़के हैं। school की संख्या १६४ है जिसमें अनेक लड़के हैं जो गांगपुर स्टेट की कई मराउलियों से आये हैं। लड़कियों की संख्या 40 है।

Head master Babu Martin Jojowar (Matric, C.T.) है, जिसने बहुत यत्न किया कि यह स्कूल M.V. school होवे।

ता: 17.6.42 को एक बैठकी हुई जिसमें Rev. Daniel Horo, Karimatti Ilaka Chairman सभापति थे जो Rev. Christchit Horo, Lowaram पैरिश के साथ संस्कार में हाजिर थे —— यह संकल्प हुआ कि पोड़गा मराउली में एक कारिन्दा चार्च तरफ से रखा जाय जो स्कूल लड़के लड़कियों को धर्म विषय और Music का पूरा ज्ञान देवे। कितने बर्षों तक यह मराउली करीमट्टी इलाके में station स्कूल का काम देवे जहां से प्रचारक आदि निकलें — क्योंकि गांगपुर में हड़ताल है।

Luther Jojowar
Church Supervisor, Ranchi. 26.6.42.

31 56

L.O.P. / C.Ex 24.7.42

Jharsuguda 14.7.42.

To

The Secretary C.C. Ranchi,
Gossner church in Chotanagpur and assam.

Manyawar Mahashay,
Ap ko mera yishusahay.

Repair 1. Main ne Jharsuguda ke Jaydad ka janch kiya arthat chota bungalow aur bara bungalow aur 1 outhouse repair kiye gaye hain, jiska report ap ko kal bheja gaya hai - Jahan tak ho saka Bhaiyon ne apna labour lagake aur rupaiya lagake maramat thik se kiya hai.

Encroachment 2. Ek bishes bat dhyan dene ke jagya hai ki Compound ka ghera thik karna hai "Encroachment" ka bahut dar hai, jaisa Dr. Nallathambi ne 1939 men kiya hai jis par Board

P.T.O.

of Management, G. E. L. Properties ne kuchh nahin kiya hai..

---

3. Bara Bungalow ka bhara:—

Mr. D. M. Panna ne Dr. Mallathambi ko Rs 30/- per month 15th July to April 1943 tak diya hai, aur Rev. S. Bage ko 13.7.42 ko hal diya — Rev. S. Bage ne isi bungalow ko Rs. 50/- p.m. 15th July se ek baras ki agreement men Tata Iron & Steel Co Ltd Jharsuguda ko de diya hai 12.7.42 ko

Rent

Mr. D. M. Panna Rev. S. Bage ko likhte hai ki Doctor ne bahut "help" kiya "past years" men aur "as there is no other tenant" main Rs 30/- par deta hein. yad rahe ki Konika Raja Rs 40/- p.m. 4th July '42, tak diya. — phir Rev. S. Bage ko Mr. Panna ne 7.7.42 ko likha hai ki "Please give it (Barabungalow) on rent if any body comes" — Isi adesh par Rev. S. Bage ne Rs 50/- p.m. par Tata Co. ko 12.7.42 ko de diya. — malum howe ki Tata Co. ne apna Important Records sabko Jharsuguda men bhagaya hai War ke karan.

ab Tata ne Rs 50/- advance 13.7.42 ko deke (Mr. Panna ki chithi pane ka pahile) 13.7.42 hi se "occupy" karna suru kiya

suru kiya hai — ab Doctor bara naraj hai — kya jane kya hoga

Kal sab kagaj Mr. D. M. Panna ko bheja gaya hai.

Main ne bhi Mr. Panna ko likha hai ki Dr. Nallathambi ke salary ka bandobast ko utha dewe — kyon ham log Rs 20/- (Rs 50/- minus Rs 30/-) ki hani bhogenge — phir ki Tata Co ko arji kii gai hai ki Rs 50/- se upar dewe 6 months bad. —— So main C.C. ko yah bishay bhi janata hun ki yadi bat serious howe to C.C. "decide" kare.

Kripa kar Mr. J. Lakra President ko bhi dikhaiye — aur Mr. Lakra bhi ap ko apni or se kuchh dikhawenge, main apna diary aur Programme unke pas bhejta hun.

age shubh.
apka biswast
L. Joiswar.
14.7.42.

Kal 13.7.42 ko tour men jana tha
aj abhi Panna tour men jata hun.
L. J.

P.T.O.

main ne Rev. S. Bage ko
apki May + June ki chithi ka bare
puchha – jawab diya ki main
ne secretary se koi chithi nahin pai
phir ki wah Jharsuguda ki men tha
Saparar nahin gaya hai – Tour men
tha isse meri chithi ka jawab
bhi jaldi nahin de saka.

aj Rev. S. Bage bhi mere
sath tour men jata hai.

Idher bhari barsa ho rahi
hai – shayad Ranchi men bhi
kam nahin hogi.

Kripa kar Babu Binod
clerk ko hidayat deka jaiye
main ap logon ka jane ka age
Ranchi nahin laut sakunga
mere Programme men ap dekhenge

apka
L. Dojowar
14.7.42.

To The Secretary, C. C. Ranchi. 56 १५५.

Lalli – Banpur ka garbar.

Report. (27-31 May 1942)

C.C. की पिछली बैठकी में ठहराया गया कि Banpur में जो १२ घर हमारे खृस्तान भाई लोग बीते स्वर्गारोहण पर्ब्ब के दिन Roman कलीशा चले गये हैं, उनको समझाने के लिये एक कमिशन बनपुर जाय, सो मैं प्रचारक इम्मानुएल बाड़ा के साथ 27 May को Lalli आया. 28 May को

I Rev. Eliajar Kindo को लेके Banpur पहुंचा. ——— हम लोग ३ जन पहिले जकरिया नाम क पुराने इलाका मेम्बर के यहां गये और उस भाई के कहने के मोताबिक बर्त्तमान रांची इलाका मेम्बर Lukas भाई के घर गये — वहां दो पहर को खाने के बाद जकरियाह भाई से बातचीत हुई — (Lukas भाई रांची आया था) ——— बातचीत का सारांश यह था कि वे बिगड़े हुए लोग ऐसे सिखाये गये हैं कि वे किसी लूथेरान भाई से मुलाकत नहीं करते वे लूथेरान लोगों की निन्दा बकते हैं। सो यह कठिनता हम लोगों को हुई कि हम लोग उनके पास नहीं जा सके पर तौभी हम लोग उन भाइयों के मुख्य भाई Benjamin Tiga पुराने प्रचीन के यहां पहुंचे — उस प्रचीन से बातचीत हुई जिसकी बात का सारांश यह है कि अब समय नहीं है कि वे Roman कलीशा से फिर लौट आवें — उसने कहा कि "हमरे रोमी कलीशा गेली से गेली और हमरे फिर नहीं आवब"।

उनके जाने के कारण ऐसे मालूम होते हैं कि वे बर्त्तमान Banpur मण्डली पंच से कोई २ बिषय में नराज हैं और 1937 साल से गड़बड़ चला आया है और गड़बड़ के न मिटाये जाने से बात बढ़ गई और नतीजा खराब हुआ। दूसरा कारण ऐसा है कि प्रचारक योहन भुरकुंवार काम से छुड़ा दिया गया जो नराज होके Roman

Roman कलीसिया कितनों को लेके गया है।

हम लोगों ने अन्त में कहा कि सोचो कि जिस धर्म को आप ने खड़ा किया और इतने दिन प्रचीन था, उसको छोड़ देके दूसरी कलीसिया जाना ठीक है कि नहीं — अपनी मां को त्यागके दूसरी औरत को मां कहना कैसा है। Mr. Juel Lakra जो हम लोगों के बीच में विशेष करके आप उरांव लोगों के बीच में सबसे बड़े हैं सो आवेंगे, वे आप को नहीं छोड़ेंगे। यह कहके बातचीत अन्त हुई और अन्त में मैं ने उनके संग प्रार्थना किई और हम लोग Lalli लौट गये।

II ता: 29 May को हम दो जन (प्रचारक इमानुएल-बाड़) Lalli से Dami मण्डली गये वहां

(a) युसफ प्रचारक के साथ मण्डली सम्बन्धी बात हुई और सांझ को टोले के खृस्तानों के साथ प्रार्थना हुई।

(b) वहां L.P. स्कूल U.P. स्कूल बनाया जा रहा है वहां थोड़े ख्रीस्तान लड़के लड़की पर संसार लड़के लड़कियां ज्यादे हैं, Dami गांव और आसपास के गांवों में बहुत संसार मुण्डा और उरांव हैं। U.P. स्कूल घर बनाने का पूरा खर्च और लकड़ी आदि तिकर के एक गांव Taimara का गौंझू. जो उड़िया जात का है अपने ऊपर रख कर 17) रु प्रचारक को दे चुका है। दीवाल प्राय: तैयार है दो छावा बाकी है। खपर बनाना बाकी है। मैं ने युसफ प्रचारक के साथ उस गौंझू से मुलाकात किई और आर्जी किई कि वह अपनी इस भलाई के काम को खतम करे। मैं Dami गांव के खृस्तान और संसार भाइयों को जमा करके समझा दिया है कि वे कोशिश करके उस घर को बनाके तैयार करें क्योंकि बर्षा आ रही है। उन्हों ने राय कर काम करने की प्रतिज्ञा दिई है। आशा है कि U.P. स्कूल खड़ा होने से बहुत भलाई होगी संसार लड़के खीस्तान धर्म को पहिचानेंगे। दो खृस्तान मिस्त्रियस वहां पढ़ाती हैं, एक Trained है। Dami मण्डली बहुत दुबल है।

III ता: 30 May को हम लोग Ganeor आये
वहां Candidate Namjan Horo के लिये
कन्या का बन्दोबस्त करना था, वह काम पूरा हुआ
ता: 31 May को Alaundi में गिर्जा ~~किई~~
किया.— Trinitatis पर्ब्ब माना.— भाई बहिन
बहुत आनन्दित थे कि कौंसिल का एक अफसर
उन की मराउली में आ पहुंचा।
वहां से 1 June को Jambiri होते हुए Khunti
~~आया~~ और 2 June को रांची पहुंचा.।

L. Jojowar
Church Supervisor
Ranchi.
3.6.42.

Read
m...

Jamshedpur mandli ka
Sanchhep Report.
(17–20 May, 1942.)

मैं बुरजू में कलीसिया की महासभा के बाद वर्तमान प्रेसिडेन्ट साहब की अनुमति पाकर अपना गांव मोड़ंगा गया, मेरे बच्चे बुखार से पीड़ित थे - वहां से मैं मनोहरपुर होते हुए जमशेदपुर मण्डली देखने गया —।

तीन मण्डली। ता. १७ को किताडिह मण्डली में गिर्जा किया और भाइयों से मुलाकात किया — मण्डली सम्बन्धी बातें मण्डली पंच मेम्बरों से बातचीत किई, पादरी समुएल हेमरोम साथ में थे — ता. १८ को मैं पादरी के साथ सोनारी मण्डली को देखा - वहां एक पक्का गिर्जाघर बनाया जा रहा है दीवाल तैयार है, बड़ी२ लकड़ी की जरुरत है, और वर्तमान दुनिया की स्थिति के कारण इस साल गिर्जाघर का तैयार होना असम्भव मालूम होता है।

ता. १९ + २० को महुलबेड़ा और सकची मण्डली को देखा और Parish Committee के साथ मीटिंग किई और सब बहियों को जांचा. -

सारांश १. वर्तमान जगत स्थिति के कारण मण्डली के बहुत भाई बहिन जमशेदपुर से अपने२ गांव को चले गये हैं इस कारण ईश्वराधना में कमी हुई है और मण्डली आमदनी भी कम हुई है। जितने अब जमशेदपुर में भाईबहिन हैं वे अपनी सेवाराधना में दृढ़ हैं। और Lutheran Parish committee अपना काम ज्वलनता से करती है।

२. मण्डली आमदनी वहां यथेष्ट है अर्थात जमशेदपुर मण्डली अपने autonomy के काम में सफलयत्न है अपने पादरी को ४०) रुपया माहवारी तलब देती है और ७ रु० घर भाड़ा माहवारी पादरी के लिये देती है वहां तीन L.P. स्कूल के तीन मिस्ट्रेसों को १२) रु० प्रति हर महीना देती है और Balance Rs 908-०-० अप्रैल के अन्त में है। यह आनन्द का विषय है।

L. Jojowar, Church Supervisor. Ranchi. 25.5.42.

56

28

Tour Report of the Church Supervisor. from 9 – 24 March 1942.

A. Khuritoli Kurpani case

B. Korongjo Ilaka Mandli visit.

A. खुरीटोली इलाके के सेक्रेटरी बाबू औगुस्तुस हेंड्रेज की अरजी पर मैं ९ मार्च को खुरीटोला पहुंचा. ता: १०–१२ मार्च इलाके की बैठकी और कर्मचारियों की बैठकी हुई। इलाके की बैठकी में सेक्रेटरी ने प्रस्ताव किया कि कुड़पानी के समद पार्टी और जोजो पार्टी के दोनों गिर्जा घर संस्कार किये जावे और माता मराडली जामबहार के अधीन रहे। एक होशियार प्रचारक अमुस केरकेटा प्रचारक होवे सब आमदनी इलाके में centralise होवे। C.C. का सलाह था कि खुरीटोली इलाका कोई तरह से जल्दी गड़बड़ को शांत करे क्योंकि ८ बैठकियां हो चुकीं और ५ या ६ वर्ष बीत गये तौभी वे दो पार्टी मेल नहीं होते हैं। यह प्रस्ताव समर्थन हुआ और अनेक तार्कबितर्क के बाद पास हुआ। संस्कार की ता: २२.३.४२ ठहराई गई। — समय की समाप्ति पर २२.३.४२ को Rev. Samuel Bage (Kinkel chairman) से संस्कार हुआ। समद पार्टी ने उजुर किया वे अधिक बेर समझाये गये पर मेल नहीं हुए- उन्होंने C.C. में और President के पास अपना उजुर पेश किया- जो Church Supervisor को ता: २५.३.४२ को President के हाथ से मिला।
जोजो पार्टी S.P.G. तरफ जाने चाहते थे जैसा Biriam के जोजो लोग S.P.G. गये।

B. मेरा दूसरा काम मंडलियों को शांति और साहस का उपदेश देना था क्योंकि वर्तमान लड़ाई के कारण मंडलियों में बड़ी घबड़ाहट फैलती जाती थी। — इन स्थानों में मैंने यह उपदेश दिया. मत्ती ८.२३-२७, + २८.३-८ + योहन १६.३३ के अनुसार। :—

रुकमा में ५.३.४२
खुरीटोली में १०.३.४२
जामबहार मंडली में ... १२.३.४२
कोरोनजो में ... १५.३.४२
घुरीचोरवा. मंडली में ... १७.३.४२
कादोपानी ,, ,, ... १८.३.४२
बलेयाजोर ,, ,, ... १९.३.४२
लतापानी मंडली में ... २२.३.४२

L. Jojowar 1.4.42.

xxxxxxxxxxxxxxx
(Hony.) Th.Surin Esqr.,B.A.,B.L.

13th May, 2.

1191/42/F-56.

To,
The Rev. L. Jojowar,
Churdh Supervisor, Ranchi.

Dear Sir,

The Full C. C. in its sitting held at Burju on the 1 1st May, 1942, has elected you to be a member of the Executive Committee of the Church Council for a period of one year, i.e. from 1st May 1942 to the next Mahasabha of the Church whichever date may be earlier. You are therefore entitled to attend the Executive C. C. as its member whenever it sits.

Note :- Kindly attend the Ex. C. C. meeting to be held in the C. C. Office at Ranchi on the 18th May (Afternoon) 1942.

Extract from the minutes of the Full C. C. held at Burju on the 1st May, 1942.
(1) Item :- Increment of Church Supervisor's pay :-

Resolved that the Church supervisor's pay be increased by Rs. 10/- p.m. with effect from 1-6-41. This Rs. 10/- be paid from the amount which is in charge of Mr. D. M. Panna and that the Church Supervisor will also work for the Property. The money will be sent to the C. C. treasurer direct for the purpose.

Sincerely Yours,

Th. Surin

Hony. Secretary.

Jharsuguda 21. 2. 24. 56

CC 1

To
The Secretary. C.C. Ranchi:

Dear Sir,

I am sending you herewith the report of our tour from 7–17th Febr. 1942.

I am coming to Ranchi on the 24th inst.

Yrs sincerely

L. Jojiar

File No 56

10th January 2

101/42

The Rev. L. Jojowar.
Church Supervisor.

Dear Mr. Jojowar,

Please find enclosed a letter from Mr. C.K. Bhengra D/9.12.41 addressed to the President. The Exec. Cee- of the Ca decided on 7.1.42 that you should go to Jua and see to the matter. When you send your report about your visit to Jua please send the letter along with the report. You remember you have to do some thing in Khuntitoly Ilaka when you go with the President. The necessary papers re: Kupani and Lathakhamaku have been given to the President.

Yours Sincerely
J. S. Tigai

56

11th Dec., 1.

2971/41/F- 56.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. L. Jojowar, Church Supervisor for information and guidance.

Secretary. 11/12

Extract from the Minutes of the C. C. Executive Commtt. held on the 10th December, 1941.

Item No. IV (a)

" Matters arising out of Minutes :-

(a) Pakartoly :- Read letter from the Gumla Ilaka. Rev. Jojowar gave his replies to all the questions raised in the letter.

Resolved that the Church Supervisor be asked to give his replies in writing whcih should be sent to the Gumla Ilaka. In case they will keep quiet after receiving these replies the matter should be considered to have ended. Rev. Jojowar is also asked to talk with Babu Bimal Minz and include in his replies also the reply to the question raised about him."

92/2616 Simdega-Chainpur-Jashpur-Sambalpur tour report. *File*

(2nd May to 16th June 1941.)

A. कुड़पानी गड़बड़।

मैं ने कौंसिल की आज्ञा के अनुसार २ माई को सिमडेगा-कुड़पानी जाने को रांची छोड़ा - खुटीटोली से पादरी दाऊद सोरेंग और धर्मदास कुजुर और बाबु औगुस्तुस हेंडेंग वो कई इलाके मेम्बर के साथ ता: ३ माई को कुड़पानी पहुंचा और कुड़पानी के दोनों पार्टी जोजो और समाद गोत्र वाले हाजिर आये - जोजोगोत्र वालों ने आनन्द से स्वागत दिया -

~~समाक~~ सभा की बैठकी उपदेश और प्रार्थना से सुरु हुई। समाद पार्टी तर्क वितर्क के बाद बोले कि हम लोग मेल के लिये तैयार हैं पर जोजो लोग मेल के विरुद्ध हठ करने लगे और ८ बजे रात तक समझाने पर भी मेल नहीं हुए - । ४ ता: भोर को जोजो लोगों ने एक अर्जी दस्तखत पेश किया - बोलके कि हम मेल करेंगे यदि हमारे शर्तों को समद लोग मानेंगे - शर्त यह था कि ने जोजो लोगों के गिर्जे में आवें और पुराना गिर्जा स्कूल घर होवे। —— समद लोगों ने मंजूर नहीं किया - वे बोले कि हम जोजो लोगों का गिर्जा नहीं जायेंगे - हम लोग पुरानी मण्डली जामबहार जायेंगे —। सो उनके बीच की फूट नहीं मिटाई जा सकी - प्रचारक मत्तियस समद और उसका भाई मरकस उनमें मुख्य हैं। मण्डली जोजो लोगों की संख्या प्राय २०० और समद लोगों की १०० है और कुछ खड़िया भाई हैं। पुराने गिर्जे घर की दशा खराब है। गड़बड़ के कई कारण हैं। (१). गांव में समद लोग होशियार हैं और जोजो लोगों को दबाये रखते हैं (२) कई बेर इनमें पहिले से झगड़े हुए - और मेल हुए पर समद लोगों ने मेल को तोड़ दिया - । इति। मैं ६ माई रांची लौटा।

B. Chainpur visit.

कौंसिल ने बाबु Daud Tirki C.C. मेम्बर ने एक चिठ्ठी दिई, जिसके अनुसार चैनपुर इलाके के काम को जांचना था - मैं कौंसिल की आज्ञा पाकर ७ माई को रांची से निकला और ८ माई को गुमला, ९ माई को हेसाग पहुंचा - १० माई को आमगांव से पुलुक मण्डली पादरी जीवनतिर्की के साथ पहुंचा - वहां समुचे चैनपुर इलाके की बहुत सी मण्डलियों से भाई बहिन ~~हे~~ धर्ममेला और आमसभा के लिये हाजिर थे इलाका chainpur Rev. John Toppo और कई इलाके मेम्बर हाजिर आये थे। —— १० ता: और ११ ता: दोनों रोज बहुत आनन्द से भाई बहिन लड़के लड़कियां उपदेशों को सुनते थे और गीत भजन करते थे - प्राय. दोनों दिनों में ६ या ७ सौ लोग हाजिर थे ता: ११ माई को पुलुक से डिबाडिह-गलोराडा सादी हफतार के लिये Procession धूमधाम के साथ हुआ - वहां धूप के कारण बहुत लोग प्यासे और भूखे हुए पर अबिराहाम लकड़ा ने उनको बहुत गुड़ का शर्बत देके उनको खातिर किया - । साम को इलाका मीटिंग हुई थी और ता: १२ माई को कोई

बिहान ही को अपने२ स्थान को लौट गये।
उसी दिन मैं उिबादिर के लड़कों के साथ कमलापुर-गोबिन्दपुर बजार में प्रचार करने को गया - पादरी योहन टोप्पो ने पहिले उपदेश दिया - तब मैंने उपदेश दिया - बहुत से non-christians हिन्दु - मुसलमान और उरांव लोग हाजिर आये थे और आनन्द से सुनते थे - वहां बेतरी मण्डली के भाई बहिन भी हाजिर थे। ता: १२ मई को बेतरी मण्डली में रात भर थे - वहां मण्डली को साथ जो उपदेश दिया गया बहुत गीत भजन बहुत रात तक हुए।
ता: १३ मई को बिहान को कई घरों को देखा और घर घर प्रार्थना किई। प्राय: ६ बजे बिहान को कुड़ी मण्डली गया साथ में येही पादरी थे - प्रचारक लोग बेतरी से अपने२ स्थान को लौट गये।
कुड़ी मण्डली के लोगों ने हम लोगों को आनन्द से स्वागत दिया गिर्जे घर में ईश्वराराधना हुआ - बहुत गीत भजन हुए। २ - ५ बजे को निकर के श्रीनगर बजार में धर्मप्रचार हुआ। और शाम को ६ वा ७ बजे को चैनपुर पहुंचा।
ता: १४ मई को मैंने पादरी योहन टोप्पो चेयरमैन और पादरी जीवन तिर्की की बहियों को देखा - हिसाब प्राय: ठीक हैं और मण्डली आमदनी को बढ़ती रही है प्रमाण यह है कि आज काल पादरी लोग माहवारी प्राय: २५रु० बेतन पाते हैं और प्रचारक लोग ३रु० से ८रु० तक पाते हैं।
हरे के गाछ बृन्द Board of management की अनुमति से काटे जाते हैं, डालियां बिना अनुमति काटी जाती हैं। मैं ने हिदायत दिया है कि भविष्यत में अनुमति लेके काटी जावें।
Prabhupit रुपैया 62 रुपैया प्राय: था पर 23रु० केवल Pass book में है; बाकी पैसे बलप में खर्च दिखाये गये हैं।
Parish का बांटवारा नहीं हो सकता है क्योंकि केवल Jadde मण्डली है जो आमगांव Parish में मिलाई जा सकती है पर यह मण्डली Chairman के लिये प्रतिपालन के निमित्त छोड़ी गई है।
Centralisation:- यहां Centralisation इस इलाके में नहीं चलता है पर Pulik आमसभा के दिन में इलाके की मीटिंग में सब कर्मचारियों से मंजूर किया गया है कि भविष्यत में centralisation होवे।
कर्मचारी ब्योरा:- ब्योरा के विषय इलाके की मीटिंग में और आमसभा में Puluk में बताया गया।
इस तरह से Babu Daud Tirki C.C. मेम्बर की चिट्ठी की बातें जांची गईं।

ता. २५माई को मैं दोनों पादियों के साथ Chainpur Parish की मण्डलियों को जो चैनपुर से पश्चिम हैं, देखने को निकला।

1. संखसारडीह की मण्डली :— यहां भाई बहिनों ने हमें आनन्द से स्वागत दिया. उनको गाछों की छाया में उपदेश दिया गया. (गिर्जे घर में समाव न था) — गीत भजन बहुत हुए और भाई बहिन बहुत आनन्दित हुए।

2. मन्दरीया मण्डली :— यहां पर भी भाई बहिनों को उपदेश दिया गया. गीत भजन बहुत हुए आनन्द और उत्साह दिखाई पड़े।

खेतली मौजा :— मन्दरीया जाने के रास्ते में खेतली के बहुत से भाई बहिन हम लोगों से मुलाकात में निकल आये — वहां हिन्दु जमीन्दार भी अपने लोगों के साथ आया — और आगे की यात्रा के लिये अपना बन्धुवा घोड़ा लाया - जिस पर चढ़ कर मैं आगे भेड़ीताल मण्डली गया -।

3. भेड़ीताल मण्डली :— यहां हमारे थोड़े भाई हैं, बहुत लोग रोमन मिशन चले गये। यहां थोड़े लोगों ने हमें बड़े आनन्द से ग्रहण किया - प्राय: ८ बजे रात थी। ९-१० बजे गिर्जे घर के पास गाछों के नीचे उनको उपदेश दिया गया - समूची रात गीत भजन हुए और यों बिहान हुआ और बिहान को घर घर घुमकर हम तीनों पादियों ने प्रार्थना पारी रक्खि है।

ता: २६ माई को हम लोग Luchutpath मण्डली को जा निकलते पर पानी और आंधी के कारण नहीं पहुंच सके एक जमीन्दार के घर में हम लोगों को शरण मिला -।

4. Luchutpath मण्डली :— ता: २७ माई को प्राय. ९ बजे भोर को हम लोग वहां पहुंचे — Luchutpath Netrahat पहाड़ की श्रेणी है और उजाड़ पर तराई है, बहुत सुन्दर और उपजाऊ जगह है कवारी बिना पानी सींचने से होती है। और धूपकाले में भी तराई जगह है, यह मण्डली पलामू, सुरगुजा और जशपुर के तीन सिमाने पर है। वहां भाई बहिनों ने बहुत ही आनन्द से हम लोगों को ग्रहण किया. — उस दिन शाम को उनको उपदेश दिया गया — और गीत भजन हुए भाई बहिन बहुत आनन्दित हुए।

Chainpur इलाके के आमगांव और Chainpur दोनों पेरिशों की मण्डलियों की आत्मिक दशा सुधर रही है। मतवालपन इस इलाके की मण्डलियों बहुत दबाया गया है और दबाया जा रहा है। यह मेरे लिये आनन्द मालूम हुआ -।

C. Jashpur State की मण्डली:—

ता: १८ माई को हम लोग जशपुर स्टेट की हर्री मण्डली पहुंचे।

1 हर्री मण्डली:— यहां एतवार के दिन में बहुत उत्साह और आनन्द के साथ ईश्वराराधना हुई और प्रभुभोज बांटा गया और बालकों को बपतिस्मा दिया गया. यहां खड़ियार स्टेट की १ मण्डली से भी कितने भाई बहिन बपतिस्मा के लिये हाजिर आये थे।

2. हर्राडिप्पा छोटी मण्डली:— यहां भी भाई बहिनोंने हमें आनन्दता से स्वागत दिया — उनको उपदेश दिया गया. और लोगों को बहुत आनन्द प्राप्त हुआ — वहां का प्रचारक प्रभुदास कुजुर बहुत होशियार है और स्टेट के लोगो के आगे भी मर्यादित है। यहां ता: १९ माई को दिन और रात रह गये।

3. मनोरा:— मनोरा एक मुख्य गांव है जहां स्टेट स्कूल है। वहां हमारे लूथेरान भाइयों में से एक भाई परिवार सहित स्कूल मास्टर है। वहां हम लोगों ने उनके साथ गिर्जा किया और प्रभुभोज बांटा.

ता: २० माई को वहां मनोरा में रह गये।

हर्री से मनोरा तक State का Police हम लोगों के साथ में था।

ता: २१ माई को हम लोग Jashpur nagar पहुंचे

4. Jashpurnagar की मण्डली:— ता: २२ माई को स्वर्गारोहण पर्व के दिन में बड़े आनन्द और उत्साह के साथ गिर्जा हुआ — पादरी जीवन तिर्की मेरा सहायक था —।

ता: २३ माई को Rev. J. J. P. Tiga Secretary C. C. रांची से Jashpurnagar मिशन मोटर से पहुंचा — पादरी John Toppo और पादरी Jiwan Tirki अपना गांव चले गये।

ता: २४ माई को Superintendent से Permission पाके मैं और Mr. Tiga और स्टेट की ओर से Messrs Birad Ming द्वारा manager और C. D. Sirka Head master मोटर से इचकेला मण्डली, कतार मण्डली और सिरोंगा मण्डली गये। इन जगह में ईश्वराराधना हुई और सभों को खबर दिया कि 25 माई एतवार एकसौटी में इचकेला में सब भाई बहिन जमा हुए. प्रभुभोज और बपतिस्मा होगा — और ता: २६ माई सोमार को एक भारी सभा होगी — शाम को Jashpur nagar लौटे।

ता: २५ माई को Ichkela में बड़ा गिर्जा हुआ. Rev. J. J. P. Tiga ने उपदेश दिया और पादरी Laurentius Lakra ने सहायता दिई।

१9 बालकों को बपतिस्मा दिया गया - प्रभुभोज बांटा गया.

लगातार (C. Jashpur State की मण्डली.) ६ एष

ता: २६ मार्ई को इचकेला में भारी सभा हुई सभापति Rev. J. J. P. Tiga चुने गये। इस सभा में विशेष दो बातें हुईं I कितने भाई लोग Anglican बिशप के पास दरखास्त दे चुके कि वे ग्रहण किये जावें II Ichkela स्कूल की जगह स्टेट से मंजूर होवे।

I सभापति ने बहुत यत्न से उन भाइयों को जो S.P.G. मिशन जाने चाहते थे, समझाया — और अन्त में मैं ने भी समझाया — । फल ऐसा हुआ कि उन भाइयों ने अपना दरखास्त वापस लिया और एक लेख दिया कि वे आगे को अपनी माता मण्डली में रहेंगे।

II. स्कूल के बारे बताया गया कि रोल संख्या घटती जाती है। स्टेट से अर्जी किई गई है कि वह स्कूल के लिये जगह देवे — मिलने की मंजूरी तो बहुत दिन पहिले ही Political agent से मिली है वर्त्तमान State superintendent की राय भी है कि जगह मिले और घर बनाया जावे पर शर्त ऐसा है कि मास्टर लोग regularly वेतन पावें और लोगों में झगड़ा फूट न होवे।

वे Recognition देने को भी तैयार हैं।

प्रस्ताव:- १. General permission C.C. के अफिसरों को स्टेट से मिले।

२. Jashpur state की मण्डलियों के लिये एक सभा होवे जो civil area से कुछ सम्बन्ध न रखे पर C.C. से सीधे सम्बन्ध रखे।

३. स्कूल घर स्टेट के कानूनानुसार बनाया जावे।

बाबू अबादियार के साथ जो हिसाब गड़बड़ था सो ठीक कर दिया गया — वह निर्दोषी है।

D. झरसुगुदा — कुतरीपाली :— ता: १०+११ जून को C.C. सेक्रेटरी Rev. J. J. P. Tiga और मैं वहां गये थे — वहां आम सभा हुई थी — सम्बलपुर की पश्चिम भाग की ३ मण्डलियों से भाई लोग हाजिर थे और पूरब भाग की ३ मण्डलियों से नहीं आये Mr. Manmasih Barla ने पादरी को P.C. दिया कि आम सभा न होवे — हो सकता है कि उसी के कारण भाई लोग नहीं आये — प्रचारक जकरिया बारला और प्रसन्न सहित भी नहीं आये, हाल भी उनसे न मिला — — जो हाजिर थे उनको हम दोनों ने खूब समझा दिया कि वे अपनी माता और स्वावलम्बित में दृढ़ बने रहें। आशा है कि वे ऐसा करेंगे ता: १२ जून को हम लौट आये। Luther Tirkey [illegible]
C. Superintendent

Ranchi
26.6.41

B.12 (ii) F.56

Khutitoli-Kurpani
का गड़बड़ रिपोर्ट।
(ता: २-६ मार्इ १९४१)

ता: २ मार्इ को मैं रांची से खुटीटोली पहुंचा.
ता: ३ मार्इ शनिवार को खुटीटोली इलाका
पंच मेम्बरन पादरी दाऊद सोरेंग
Chairman और पादरी धर्मदास कुजुर
और इलाका सेक्रेटरी बाबू औगुस्तुस
हैडेंज और प्रचारक आमुस केरकेटा के
साथ मैं कुड़पानी ११ बजे पहुंचा और
दूसरी बेला कुड़पानी मण्डली के कई
व्यक्तियों के साथ बैठकी हुई, १ बजे से
८ बजे रात तक।

कुड़पानी के भाइयों में समद गोत्र और
जोजो गोत्र के बीच में झगड़ा है।
समद लोग ११ घर हैं प्राय: ७० प्राणी और
जोजो लोग २५ घर है प्राय: १५० प्राणी है.
इन दोनों गोत्रों के साथ डांग-टोपनो
सुरिन गोत्र के थोड़े लोग और थोड़े खड़िया है.
मण्डली की संख्या प्राय: ३०० है जिसमें
मोटा हिसाब ऐसा होगा कि समद ~~१००~~ दल
१०० और जोजो दल २०० प्राणी।

मण्डली आत्मिक बल में बालक है।
मूर्त्तिपूजा- मिथ्यविश्वास मण्डली है।
जोजो गोत्र के लोगों ने एक अलग गिर्जा
घर बनाया है - एक छोटा कम्पौण्ड है
जो पत्थल से सिमाना बांधा हुआ है
दो भाइयों ने अर्थात नथनिएल और
अन्द्रियस जोजो ने मण्डली के लिये अपना
जमीन दान दिया है। कबुलियतपट्टा
भी लिख दिया है।

पुराना गिर्जाघर की जगह समद गोत्र
की है- गिर्जाघर यथेष्ट बड़ा है- पर खराब
दशा में है। घर के चारों ओर कुछ जमीन
नहीं छोड़ा गया है। दीवाल के निकट तक
जोता जाता है।

वहां का प्रचारक समद लोगों का भाई
ही है- (मत्तियस समद) — प्रचारक के
दो भाई मरकस समद और मतमसीह समद
गांव में अपने को मुख्य और बलवान
(मुंड्गर) बताते हैं, इस गोत्र में कुछ लोग
लिखे पढे हैं, जो जो गोत्र में अशिक्षित
हैं, जिनको समद लोग गांव के प्रति-
दिन के काम धन्धे में दबाते रहते हैं
और बहुत बुरी बातों से गाली देते हैं
यही एक कारण है जिससे उनमें अनबन है
दूसरा कारण यह है कि समद लोग यह
कहते हैं कि जो जो लोग दो मार्ग पर
चलनेवाले हैं, हम उनके संग नहीं मिलेंगे.
याने मूर्तिपूजा जो जो गोत्र में चलता है
हम लोगों ने दोनों दल को बहुत समझाया
कि वे मेल मिलाप करें पर समद गोत्र के
लोगों ने कहा कि हम मेल नहीं करेंगे —
ता: ४ मार्च को एतवार दिन को ७-१२ बजे
तक उनको समझाया — जो जो गोत्र के
लोगों ने इस ता: में कहा कि हम लोग मेल
करें पर समद गोत्र ने कहा कि मेल नहीं
करेंगे — हम लोग अपनी पुरानी मण्डली
जोमबहाल में गिर्जा करेंगे — पर जो जो
गोत्र के साथ नहीं करेंगे —।
समद लोगों की ऐसी कठोर बात से
सभा हार मानी और यों ही उठ गई।

मेरा और इलाका पंच का विचार है
कि उनको और थोड़ा समय देना चाहिये
कि वे सोच विचार करें। क्योंकि जो जो गोत्र
के लोगों ने जिन्होंने शुरु से गोलमाल किया
अभी अपना मन फिराया है, ऐसा ही समद भी
शायद कुछ समय के बाद मन फिरावेगा —।

इलाका पंच की सभामें मैंने कहा है कि इस मराउली के भाई बहिनों के लिये मराउली का काम जैसे बपतिस्मा शादी आदि बन्द न करे।

प्रचारक मत्तियस सामद को वहां से Transfer करने की शिफारिश इलाका पंच को दिई गई क्योंकि मालूम हुआ कि उसने अपने भाइयों के साथ जो जो गोत्र को गाली दिई है और उनको दुःख दिया है।

मैंने एतवार के दिन दोनों दल के भाई बहिनों को विशेष करके बहिनों को समझाया कि वे गांव कारबार में, गिर्जा आराधनामें मेलमिलाप स्थापित करने की चेष्टा करें और प्रतिदिन प्रार्थना करें कि अन्तमें मेल होजावे।

उस गांव में स्कूल भी नहीं है और बहुत से लड़के लड़कियां हैं - सो मैंने उस नया गिर्जाघर में स्कूल आरम्भ करने की अर्जी किई है - उस नये गिर्जाघर से दखिन पहाड़ जंगल है जिस के बीच दो बड़े १ कोस पर गांव हैं सराईपानी और गंवारघसा जहां मुराउ लोग हैं जो पहिले ख्रीस्तान थे पर उलट हुए हैं - जिनका भी कहना है कि हमारे लड़के भी स्कूल में पढ़ें।

कुडपानी सिमडेगा से दखिन 8 कोस की दूरी पर जंगल और पहाड़ भीतर है।

Luther Dojowar
Ranchi 7.5.41.

F. 56

टोकद tour का रिपोर्ट।

President Rev. J. Stosch के साथ।

(ता: १६–23 फरवरी १६४१)

ता: १६ एतवार को हम लोग मिशन मोटर से टोकद इलाके के काम को देखने को टोकद जाने को १० बजे रांची से निकले जाते वक्त रास्ते में खूंटी में ११-१२ बजे गिर्जा किये - प्रेसिडेन्ट साहेब ने मण्डली को उपदेश दिया - पीछे भाई बहिनों से बिदा होकर टोकद प्राय: १ बजे पहुंचे वहां पर बहुत से भाई बहिन हम लोगों की आशा देखते थे - बहुत आदर के फूल के साथ और गीत भजन के साथ उन्होंने मुलाकात किई और गिर्जा घर की ओर ले गये और वहां पहुंच कर एतवार की आराधना हुई। पहिला उपदेश मैं ने दिया और पीछे दूसरा उपदेश प्रेसिडेन्ट साहेब ने दिया जो नया पादरी सन्तोष सुरिन को बहाली करने के बारे इब्री १३, १७ ~~१ थिस्सलोनी ५. १२~~ से था जिसमें पादरी का मण्डली में क्या कर्तव्य और मण्डली का पादरी के लिये क्या कर्तव्य है सो दिखाया गया - । वह दिन बड़े आनन्द और आशीष का था।

उसी दिन कुजुर पादरी से चिट्ठी मिली कि कुजुर जाना बहुत असुविधा होगा - क्योंकि पादरी census work में चक्रधरपुर चला गया (१७ - 20 ता. तक के लिये -)

ता: १७ सोमार को टोकद में धर्म मेला हुआ - जिसमें ५ उपदेशक ठहराये गये थे और पारी २ करके गीत भजन के साथ उपदेश देते थे - वहां इलाके से आये हुए भाई बहिन और टोकद U.P. स्कूल के लड़के लड़कियां ~~भी~~ हाजिर थीं। विषय ये थे: (1) आत्मिक जीवन कैसे बढ़ेगा. प्रेसिडेन्ट से। (2) बपतिस्मा की बाचा कैसे पालन किया जायगा Rev. Obed Tiru (Pension वाला पादरी) से (3) गिर्जा आने में कैसे उत्साह बढ़ेगा बाबु पौलुस तोपोनो मास्टर से।

(4) बिन्ती करने का ज्ञान कैसे दिया जायगा पादरी L. Jojowar से

(5.) गीत की गम्भीरता को मण्डली जाने Rev. Santosh Surin से

जहां तक बना सभों ने यथारुचि उपदेश दिया और मेला में बहुत आनन्द और शिक्षादाई उत्साह प्रगट हुए।

ता: १८ मंगलवार को इलाके की बैठकी हुई।

ता: १६ बुधवार को बिहान ८-११ बजे हम लोगों ने टोकद के निकट पूरब के दो गांव Hathnada और Larauli को देखा - भाई बहिनों को जमा कर दोनों जगह में वचन सुनाया उनके साथ प्रार्थना किई, साथ में नया पादरी और दाऊद प्रचारक और एक मुख्य भाई थे।

दूसरे बेला कहीं नहीं जा सके उस दिन बन्द गांव बजार था - शाम को टोकद स्कूल लड़कों को प्रेसिडेन्ट साहेब से चाह और मिठाई दिई गई और लड़कों ने और स्कूल staff ने गीत भजन के साथ बहुत आनन्द किया।

ता: 20 बिफे को बिहान ~~8~~ ८-१० बजे हम लोगों ने एक तीसरे ~~के~~ गांव मेरोमगुटु को देखा - वहां भाई बहिनों को

और कितने संसार भाई बहिनों वो बच्चों को जमा किया और उनको प्रेसिडेन्ट साहेब ने उपदेश दिया और प्रार्थना किई। साथ में नयापाढ़ी और दाऊद प्रचारक और एक मरछा भाई थे।

उसी दिन हम लोग रोकद की एक मुख्य मण्डली कुन्दुगुटू को देखा यह रांची से चक्रधरपुर जाने की सड़क में ४८ मील पर जंगल के भीतर सड़क से दहिनी ओर १½ मील की दूरी पर है। हम लोग मोटर से १२ बजे पहुंचे — मण्डली के भाई बहिन आनन्द के साथ मुलाकात को निकले और बहुत फूलों के हारों को हमें पहिनाया। गिर्जा घर में पहुंच कर गिर्जा हुआ — प्रेसिडेन्ट साहेब ने उपदेश दिया और गिर्जा के पीछे २-३ बजे युवा युवतियां भजन करती थीं — ३ बजे से ४ बजे हम लोगों को भोजन दिया गया।

भोजन के तुरन्त पीछे हम लोगों को एक नया स्कूल घर देखने को ले गये जो सुन्दर रीति से बनाया जा रहा है और Singhbhum District Board से grant मिलने की आशा किई जाती है, उसी दिन Sub-Inspector of Schools भी आया हुआ था — उससे थोड़ा बातचीत होने पर हम लोग रोकद लौटने को भाइयों से बिदा हुए और प्राय: ५½ बजे रोकद पहुंचे।

ता: २१ शुक्रवार को हम लोगों ने रोकद इलाकी दो मण्डलियों को देखा अर्थात Tebo-sahikala और Kocha-Dudukundi मण्डली को जो जंगल भीतर हैं और रांची-चक्रधरपुर रोड के ५७ मील पर Tebo के निकट सड़क से दहिने और बायें ओर १½ मील और ५ मील की दूरी पर है सहीकारा मण्डली एक छोटी मण्डली और बिल्कुल भोली भाली है। वहां पर पादरी सन्तोष सुरिन ने मत्ती ५, लोण और ज्योति के विषय उपदेश दिया पीछे प्रेसिडेन्ट साहेब ने भी उपदेश दिया। वे एक नया गिर्जा घर बना रहे हैं छत तैयार है — पर दीवाल नहीं है — उन्होंने एक आर्जी लेख में पेश किया कि उनको दीवाल उठाने को मदद मिले बड़े प्रेम से प्रेसिडेन्ट साहेब ने जवाब देते हुए प्रतिज्ञा दिई कि मैं ५) रुपैया — इस काम के लिये भेज दूंगा। वे बहुत आनन्द हुए और अन्त में उन्हों से हम लोग बिदा होके कोचा-दुदुकुण्डी गये और वहां २ बजे — मण्डली के बहुत भाई बहिन हम लोगों से मुलाकात को निकले और गीत गाते हुए और फूलों का हार पहिनाते हुए हम लोगों को गिर्जा घर ले गये — वहां प्रेसिडेन्ट साहेब १ कोरिन्थ १: २०-२१ "क्रूश घातित यीशु हमारा बचानेहारा है" इस मूल बात पर मण्डली को उपदेश दिया — और लोग बचन सुनने से बहुत खुश थे —।

अन्त में प्राय: ४ बजे उन्हों से बिदाई लेके हम लोग रोकद लौटने लगे — रास्ते पर एक गांव लोटा में एक भाई Suleman Bodra का घर देखा जो 55 मील पर सड़क के निकट दखिन की ओर है। वहां कुछ भाई बहिन हाजिर थे बिन्ती प्रार्थना हुई और उन से बिदा होके हम लोग रोकद प्राय: ५½ बजे पहुंचे।

ता: २२ शनिवार को ८-१० तक रोकद compound के घरों को घूर घूम के देखा — ~~काल~~ और १०-११ बजे रोकद से पूरब ५ मील की दूरी पर का एक गांव कुदाडीह देखा वहां के भाई बहिनों के साथ छोटी आराधना किई और उनसे

बिदा होके सरनाटोली जाने को रवाने हुए, रास्तेपर
हिन्दी इल्दोपिड़ी मण्डली को देखा जहां पादरी मनसिद्ध
पुर्ती मण्डली के साथ हम लोगों की जाय देखता था
हम लोगों ने मण्डली के भाई बहिनों के आनन्द और आदर के फूल
हारों के साथ मुलाकात किई ~~सुदृगिर्जा~~ घर में बैठे और गिर्जा हुआ
पहिले प्रेसिडेन्ट साहेब ने ^पादरी मनसिद्ध पुर्ती को प्रणाम करने के बाद^ योहन १० से उपदेश दिया मैं
अच्छा गड़ेरिया हूं - मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं - मैं उनको
जानता हूं और भेड़ें मेरे पीछे हो लेती हैं - मैं उन्हें अनन्त
जीवन देऊंगा - कोई मुझसे छीन न लेगा - इन वाक्यों
पर बिस्तार से उपदेश हुआ - अन्त में गीत गाया गया।
उसके पीछे मैं ने स्तोत्रसंहिता ७३, २८ "पर ~~मेर~~ परमेश्वर के
समीप रहना मेरे लिये भला है" इस पर थोड़ा उपदेश दिया
अन्त में गीत गाया गया - प्रार्थना हुई।

इसके बाद चाह हम लोगों को दिया गया - चाह के बाद
पादरी मनसिद्ध पुर्ती का घर देखने को गये वहां उनकी मां
बहुत आसे में बैठी हुई थी - बुढ़ापे के कारण बहुत
कमजोर है। वहां बातचीत होने पर प्रार्थना हुई और
बिदा होकर ३ बजे निकले — —— रास्ते पर ३४ मील
पर सिमकेल मण्डली के बहुत से भाई बहिन और कांजटोली
के स्कूल लड़के लड़कियां सड़क पर एकट्ठे आये हुए थे
वहां प्रेसिडेन्ट साहिब ने उपदेश दिया और प्रार्थना के
बाद उनसे बिदा हो खूंटी होते हुए ४½ बजे सरनाटोली
पहुंचे - वहां के भाई बहिनों ने बहुत आदर के साथ हमों को
ग्रहण किया - पादरी Nathaniel मुन्डू भी अपने परिवार
सहित हाजिर था - गिर्जाघर में स्वागत भाषण
हुआ और प्रार्थना के बाद अपने २ डेरे को सब चले
गये क्योंकि आगे एतवार का दिन था —।

ता: २३ एतवार को बिहान कुछ सन्डेस्कूल देखा
वहां सन्डेस्कूल उसी रोज शुरु हुआ - आगे नहीं था -
१२ बजे से गिर्जा हुआ - पहिले मैं ने १ कोरिन्थ १, १८-३१ पर
उपदेश दिया - बाद इसके प्रेसिडेन्ट साहेब ने बहाली
उपदेश दिया (१ थिस्सलोनी ५, १३ पर) पादरी नथानिएल
मुन्डु को मण्डली को सौंप दिया और दोनों के कर्तव्यों को
समझा दिया — अन्त में प्रार्थना हुई।

गिर्जा के बाद चाह दिया गया ——

हम लोग प्राय: ४ बजे उनसे बिदा हुए और
रांची ५½ बजे लौट आये —।

Luther Jojowar
Church Supervisor
26.2.41.

Tokad Ilaka

1 centralisation nahin challa

2. Tokad girja ghar Missionary bungalow

3.

Lohardaga Ilaka (1 March – 4 march

Swagat upadesh – Girja
achha school
Padri Bakeh Kujur
Rev. John Kujur

2. Samir – Karmchari Panchayat 2 upadh

3 Mangal — Aam sabha —

G. E. L. Church के प्रेसिडेन्ट और चार्च सुपरवाईजर
के Tour का रिपोर्ट, ता. १५ मार्च से ८ अप्रेल १९४१.

(A.) <u>गुमला इलाका</u> :- (ता: १५-१६ मार्च तक): - हमलोगोंने रांची
मोटर से प्राय: १ बजे छोड़ा और प्राय: साढ़े ४ बजे गुमला
पहुंचे। वहां स्कूल लड़के लड़कियों और मण्डलीने बड़े आदर
के साथ हमों को ग्रहण किया. - स्वागत के पीछे प्रार्थना हुई
और पीछे अपने २ स्थान को गये - उस दिन को सांझ को
बिन्ती समाज हुई और मैं ने बिन्ती में एक छोटा उपदेश देके
अगुवाई किई। दूसरे दिन ता. १६ को आज ओकौली एतवार को
प्रेसिडेन्ट साहेब ने उपदेश दिया (१ पित्र ६, १३-१६ पर) और
मैं ने आराधना भाग लिया -।
ता: १७ सोमार को हमलोग पादरी बाबु मघन लफड़ा और कई
भाई और सेमिनरी लड़कों के साथ राघुनाथपुर जो पहिले पेरिश
था, गये - रास्ते में बांसाटोड़ मण्डली में वहां के भाई बहिनों
के साथ मुलाकत हुई, गिर्जा घर में उपदेश हुआ - और उनसे
बिदा होके राघुनाथपुर पहुंचे - भाई बहिनों ने बहुत आनन्द से
प्राय: २ मील की दूरी पर मुलाकात किई - गिर्जाघर पहुंचके
पर वहां गिर्जे घर के समान न होने से आंगन में ~~मण्डली~~ में
गिर्जा हुआ - पहिला उपदेश प्रेसिडेन्ट साहेब ने और दूसरा
उपदेश मुझ से दिया गया - कई भजन भाई और बहिनों से
गाये गये - ~~वहीं रात को ठहरना पड़ा~~, खाना खाने के
बाद शामर को प्रेसिडेन्ट साहेब ने भाइयों के घरों को देखा
और वहां के कम्पौण्डर को भी घरों को देखा - शाम को
गिर्जा हुआ - और मैं ने उपदेश दिया - हमलोगों ने
वहीं ही रात बिताई। दूसरे दिन मंगल को चार पो के गुमला
लौटे और दूसरी बेला कर्म चारियों को प्रेसिडेन्ट
साहेब ने उपदेश की तैयारी दिई और शाम गिर्जे में
मैं ने उपदेश दिया -। स्कूल को देखा
ता: १९ बुध को इलाका आम सभा की धर्मसेला हुआ
पहिली बेला को एक उपदेश की तैयारी प्रेसिडेन्ट
साहेब से दिई गई। धर्मसेला में इलाके की बाहरी
और आत्मिक उन्नति पर उपदेश दिया गया. उपदेशक लोग
५ जन ठहराये गये थे - अच्छे २ योग्य गीत भजन
गाये गये और बड़ा आनन्द मनाया गया -
शाम को राज्य वृद्धि गिर्जा हुआ और प्रेसिडेन्ट साहेब
ने उपदेश दिया - पीछे बोर्डिंग कमिटि की मीटिंग
हुई - बोर्डिंग की दशा अति बुरी है, लड़के ढीठ हैं।
~~उनको~~ उचित शिक्षा और चितौनी दिई गई।

२ पृष्ठ

(गुमला इलाका) उन बोर्डिंग के लड़कों से मुलाकात हुई और प्रेसिडेन्ट साहेब ने उनको समझा दिया कि वे बोर्डिंग के नियमों को पालन करें और अपने मालिक को को मानें।

ता: २० बिफे बिहान को कम्पौण्ड के घरों को प्रेसिडेन्ट साहिब ने देखा और १० बजे खाना खाके हम लोग कोन्डरा इलाका जाने को रवाने हुए।

B: **कोन्डरा इलाका** :- (ता. २०+२१ मार्च १९४१)

कोन्डरा जाते समय रास्ते में मम्हाटोली मण्डली के भाई बहिनों ने प्राय: १२ बजे हमें स्वागत दिया और गिर्जाघर में गिर्जा हुआ - गिर्जाघर फूलों से सुशोभित किया गया था - हम दोनों ने उपदेश दिया और तीन बालकों को बपतिस्मा हुआ - वहां से बिदा होके हम लोग आगे बढ़े और फिर बिकेरा मण्डली ने अपनी जगह के रास्ते पर हम लोगों से मुलाकात किई और एक छोटा उपदेश उन्हें दिया गया और प्रार्थना के बाद उनसे बिदा हुए आगे बढ़ने पर कोयल नदी के इस पार सुसांग मण्डली और उस पार निरसजांड़ मण्डली ने मुलाकात किई, उनको उपदेश दिया गया और प्रार्थना हुई और आगे बढ़के फिर कोनकेल की मण्डली ने रास्ते पर मुलाकात किई, हम लोगों ने उनके गिर्जाघर में उनको उपदेश दिया। गिर्जे के बाद हम लोगों को चाह रोटी और फल दिये गये - उनसे बिदा हुए और प्राय: ४ बजे कोन्डरा पहुंचे - बहुत भाई बहिन और स्कूल के लड़के लड़कियों ने हम लोगों को बहुत आदर और प्रेम के साथ ग्रहण किया - कम्पौण्ड के भीतर बड़े २ आम गाछों के नीचे जमा होने का स्थान तैयार था - वहां हम दोनों ने उन्हें उपदेश दिया - गीत भजन हुए और यों शाम का काम अन्त हुआ

दूसरे दिन ता. २१ मार्च शुक्र को बिहान को स्कूल मुलाहिजा हुआ - ~~दूसरी बेला आमफेला हुआ~~ कार्यकारियों को उपदेश की तैयारी दिई गई और दूसरी बेला आमफेला हुआ और कई उपदेशकों से हम लोगों के साथ वहां उपदेश हुए वहां Mr. S.J भी हाजिर थे उन्होंने भी उपदेश दिया। और गीत भजन गाये गये और आनन्दता के साथ आमफेला अन्त हुआ - उसी दिन नये M.E. स्कूल का ~~संस्कार~~ स्थापन हुआ प्रेसिडेन्ट साहेब के द्वारा हुआ

ता: २२ मार्च सनिवार बिहान को बहियों की जांच हुई और हम लोगों ने Mr. S.J के साथ गुमला जाने को कोन्डरा छोड़ा और प्राय: १० बजे पहुंचे।

पहुँचने के थोड़े समय के बाद हम लोगों ने गुमला इलाके की बारियों की जांच किई और बोर्डिंग के लड़कों से मुलाकात किई और प्रेसिडेन्ट साहेब उनको समझाया कि वे बोर्डिंग के नियमों को पालन करें और अपने बोर्डिंग के मालिकों को माने।
पीछे हम लोगों ने खाना खाया और Head Supervisor of Luthran Schools Mr. N. Sy को वहां छोड़ के हम लोग किनकेल इलाका जाने को रवाने हुए —।

C. <u>किनकेल इलाका:</u> — (ता: २२-२८ मार्च १९४१ तक)
हम लोग जब किनकेल पहुंचते पर थे, किनकेल से १ मील की दूरी पर रात्रि में आंधी ने हम लोगों को आ घेरा और बड़ी आंधी के कारण कुछ समय ठहरना पड़ा और जब आंधी के अन्त होने का सम्भाव न देखा तो हम लोग किनकेल चले और स्कूल लड़के लड़कियां और बहुत से चार बहिनों ने हम लोगों को आंधी ही बीच मुलाकात किई, जैसे हम लोग पहुंचे तैसे ही आंधी थम्भ गई और सब कोई अपने २ स्थान को गये। —— २७ ता: को लेकिन एतवार था — हमारे प्रेसिडेन्ट साहेब ने उपदेश दिया और पादरी सामुएल बाग इलाका चेयरमेन ने आराधना का भाग लिया।
<u>ता: २८ मार्च सोमार</u> को हम लोग चेयरमेन और पादरी सामुएल तिर्की और दो प्रचारिन वो कई बहिनों और २ प्रचारक और कई भाई लोगों के साथ <u>धंगरीनाचा</u> नामक एक मण्डली देखने गये जो किनकेल से ६ या ७ मील दूर है और पहाड़ के ऊपर कोरवा खृस्तानों की मण्डली है कोरवा लोग ४२ जन खीस्तान हैं जो १९३६ साल से हैं वहां एक सुन्दर गिर्जा घर Mr. Schiebe के जरिये बनवा दिया गया है और एक उरांव प्रचारक है। वे उरांव भाषा में गिर्जा आराधना करते हैं। वहां हम लोगों को उन्होंने बड़े आनन्द और आदर से ग्रहण किया — President साहेब ने और मैंने उपदेश दिया —— और सुन्दर २ भजन गाये गये — उन्होंने हमों को खाना भी दिया प्राय: दिन भर उनके संग थे, शाम को बिदा होके लौटे

कोरवा जाति की यह पहिली और छोटी मण्डली है
इस मण्डली से आगे पहाड़ के ऊपर भालूमांड़ा नाम
एक गांव है जहां के कोरवा लोग एक मास्टर चाहते हैं
वे कहते हैं कि यदि एक मास्टर आवेगा और लड़कों को
पढ़ावेगा तो हमलोग भी बच्चन धीरे२ सीखेंगे और
ख्रीष्टान होंगे — येह जाति जशपुर और सरगुजा
और गांगपुर के पच्छिम के भाग के पहाड़ों पर रहती है।
अच्छा होगा कि Autonomous church वहां मिशन
का काम दृढ़ता से करे।

ता: २५ मंगल को बिहान बेला कार्यकर्त्ताओं को उपदेश की
तैयारी President साहब से दिई गई — दूसरी बेला को
इलाका आम सभा हुई जिस में विशेष कर तबीज टांगते
दवा टांगते के बारे उपदेश दिया गया और ~~मतवाल~~
मतवालपन को रोकने के बारे व. मण्डली पैसा देने के बारे
समझौता दिई गई।

ता: २६ मार्च ~~को~~ बुध के दिन चाह पीके हमलोग कोनजोबा
मण्डली को देखते हुए जयपेली पेरिश गये — कोनजोबा
में मण्डली ने बड़े आनन्द से हमें ग्रहण किया क्योंकि कभी
भी कोई मिशनरी बस नहीं गया था — वहां उनको हम दोनों
ने उपदेश दिया — बहुत गीत भजन हुए — गिर्जे के
पीछे हमें खाना दिया गया — खाके हम लोग जयपेली
प्राय: ५ बजे पहुंचे — वहां भी खड़िया भाइयों ने बहुत
आनन्द से हमें ग्रहण किया — उनको उसी साम को
गिर्जाघर में उपदेश दोनों के द्वारा दिया गया — बहुत
आनन्द से गिर्जा आराधना खत्म हुआ — वहां
रात को हम लोग ठहरे और दूसरे दिन ता: २७
मार्च बिफे को चाह पीके किंकेल २½ बजे
बिहान पहुंचे — President साहब ने दूसरी बेला
वहां के M.E. School को देखा और compound
के घरों को देखा — उसी रोज सांझ को Lent
service भी हुआ और मैंने उपदेश दिया —

ता: २८ मार्च को हमलोगों ने बिहान की बहियों
को जांचा और खाना खाके खुरीटोली जाने को
निकले — D खुरीयटोली इलाका — रास्ते में रबते Sawai मण्डली ने
हमें को स्वागत दिया. और वहां दोनों ने उन्हें
गिर्जे घर में उपदेश दिया — भाईबहिन बहुत आनन्दित
हुए और वहां चाह पीके हम लोग सिमडेगा
जाने को चल निकले —

पृष्ठ ५

सिमडेगा में President साहेब ने एक बंगले में डेरा किया.
सिमडेगा में प्राय: ६ बजे भाई बहिनों ने हम लोगों
को ग्रहण किया — गिर्जाघर के आंगन में गिर्जा
हुआ President साहेब महोपवास काल का वचन लेकर
उपदेश दिया — जिसमें उन्होंने नीचे की चीज नहीं
लेने के ऊपर विशेष उपदेश दिया — जैसे उनने कृपा
मूर से मिला हुआ। दवा से
~~छिप कर~~ दिये जाने पर नहीं लिया — सिमडेगा में
मतवालपन ~~मतवाला~~ को बढ़ती भीतर से है।
ता: २८ मार्च शनिचर को बिहान बेला हम लोगों ने
लड़कियों के घरों को देखा — इसी बेला ४ बजे
खुटीटोली पहुंचे। वहां स्कूल लड़के लड़कियों ने
और भाई बहिनों ने आनन्दता के साथ हमें ग्रहण
किया — बंगले के सामने आंगन पर प्रार्थना हुई
और वे अपने स्थान को गये।
ता: ३० मार्च को प्रभु का एतवार था — सबेरे President
साहेब ने उपदेश दिया और पवित्र भोज भी
गिर्जे के आगार में हुआ — और मैंने पह भाग
लिया — यों उस एतवार का काम खतम हुआ.
ता: ३१ मार्च — सोमवार को पादरी दाऊद सोरेंग के साथ गर्जा और जमादार
मण्डलियों को देखने गये ये मण्डलियां जिन्होंने
पादरी दाऊद सोरेंग को कोई ग्रहण नहीं
किई थी — गर्जा मण्डली को उपदेश दिया गया
बहुत गदगद हुए — अन्त में मण्डली ने आपस
आप पादरी सोरेंग से मेल मिलाप ग्रहण किया
शाम को ५ बजे प्राय: जमादार पहुंचे, वहां भी
बहुत आदर के साथ स्वागत हुआ — उनको
उपदेश दिया गया — गदगद हुए — पीछे
जमादार के गड़बड़ की बैठकी हुई — बैठकी
सफलवन्त नहीं ठहरी — शाम को खाना
खाके प्राय: ८ बजे खुटीटोली लौटने को
निकले और प्राय: ९½ बजे वहां पहुंचे
ता: १ ली अप्रेल को — बिहान को स्कूल की
जांच हुई और कार्यकर्ताओं को उपदेश
की तैयारी President साहेब ने दिई गई

खूंटी केला जामेकेला हुआ

कई बिषय पर उपदेश हुआ और गीत भजन हुए और आनन्दता से धर्मविला [illegible] हुआ।

ता: २ अप्रैल को — हम लोग कुरकेला गये जिसको उन्हीं पौरिश का केन्द्र बनाते चाहते हैं। वहां पर भाई बहिनों ने बहुत आदर के साथ ग्रहण किया — देवी ने उनको एक सुन्दर बगीचे में उपदेश दिया। — भाई बहिनों ने आनन्दता के साथ गीत भजनों को गाया — भोजन हमें दिया गया जो पुराने प्रचारक कुरील बाबु से बन्दोबस्त किया गया था पीछे अन्त में सब भाई बहिनों को सन्डे स्कूल के बारे ~~[illegible]~~ उपदेश दिया गया — बिदा होके बगीचे से थोड़ा दूर गिर्जाटोला गये जहां भाई लोग एक गिर्जा घर पत्थल से बना रहे हैं। President साहेब ने उनको उत्साह दिया और अन्त में साढ़े ३ बजे वहां से खूंटीटोली जाने को चल निकले। President साहेब और मैं कितने भाइयों के साथ चार कोस का रास्ता चल कर बाबु पौलुस ... सुअवसर में शाम को खूंटीटोली पहुंचे। उसी सांझ को [illegible] एक [illegible] जमादार से एक चिट्ठी लाये जिसमें [illegible] और [illegible] मण्डली के पादरी दाऊद सोरेंग से मेल मिलाप की बात थी — आनन्दता के साथ उनकी चिट्ठी ग्रहण किई गई।

ता: ३ अप्रैल। बृहस्पति दिन को बिहान बहियों को जांचा — बहियां बहुत घटी हैं और दरकार है कि धीरे २ सब दरकारी बहियां रखी जावें।

खबर दिई गई थी कि टकरमा में खाना तैयार रहे सो हम लोग केवल चाह पीके टकरमा जाने को प्राय: ८ बजे चल निकले और टकरमा पहुंच के टकरमा इलाके की पंच के साथ कोन सोदे बिषयक गड़बड़ के बारे बात बिचार हुआ — कहा गया कि अभी कोई उपाय नहीं सूझ पड़ता है।

President साहेब प्राय: २ बजे रांची लौटने को टकमा से चल निकले क्योंकि ३ अप्रेल को रांची पहुंचना था।

ता: ४ अप्रेल मैं पादरी लुकस तोपनो, कमिशन मेम्बर और पादरी सुलेमान कुला, टकमा चेयरमेन के साथ कोनसोदे मण्डली प्राय: ६ बजे शाम को पहुंचा कोनसोदे मण्डली के गड़बड़ को मिटाने के लिये ता: ५ अप्रेल को १२ बजे से ७ बजे रात को एक सभा हुई — कोनसोदे मण्डली के बहुत भाई और बहिन उपस्थित आये और Takarma के इलाका पंच मेम्बरगण और पादरी कुला Ilaka chairman हाजिर थे — सभा के आगे C.C. की चिट्ठी पढ़ी गई जिसमें इलाका पंच को और मण्डली को २ सलाह दिये गये थे : १. कि कोनसोदे मण्डली को जो सज़ा दिई गई थी सो उठाई जावें और २. कि कोनसोदे मण्डली को १५०) रुपैया जो उनके पास है, गिर्जा घर बनाने के लिये छोड़ दिया जाय — और वे ५०) रुपैया, जो २००) रुपैया में से बाकी होता है, ही रुपैया माहवारी अनुपात में पाते जावें — और १ली मार्च १९४१ से नियमानुसार Centralize करें।

इसको सुनकर कोनसोदे मण्डली ने आनन्दता से ग्रहण किया — पर इलाका पंच ने ग्रहण करना न चाहा — पीछे उनको मैं ने समझाया कि chairman पादरी सुलेमान कुला और इलाका पंच की अति गलती है कि उन्हों ने मण्डली को जो २०० रुपैया के लिये ७-८-३८ को दरखास्त दिया था, जबाव नहीं दिया — x नियमावली १२ निर्णय ३ के अनुसार Takarma Ilaka ने Bylaw जो बनाया उसको मंजूरी C.C. से नहीं लिई, और पादरी कुला अपना duty यथाशक्ति नहीं किया — साल में १ बेर केवल प्रभुभोज दिया इति — अन्त में इलाका पंच ने भी C.C. के उपरोक्त सलाह को ~~मान~~ ग्रहण किया।

x. नकल दिखाया गया.

और Takarma Chairman Rev. Suleman कुल्लो ने Ilaka पंच के साथ मण्डली से माफ मांगा और मण्डली ने खुशी से माफ दिया और उसी तरह मण्डली ने भी माफ मांगा और Takarma इलाका पंच ने माफ दिया और दोनों में मेलमिलाप स्थापन हुआ – मेलमिलाप की प्रार्थना के बाद सभा उठ गई

६ ता: को पलमाहम एतवार था – मैं ने उपदेश दिया
पाप्ते & Kula
और ६ बालकों का बपतिस्मा हुआ – प्रभु भोज नहीं हुआ क्योंकि एक प्रधान इलाका मेम्बर सभा में ५ ता: को हाजिर नहीं था –– गिर्जा के पीछे उस मेम्बर के बारे जो ~~क~~ अनबन मण्डली के साथ था – बैठकी हुई और इस कारण कि वह मेम्बर (Babu Prabhudayal Surin, Chodorda) झूठ बोला, सो सभा ने उसको Takarma Ilaka Membership से छुट्टी दिई।

अन्त में सभा में यह कहा गया कि आगे को पादरी सुलेमान कुल्लो ~~[illegible]~~) कोनसोदे मण्डली में आके अपनी सेवकाई का काम करे – मण्डली, आमदनी को नियमानुसार centralize करे।

प्रार्थना के साथ सभा अन्त हुई।

मैं ने ता: ७ अप्रेल को कोनसोदे मण्डली के भाइयों के घरों को देखा – और ता: ८ अप्रेल मंगलवार को प्राय: ६ बजे शाम को रांची पहुंचा।

आप का विश्वासदास
Luther Dojowar
Church Supervisor
Ranchi.
10.4.41.

A. Gumla centre

1. Raghunathpur Parish (darkhast)

2. Tabitha school larki – Bakhudari kam accha tha

B. ~~Kondra~~ Ilaka

1. Ichkela school (ahadih)

2. School ki maramatti – school ghar men apna ghar bana state action leta hai.

C. Kinkel – Ilaka

1. School maramati

2. Korwa mission + Korwa shadi

3. Maghi John + Abraham master

4. Tabitha larki – Kunwari –

D. Khuntitoli Ilaka

1. Jamadohar men girja ghar ~~b~~ gachh darkar – mission jungle se mil sakta hai?

2. Pracharak Suleman Kulu

3. Kruskela – ko Parish banana. – Pakka girja ghar banaye jate hai.

~~B~~4. Boarding – men larka + larki ek na rahe

56

Lohardaga Ilaka (ता: १-४ मार्च १९५९)

President और church supervisor का tour.

सनिचर ता. १. हम लोग ~~३ बजे~~ दुसरी बेला ४ बजे मिशन मोटर से लोहरदगा जाने को निकले और प्राय: ~~[illegible]~~ ५½ बजे वहां पहुंचे। स्कूल लड़के लड़कियों और कुछ भाई बहिनों ने आदर के साथ हमें स्वागत किया. सनिचर का दिन होने से और स्वागत उपदेश नहीं हुआ— हमें थोड़ी देरी के बाद चाय ~~[illegible]~~ वहां की School mistress लोगों से दिया गया—।

ता: २ मार्च - इनवोकाविट एतवार था—
हमारे प्रेसिडेन्ट साहेब ने गिर्जा में उपदेश दिया। नया पादरी मोहन कुजूर ने आराधना लिया- गिर्जा के अन्त में पादरी मोहन कुजूर को Lohardaga Ilaka chairman ठहराके प्रेसिडेन्ट साहेब ने मण्डली को सौंप दिया—

ता: ३ मार्च सोमार को— बिहान बेला इलाका भर के कार्यकारी हाजिर आये— उसी दिन उनके पहुंचने के आगे President साहेब ने लड़की और लड़कों के स्कूलों का मुआइना किया- स्कूल अच्छे हैं। दुसरी बेला- कार्यकारियों को प्रेसिडेन्ट साहेब से १ उपदेश की तैयारी दिई गई।

ता: ४ मार्च मंगल को बिहान बेला कार्यकारियों को और एक उपदेश की तैयारी President साहेब से दिई गई। और ~~दुसरी बेला~~ बहियां जांच किए गए दुसरी बेला आम मेला हुआ- कई चुने हुए विषयों पर भिन्न २ उपदेशकों से उपदेश दिये गये — जैसे स्वावलम्बन की बढ़ती कैसे हो सकती है? ~~[illegible]~~ जंगली नाच ~~[illegible]~~ को रोकना इत्यादि। योग्य गीत भजन गाये गये और आनन्द के साथ मेला खतम हुआ—

उसी दिन शाम को हम लोग रांची लौट आये और आदिवासी महासभा होने वाली थी इस कारण (ता- ५-६ मार्च तक) हम लोगों का Tour बन्द रहा—।

Tour Report से

ध्यान देने की योग्य बातें

रोकद इलाका (ता: २६-२२ फरवरी १९४१)

१: रोकद का गिर्जाघर और missionary बंगला की मरामति के लिये बहुत जरूरी है - गिर्जाघर की सब दीवाल खराप है - नयेसिरे बनाना होगा छत तो अच्छा है - थोड़ी लकड़ी की बदली होगी assistant manager ने हिसाब दिखाया है कि प्राय: ८००) रुपैया दरकार होगा और मिशनरी बंगले के लिये १००) रुपैया -

सो कहां से रुपैया मिलेगा कि मरामत होवे।

२. रोकद इलाके में Centralisation नहीं होता है। मीटिंग में हम लोगों ने समझा दिया है कि वे यत्न करे कि सब मण्डली centralize करे।

लोहरदगा Ilaka. (१-४ मार्च १९४१)

1. Lohardaga में sunday school बहुत अच्छा से चलता है।

2. Larki school में Head mistress miss Ihlin Lakra बहुत यत्न से काम चलाती है और staff मेम्बरन में co-operation बहुत अच्छा है
Larka school में भी co-operation बहुत अच्छा है। दोनों स्कूल बहुत अच्छे हैं।

F 56

Tour Report से
ध्यान देने की योग्य बातें।

x——————————x

गुमला इलाका (ता २५-२६ मार्च तक १९४१)

१. जब हमलोग ता: १७ मार्च को पादरी मधन लकड़ा चेयरमैन और 2 सेमिनरिस्टों और कितने भाइयों के साथ राघुनाथपुर गये और दिन भर वहां थे, तो वहां के भाइयों ने एक दरखास्त प्रेसिडेन्ट साहेब के यहां पेश किया जिसमें यह मांग रही कि उनको एक पादरी दिया जाय कि जैसे पहिले - कितने पादरियों ने जैसे पादरी लूथर एक्का आदि से उनकी चरवाही राघुनाथपुर ही होती थी तैसे आगे को होवे - क्योंकि गुमला से यह काम सहज से नहीं किया जा सकता है जिससे आत्मिक जीवन में घटती होती जाती है। उन्होंने अपने पुन्चायतों को अन्दाजी हिसाब भी दिखाया कि हर महीना 80) रुपैया तक की आमदनी है। प्रेसिडेन्ट साहेब ने Ilaka chairman से भी पूछा कि दरखास्त मंजूर करते हैं कि नहीं, जवाब मिला कि पादरी का रहना तो जरूरी है पर केवल उसके पोषन के बारे मेरा सन्देह है। — कौन्सिल को इस दरखास्त पर ध्यान देना उचित मालूम पड़ता है।

२. वहां रघुनाथपुर में एक तबीथा स्कूल की लड़की प्रभुदास नामक काम करती है हम लोगों को आनन्द लगा कि वह अपना काम अच्छा से करती है।

Tour Report से

ध्यान देने की योग्य बातें

x———————————————x

कोण्डरा इलाका (ता: २०+२१ मार्च १९४१)

१. ता: २१ मार्च शुक्र को कोण्डरा स्कूल का मुलाहिजा हुआ — स्कूल घर जो पुराना है सो मरम्मति के योग्य है। भाइयों ने नया M.E स्कूल घर को यत्न से और सुन्दर बनाया है।

२. उसी दिन शुक्र को इचकेला स्कूल से बाबु ओबादियाह और उसके पार्टी के लोग बहुत आये हुए थे और Rev. Laurentius Lakra अपने मेंबर Mr. N. Soy. और हम दोनों के साथ इचकेला स्कूल के गड़बड़ के बारे बैठकी हुई Mr. Soy हेड सुपरवाइजर ने उनसे कई ~~बातों~~ सवालों को पूछा — और बहुत सोच बिचार हुए ओबादियाह बाबु की इच्छा है कि वह स्कूल स्टेट को दिया जाय — और C.C. की बात है कि वह चार्च का रहेगा और एक मास्टर का भी बन्दोबस्त कर दिया है। बातचीत से मालूम हुआ कि वह जगह जहां ओबादियाह बाबु ने अपना घर बनाया है जशपुर स्टेट से स्कूल के लिये दिई गई थी और सब तीन चार मण्डली के भाइयों ने अपने खर्च और मेहनत से ३२ हाथ का घर बनाया है जहां स्कूल होना चाहिये था — पर अब उससे बाहर दूसरी जगह में स्कूल होता है। जिसको स्टेट भी और कितने हमारे लोग और इलाका पंच नहीं चाहते हैं। स्टेट अपनी ओर से बाबु ओबादियाह के ऊपर कार्रवाई कर रही है। इस कारण अन्त में पर कहा गया कि अभी बात थोड़ा समय के लिये Pending रहे जब तक स्टेट की कार्रवाई है।

Tour Report से } ध्यान देने की योग्य बातें।

किनकेल इलाका (ता: २२-२८ मार्च १९४१)

१. ता: २७ मार्च बिफे को जयायेली से लौटने के बाद दूसरी बेले को प्रेसिडेन्ट साहेब ने किनकेल M.E. school का मुलाहिजा किया — वहां का स्कूल ठीक है। हेड मास्टर अपना काम बिश्वास्तता और यत्न से करता है। — स्कूल बंगले की हालत अच्छी नहीं है — कोई एक मुख्य कोनासी लकड़ी झुक गई है जिससे छत ऐसा हुआ है कि बर्षा में पानी चुवे — इसके अलावे कई जगह की मरम्मत दरकार है।

२. ता: २८ मार्च सोमार को चगरीबचा गये जहां

(a) कोरवा जाति की एक छोटी मण्डली है — ४२ प्राणी १९३६ में खीस्तान हैं — इस पहाड़ी जाति के बीच में धर्म प्रचार की बड़ी दरकारी है क्योंकि इस मण्डली से आगे भालूमाडा गांव में कितने कोरवा भाई लोग एक मास्टर चाहते हैं जो लड़कों को पढ़ावे — और धर्म की बात बड़ों को सिखावे — वहां से आगे ~~धर्म~~ बढ़कर समुचे उन लोगों के पास धर्म फैल जा सकता है जो जशपुर - सुरगुजा, गांगपुर स्वाड़िहर आदि स्टेट के पहाड़ों पर बसे हैं। अच्छा होगा कि autonomous church कोरवा मिशन उस जाति में स्थापन करने की चेष्टा करे।

(b) कोरवा शादी :— जो कोरवा लोग खीस्तान हुए हैं उनको एक कठिनता है कि वे अपने बेटों के लिये दुल्हिन नहीं पावे हैं अथवा अपनी बेटियों के लिये दुल्हे नहीं पाते हैं। क्या करना होगा ? क्या वे संसार कोरवा को अपनी बेटी दे सकते हैं वा संसार कोरवा घर से दुल्हिन ला सकते हैं ?

लगातार Tour Report से ध्यान देने की योग्य बातें
(किनकेल इलाका)

3. Maghi Johan और Abraham Master.

जब हम लोग गुमला में थे - तब Abraham मास्टर
से बात चीत हुई - उसने एक चिट्ठी दिई थी
जो 1940 के सेप्तेम्बर में लिखी गई थी और ~~के~~
चिट्ठी लिफाफे में 18 नोवेम्बर को पोस्ट ऑफिस का छाप
था - उसमें मघी योहन का दस्तखत और
लिखनेहार इलियस रोमनजन था जो किनकेल का
~~है~~ - मघी योहन जशपुर स्टेट का है। उस चिट्ठी
में यह लिखा गया था कि किनकेल का हेड मास्टर
कालेब मास्टर को जशपुर स्टेट के आगे दोषी
ठहराने के लिये Maghi John को एक बेर 5) रु०
और दूसरी बेर 11) रु० घूस दिया - कि वह स्टेट
में नालिश दायर करे - इस बात की पूरी
जांच ~~में~~ किनकेल में हुई और मघी योहन ने
अपने साथियों के साथ आके President साहेब
के आगे कहा कि अब्राहम मास्टर के घर में दारु
पीके मैं ने सही किया है - मैं नहीं जानता हूं कि
क्या लिखा गया था - मैं ने कोई घूस नहीं लिया
पाया है - ~~मैं ने ... ...~~ - हेड मास्टर से भी पूछा 2
गया - उसने कहा कि मैं ने कोई रुपैया घूस नहीं
दिया है - यदि मैं चाहता तो मैं ही सिमडेगा से में
नालिश कर सकता - सब बात चीत से मालूम
हुआ कि Abraham मास्टर झूठा है - वह और
समय भी ~~झूठ~~ कचहरी में झूठा ठहरा है।
Abraham मास्टर फिर के किनकेल M.E. School
में काम नहीं पा सकता है। वह अभी वह Gumla
U.P. स्कूल में काम करता है वह क्यों अपने परिवार
के साथ रहके काम कर सकता है। उसकी स्त्री अभी
किनकेल में गृहस्थी करती है।

4. ताबीथा स्कूल लड़की - कुंवारी -

यह वह लड़की है जिसको Miss Diller से
suspent हुई है। उसने झूठा रिपोर्ट दिया
था - उसके मां बाप की मर्जी है कि लड़की
को माफ मिले और किनकेल ही में काम मिले
मैं ने Rev. Samuel ~~...~~ तिर्की ~~के साथ~~
और एक उरांव जाति के साथ जांच किया कि क्या
बात ठीक है - जांच में मिला कि लड़की ने
काम तो किया पर जिस तारीख में रिपोर्ट देना
था उसमें नहीं दिया पर उस ता. में दिया जिसमें वह

Tour Report से ध्यान देने की योग्य बातें

लगातार
(किनकेल इलाका)

(4) वह घर में थी और बिमारियों की सेवा करती थी। मां बाप का कहना है कि वह जवान लड़की है और उसके जीमे दो छोटी लड़की हैं — बिना Guardian के दूसरी जगह भेजना जोखिमदय है।
5 (किनकेल इलाके में Centralisation नहीं चलता है।

III. खुटीटोली इलाका :— (ता: 28 मार्च से 3 अप्रेल 1958)

1. ता: 31 मार्च सोमा को पादरी दाऊद सोरेंग को लेके जमादोहर भाउली गये — वहां एक गिर्जा घर पत्थल से बनाया जा रहा है — गाइयों की अर्जी Resident साहेब से यह थी कि उनको घर गाढ़ने खुटीटोली मिशन जंगल से मुफ्त में दिये जावें — Resident साहेब ने उनको घर गाढ़ों को बकसीश देने की प्रतिज्ञा दिई है। दरकार है कि C.C. से उनकी मंजूरी हो जाय — ।

2. पुराना प्रचारक Suleman कुजुर जिसकी अगुवाई में यह गिर्जा घर बन रहा है यह चाहता है कि उसको ~~को~~ फिर से प्रचारक का काम मिले — दूसरी जगह उसकी बदली हुई थी वहां न जाने के कारण इलाके की ओर उसको छुट्टी मिली है। ~~उसके साथ~~ दाऊद सोरेंग पादरी के साथ उसका अनबन था — उसने खुटीटोली 1 अप्रेल को मेलमिलाप की चिट्ठी भेज के मेलमिलाप ग्रहण किया है

3. खुटीटोली Girls U.P. स्कूल बोर्डिंग हौस में लड़की और लड़के एक साथ रहते हैं — नये हेड मास्टर Babu Ignatius Lakra और पादरी D and Sorang चाहते हैं कि वे अलग किये जावें अर्थात लड़के उस बंगले के पीछे भाग की कोठरियों में जावें जहां पादरी D. Sorang रहते हैं और लड़कियां अपने ही बोर्डिंग हौस में रहें स्कूल तो एक साथ होवे — । लड़कों का Guardian Rev. D. Sorang रहें।

4. खुटीटोली इलाके के उत्तर पेरिश का केन्द्र कूथकेला होवे — इलाके इसी को चुनते हैं — हम लोगों ने जाके देखा — वहां भाई लोग पत्थल से गिर्जा घर बना रहे हैं — पेरिश का केन्द्र होने लायक जगह है।

1263-65/41/F- 56.   20th May 1

To,

The Rev. L. Jojowar,
Church Supervisor.

Dear Mr. Jojowar,

I got the following telegram from Mr. C. D. Sirka on 17.5.41 at 6 p. m. " Jojowar coming twenty first instant kindly come the a same day - Sirka ". I then consulted the President and decided to go to Jashpur on the 21st. I also sent a telegram on Monday the 19th morning informing Mr. Sirka about my going there on the 21st. In the afternoon of the same day I received a letter from Mr. Sirka informing me that Rev. Johan Toppo had applied for permission to visit the Congregation in the State. Because of this application I was asked to wait. I am also informed by Mr. Sirka that application for permission should be sent to the Superintendent 15 days before the date of visit.

This therefore now stops me from going to Jashpur. If the Superintendent will send me a reply to my letter which I sent to him, as I informed you, I shall see what to do. At present I can't Give him a definite date unless I hear it from you.

I should like to hear from you how the matter stands. One thing I can't understand : Why should Rev. J. Toppo's application for permission to visit Jaspur Lutheran Congregations interfere with your programme. I was asked by wire to go according to your programme and this my programme also was effected. I was to go with you not with Rev. J. Toppo. I should like to be clear on this point.

May God's blessings be with your work.
With hearty yisusahay,

Yours sincerely,

J. Tigga

Secretary
G. E. L. CHURCH.
CH. NAGPUR & ASSAM.

Copy to
Mr.C.D.Sirka,
Rev. J. Toppo.

1212/41/F. 56 15. 5. 1

Rev. L.Jojowar,
Church Supervisor.

Dear Mr. Jojowar,

I have received a long Memorandaum from the Congragation at Jashpur Nagar. The Memorandum and the covering letter urges upon you and me to go there immediately. I shoed the letter to the President and he advised me to write to you asking you the date which will suit you to go to Jashpur Nagar. We shall have to meet the also the authorities of the State. The President asked me to inform the Congregation people that we shall go to Nagar either in the end of May or in the 1st. week of June. Please now find a date either in the end of May or in the beginning of June to go to Nagar and at once let me know. I am sending you a copy of the letter I am sending to the Secretary of the Jashpur Nagar Congregation. I think you will have to join me at Gumla when we go.

With many hearty Yisusahay s,

Yours Sincerely,

J. O. Ekga

To The Secretary. C.C. File 56

B. **Touring Programme.**

I. Kurpani case :- 26th April (Sat.) --- 5th May 1941. (Mon.)

(a) Family affairs :- 26th -- 30th April 1941.

(b) Kurpani case :- 1st May Thursday - starting for Khutitoli.

2nd May Friday - arrival & meeting at Kurpani.

3rd May Sat. - meeting at Kurpani.

4th May Sunday - service & sanskar at Kurpani.

5th May Monday - visiting work.

6th May Tuesday - return to Khutitoli.

II. Chainpur case :- 7th May to 31st May 1941.

7th May, Wednesday	--	arrival at Gumla.
8th May, Thursday	--	,, ,, Raghunathpur.
9th May, Friday	--	,, ,, Hesag.
10th May, Saturday	--	,, ,, Chainpur.
11th May, Sunday	--	Service at Chainpur.
12th -- 31st May :-		Meeting & work with the Chainpur Ilaka Panchi according to the letter of Babu Daud Tirkey C.C. member.

III. Jharsuguda Commission :- 9th June - 16th June 1941.

Commission member. Rev J.J.P. Tiga. Secretary C.C.

L. Jojowar

Church Supervisor.

22.4.4.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 388/41/F- 56. Dated, the 12th February, 1941.

The undermentioned document is forwarded to the Headmaster Gossner High School, Ranchi for information and guidance.

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the Minutes of the Full C. C. Meeting held on the 31st January, 1941.

Item No. 34.

" Church Supervisor's quarters at Ranchi :- Kaha gaya ki sab batchit tay ho gayi hai kewal Mr. P.S.Vengra ke liye jo ghar diya jata hai us ka extension nahin huwa hai.

Phaisla huwa ki Mr. A.L.Tirkey Headmaster se arji kii jay ki extension ka kam jald karen."

Tour Programme 1940.

16th Nov. Starting for Khutitoli

17th Nov.–8th Dec. at Khutitoli

9th – 31st Dec. at Tata. Kitadih.

L. Jojowar

15.11.40.

56

4

To the Secretary, C.C. Ranchi.

दामीखेत की जांच। (ता: १०-१२ नोवेम्बर, १९४०)

बाबू दानिएल तोपोनो तहसीलदार ने प्रेसिडेन्ट साहेब से ता: ६ नोवेम्बर को अरजी पेश कर अनुमति पाई कि मैं उसको दामी खेत के गड़बड़ को सफाई करने में मदद पाऊं, सो मैं तहसीलदार के साथ ९ ता: शाम को दामी पहुंचा और ता: १० को एतवार गिर्जा दो जगह अर्थात दामी और नयलगड़ा में किया—। १२ ता: को काम नहीं होने सका क्योंकि लोग रैमरा बजार चले गये। ता: १२ को पहिली बेला गांव पंच बैठी और विचार हुआ— परचा और नकशा देखा गया और फैसला हुआ कि नं० १४५ के दो कियारि और १४४० के का एक कियारि जो बहुत बर्षों से दखल में नहीं था सो मिशन खेत या जयदाद ~~[illegible]~~ है और सन १९४१ ई० से मिशन के जोत में रहेगा। जो अबतक जोतते थे उन्होंने इकरारनामा लिख दिया है कि वे आगे को नहीं जोतेंगे और इस साल १९४० की पैदवारि का आधा हिस्सा मिशन को देंगे। प्रायः ८-१० मन धान होगा। आशा है कि ये तीन कियारि जो अबल खेत है भविष्यत में चार्च का जयदाद ठहरेंगी।

(तहसीलदार ने भी इसके बारे रिपोर्ट C.C. को दिया है।)

Luther Jojowar,
Church Supervisor.
Ranchi.
15.11.40.

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919
Registered under Societies Registration Act XXI of 1860 on July 30, 1921.

Officers and members of the Executive,

1. *President* : Rev. J. Stosch,
2. *Treasurer* : Mr. N. Soy,
3. *Secretary* : Rev. J. J. P. Tiga,
4. Mr. Th. Surin,
5. Mr. A. L. Tirkey,

Other members of the Church Council.

6. Rev. S. Bage,
7. Mr. C. D. Ekka,
8. Rev. L. Jojowar,
9. Rev. S. Kula,
10. ,, W. Radsick,
11. Mr. P. Soy,
12. ,, D. Tirkey,

G. E. L. COMPOUND,
RANCHI, (BIHAR) INDIA.

No. 51/41/F- 56.

Dated the 9th Jan. 1941.

To,

The Rev. L. Jojowar,
G. E. L. Church, Kitadih.
P. O. Tatanagar, B. N. Ry.

Dear Rev. Jojowar,

The enclosed papers are forwarded to you for your opinion which you will please send as early as possible. The matter will be placed before the Full Council.

With best wishes for the New Year.

Yours sincerely,

J J Tiga

The Gossner Evangelical Lutheran Church
in Chotanagpur & Assam.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919
Registered under Societies Registration Act XXI of
1860 on July 30, 1921.

Officers and members of the Executive,

1. *President* : Rev. J. Stosch,
2. *Treasurer* : Mr. N. Soy,
3. *Secretary* : Rev. J. J. P. Tiga,
4. Mr. Th. Surin,
5. Mr. A. L. Tirkey,

Other members of the Church Council.

6. Rev. S. Bage,
7. Mr. C. D. Ekka,
8. Rev. L. Jojowar,
9. Rev. S. Kula,
10. ,, W. Radsick,
11. Mr. P. Soy,
12. ,, D. Tirkey,

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (BIHAR) INDIA.

No. 2238/40/F- 56.

Dated the 12th Dec. 1940.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. L. Jojowar, Church Supervisor for information and guidance.

J. J. Tiga
Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the Minutes of the C. C. Executive Committee held on the 9th December, 1940.

Item No. IV (4)

" Business arising out of Minutes :-

(1) ----- ---- ---- ----
----- ---- ---- ----

(4) Konsode Commission :-

Phaisla huwa ki Manywar President aur Church-Supervisor Mr. Jojowar Konsode jawen aur wahan ki baton ko tay karen."

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919
Registered under Societies Registration Act XXI of 1860 on July 30, 1921.

Officers and members of the Executive,

1. *President*: Rev. J. Stosch,
2. *Treasurer*: Mr. N. Soy,
3. *Secretary*: Rev. J. J. P. Tiga,
4. Mr. Th. Surin,
5. Mr. A. L. Tirkey,

Other members of the Church Council.

6. Rev. S. Bage,
7. Mr. C. D. Ekka,
8. Rev. L. Jojowar,
9. Rev. S. Kula,
10. ,, W. Radsick,
11. Mr. P. Soy,
12. ,, D. Tirkey,

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (BIHAR) INDIA.

No. 2066/40 /F 56. Dated the 22. 11. 1940.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. L.Jojowar , Church Supervisor and the Treasurer, G.E.L. Church for information and guidance.

J. J. Tiga
Secretary.

Extract from the Minutes of the Meeting of the Executive of the Church Council held on the 20th November, 1940 in the President's bungalow.

" Item 17. Church Supervisor's Headquarters.- The Treasuérer of the Church wants to know in connection with the T.A.Bills of the Church Supervisor which is his headquartes.

<u>Resolved</u> that until the end of December, 1940 Ranchi be considered to be the headquarters of the Church Supervisor.Meanwhile attempts be made to give him quarters at Ranchi so that he could come to Ranchi with his family from January ,1941. "

....

Encl : The Church Supervisor's Bill dated,Ranchi,the 15th. Novemebr, 1940 for Rs. 9/-/6 only.

Copy to :-
Rev. L. Jojowar

Contribution from the Ilakas
for the Reserve Fund,

Names of Ilakas	Amount.	Date of Receipt.	Date of Deposition.
Burju.	------	---------	--------
Chainpur.	------	---------	---------
Chaibassa.	--------	---------	--------
Gumla.	--------	---------	--------
Govindpur.	--------	---------	--------
Jamshedpur.	--------	---------	--------
Jarakudar.	--------	---------	--------
Jashpur Nichghat	--------	---------	--------
Jashpur Upperghat	--------	---------	--------
Kondra.	--------	---------	--------
Kinkel.	Rs. 10 - 0 - 0	16.12.40	28.3.40. in C.N.Bank,Ranchi.
Khutitoli.	--------	---------	--------
Koronjo.	Rs. 10 - 0 - 0	17.5.40.	3.6.40. in C.N.Bank,Ranchi.
Karimatti.	--------	---------	--------
Lohardaga	--------	---------	--------
Purulia.	--------	---------	--------
Ranchi (Self-Support Fund.)	Rs. 246-12-3	26.3.40.	26.3.40.
Interst	Rs. 136- 0-0	,,	,, in C.C.C.C.Bank.
Rajgangpur.	Rs. 9 - 8-0	10-7-40-	12-7-40 in C.N.Bank.
Singhani.	Rs. 2 - 0-0	9.1.40.	28-3-40. in C.N.Bank.
	Rs. 1 - 3-3	17-5-40	3.6.40 in C.N.Bank.
Takarma	Rs. 28 -0-0	26.2.40.	28.3.40. in C.N.Bank.
	Rs. 25 -0-0	10.7.40.	12.7.40. in C.N.Bank.
Tamar	Rs. 8 -10-6	26.3.40.	28.3.40 in C.N.Bank.
Previous Collection from Mr. Panna	Rs. 765-13-0	26.3.40.	26.3.40. in C.N.Bank.
Interest	Rs. 7-14-9		
Total	Rs. 1250-13-9		

Jos. Lyga 7/10

Office Copy

True Copy.

To,

The Secretary,
C. C. Ranchi.

Kripa karke C. C. ke phaisla anusar nimn sajjanon ko chitti likh dijiye :-

1. Rev. Maghan Lakra :-

Chainpur Commission meeting 23rd aur 24th October, 1940 ko hogi.

Rev. L. Jojowar 19th ya 20th October ko Gumla pahunchega. 21st se Chainpur rawana hoga.

2. Rev. J. Toppo Chainpur Ilaka Chairman wa Secretary ko

Ki wah 23rd aur 24th October meeting ke liye Kemte Manmasih aur Kemte Mandli ke Panch aur us aurat ko aur Chainpur Ilaka Panch ko bulawe.

3. Rev. Barnabas Hemrom ko :-

Ki wah 30th aur 31st October ko Chiddi ke case ko saphai karne ko 29th October tak hajir awe.

4. Govindpur Ilaka Chairman :-

Apne chune huwe Panchon ke sath wahan Chiddi men 29th October ko hajir awe aur donon party ko hal dewe ki we 30th aur 31st ko meeting men hajir awen.

Ap ka agyadhin,

Sd/- L. Jojowar.
8.10.40.

Memo No.

Dated Ranchi, the 8th October, 1940.

Copy forwarded to (1) Rev. K. M. Lakra (2) Rev J. Toppo. (3) Rev L. Topno (4) Rev B. Hemrom for information, guidance and compliance.

Rev. K. M. Lakra,
Yourself + Rev. L. Jojowar are members of the Chainpur Commission.
Chainpur Ilaka Secretary,
As Rev John Toppo is sick here, the Ilaka Secretary is requested to take necessary actions.

[signature]
Secretary,
G. E. L. Church.

To The Secretary C.C. Ranchi.

Kripa karke C.C.K. phaisa anusar nimn sajjanon ko chitthi likh dijiye: —

1. Rev. Maghan Lakra — chainpur commission meeting 23rd + 24th Oct hogi. Rev. L. Tajiram ~~29th~~ 19th or 20th Oct ko Gumla ja pahunchega 21st se chainpur rawana hoga

2. Rev. J. Toppo ~~Ila~~ Chainpur Ilaka chairman wa Secy ko ki wah 23rd + 24th Oct meeting ke liye Kamti Mauniasih aur Kamti Mandli ke Panch aur us aurat ko + chainpur Ilaka Panch ko bulawe.

3. Rev. Barnabas Henson ko ki wah 30th + 31st Oct ko Chiddi ~~awe~~ ke case ko ~~phai~~ saphai karne ko 29th Oct tak hajir awe

4. Govindpur Ilaka chairman apne chune hue Panchon ke sath wahan Chiddi men 29th Oct ko hajir awe aur donon party ko hal dewe ki we 30th + 31st ko meeting men hajir awen.

Apka agyadhin
L. Tajiram
8.10.40.

Copy forwarded to

for

information guidance

and compliance.

Secretary

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845—Autonomous 1919]

Officers and members of the Executive,

1. *President :* Rev. J. Stosch,
2. *Actg. Treasurer :* Mr. N. Soy,
3. *Secretary :* ~~XxXxXxXxXx~~
4. Rev. J. J. P. Tiga, Offg. Secy.
5. Mr. A. L. Tirkey,

Other members of the Church Council.

6. Rev. W. Radsick,
7. ,, L. Jojowar.
8. ,, S. Kula,
9. ,, S. Bage,
10. Mr. Th. Surin,
11. ,, C. D. Ekka,
12. ,, P. Soy.
13. ,, D. Tirkey,

Incorporated under ~~xxxxxxxxx~~ Societies Registration Act of 1860 on July 30, 1921.

G. E. L. COMPOUND,
RANCHI. (BIHAR) INDIA.

No. 1691/40/F- 56.

Dated the 27th Sept. 1940.

To,

The Rev. L. Jojowar,
Church Supervisor.
Ranchi.

Manyawar Mahashay,

Mahasabha ke faisla anusar ap, Rev. M. Manki aur Rev. Dh. Guria Raibera Mandli men mel milap karane ke liye Commission thahraye gaye. Kripa kar report dijiye ki Commission ne kya kiya ki C. C. Agenda men rakha ja sake.

Ap ka bishwast,

B. B. [signature] 27/9

for Secretary,
G. E. L. CHURCH
CH. NAGPUR & ASSAM
RANCHI, BIHAR, INDIA.

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845—Autonomous 1919]

Officers and members of the Executive,

1. *President :* Rev. J. Stosch,
2. *Actg. Treasurer :* Mr. N. Soy,
3. *Secretary :* MXXXXXXXXX
4. Rev. J. J. P. Tiga, Offg. Secy.
5. Mr. A. L. Tirkey,

Other members of the Church Council.

6. Rev. W. Radsick,
7. ,, L. Jojowar,
8. ,, S. Kula,
9. ,, S. Bage,
10. Mr. Th. Surin,
11. ,, C. D. Ekka,
12. ,, P. Soy,
13. ,, D. Tirkey,

Incorporated under XXXXXXX Societies Registration Act of 1860 on July 30, 1921.

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (BIHAR) INDIA.

No. 1524/40/F.56 Dated the 29.viii.1940

Rev. L. Jojowar,

Church Supervisor,

Lutheran Church.

Manyawar Rev. Jojowar ko Yisusahay.

C.C. Executive ke faisla anusar ap ke pas main Padri Dharmdas Kujur ke darkhast ko sath Padri Daud Soreng ke jabab ko jo usko mila bhej deta hun. Sayad ap tahsidar ki bat ko jante honge. Tahsildar ki ray main ne likhit le liya aur Padri ke darkhast hi men hai.

Jo faisla ap karenge wahi antim faisla mana jayga, Faisla karke Rev. Dh. Kujur ko suna bhi dijiye.

J J Tiga

Ap ka Bishwast,

P.S. Ap ke nam men Jamshedpur, Sonary se Rs.5/- abhi main ne money order grahan kiya. Main Coupon ko bhi sath men bhej deta hun. Yadi ap chahte hain to main M.O. kar deunga ap ke pas. Yadi ap chahte hain ki main usko ap ke yahan ane tak rakhe rahun to main wahi kam karunga.

J J Tiga 29/8

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845—Autonomous 1919]

Officers and members of the Executive,

1. *President :* Rev. J. Stosch,
2. *Actg. Treasurer* : Mr. N. Soy,
3. *Secretary* : ~~Mr. E. N. Topono~~ Offg. Secretary
4. Rev. J. J. P. Tiga,
5. Mr. A. L. Tirkey,

Other members of the Church Council.

6. Rev. W. Radsick,
7. ,, L. Jojowar.
8. ,, S. Kula,
9. ,, S. Bage,
10. Mr. Th. Surin,
11. ,, C. D. Ekka,
12. ,, P. Soy,
13. ,, D. Tirkey,

Incorporated under ~~Section 21~~ of Societies Registration Act of 1860 on July 30, 1921.

G. E. L. COMPOUND,
RANCHI. (BIHAR) INDIA,

No. 1508/40/F. 56. Dated the 29. VIII.1940.

Rev. L. Jojowar,

Church Supervisor.

Manyawar Supervisor Saheb ko Yisusahay.

Main ashra karta hun ki ap logon ka Class khub achha se chal raha hai. Ishwar Class men baithne walon ko ashis dewe.

Main ne Rev. Samuel Tirkey ke pas likha tha ki wah Katangjor (Udaipur State) ke Pracharak ko ap ke usi Class men parhne ke liye bheje. Main khusi hunga yadi wah aya hai.

Ap se main arji karta hun ki Full Council ke lie tarikh ki sifarish kijiye. Anewale Budh ta. 4.9.40 ko C.C. Executive baithegi aur Full Council ke lie tarikh thahrawegi kyonki October mahine men jarur hi C.C. ki full Baithki hogi.

Ap ka Bishwasi,

J. J. Tiga

2|56

Forwarded to the Secretary, C.C.
L. Jojowar
2.7.40.

From the Kahupani Parish Chairman.

Mahamanyawar Luth. Church-Superviser Chhotanagpur & Assam.

ap ko Yishusahay.

Main khala changa hun. ap ko Harksh ki bat janata hun in may mahine ke bhitar 6.7. Tarikh men un bhai bahinen jo Kesra men hain jinki man phirao ki parishram & asha men ham sab lage hue the we ab hamari aur Ishwar ki ichha ko puri kie hain unhon ne apne Parha ke samad Raja Duga Patras, Mahabuang Manki Lall Dand Konsode aur sath men dusre dusre Parha ke aye. jismen mujh ko bhi samil kie is matlab se ki jab wah Parha se paripak hoga to dastur anusar uske hath se bhat parosna hoga is liye achha hoga ki wah pahile Mandli grahan le lewe, Kam thik Kram se hua main dekha bichar Neyaiyukt tha sabha ki anumatti se samuel samad ko usi bhitar men Mandli grahan mila main ne to chaha ki kisi girje par parantu sabhon ki salah yahi hua. Kutumb saja samuel samad ko 25/- aur Dal chawal ek Khasi. aur use jo mile the unko alag saja arthat ek Banda ek Bhera Dal chawal aur jitne jo dusre 2 ganw ke the unko hukum hua apna apna hi ganw men paripak lewe jaisa Panjus Kongari Takba, Jakaria samad Dayadham Candulna Kahupani adi. is bhitar men mujhe aisa suaosar mila ki sabha ke chale janepar unhon ne sawal uthaya ki babu thahar jaiye is matlab se ki yahan ko balakon ko Bapt de rakhiye main unko yah salah diya ki adhik achha hoga ki tum log ab ki 9.6.40 ko Rajabassa, Biryam men snan & bhoj ka Tarikh thahraya jitne balak snan aur tumhon ne bahut din se Pavitar & bhoj ke bhagi nahin hue ho sab ke sab Kesra, Rajabassa, Biryam ke ek samil girja hoga is Newte ko we anand se mane aur aye bhi, main bare anand ke sath Ishwarie Sewaradhana kii aur usmen ek karan bhi tha jisko hamare Manyawar Luth. Church ke President ne ek Dan swarup Bedi Kapra diye hain sathe sath Kam men laya jise mujhe aur dusron ke liye bhi ek Nai Sristi ke aisa malum parta tha. Kitnon ko ke birodh. aur us din sacrament samlbhagi 110 aur balak snan 6 jan the,

in men ek bat baki rah jati hai arthat Biryam ke jitne abhi tak alag men girja karte hain aur unke bich men S.P.G. Pracharak bheja gaya. Ismen mul samuel Jojowar Thaharta hai. uski Patni ki bat hai jan se mara jaungi tau bhi S.P.G. nahin jaungi aur wah bahin ab tak hamare girje men ate hi hain.

Prem se
Ap ka Kripabhilashi.
Rev. Jakub Bage

Kahupani
12.6.40.

To The Secy. C.C. / Ranchi. /

22

C.C. के बिचार के लिये, June + July 1940 के रिपोर्ट से।

१. मुझे मालूम हुआ कि Tokad नया इलाके के लिये एक योग्य Ilaka chairman का होना उचित है क्योंकि Rev. Nathaniel Mundu कमजोर हैं। भाइयों की यह एक बिशेष इच्छा और अरजी है। भाइयोंने मुझ से अपनी बातचीत में यह बिचार प्रगट किया है कि Ilaka Chairman होने के लिये चुदाग का पाद्री धर्मदास गुड़िया टोकद बदली किया जाता तो अच्छा होता- यदि हो सके।

२. Kakupani Parish Chairman Rev. Yakub Bage के रिपोर्ट से (12.6.40) मालूम हुआ कि बिड़ियम में एक S.P.G. प्रचारक भेजा गया है जो उनके लिये आता जाता और गिर्जा करता है जो अब तक हमारी मण्डली में नहीं लौटे हैं। प्राय: १४ घर होंगे जैसा पहिले के रिपोर्ट में दिया गया है। मेरा बिचार है कि Anglican Bishop को लिखा जाय कि वह प्रचारक वहां जाने से मना किया जाय- जिस्तें वे आगे को S.P.G. तरफ जाने से मन फिरावें- क्योंकि उनके बीच में एक बहिन है जो कहती है कि ~~हमें मर जाय तौ तो मर जाय पर~~ मैं मर जाऊं तो मर जाऊं पर S.P.G तरफ न जाऊंगी।।

Luther Jojowar
Church Supervisor.
Ranchi.
3.7.40.

23, 24 and 25

जी. ई. एल. चार्च कौन्सिल के निकट Raibera Commission का Report.

<२० जून से १ली जुलाई १९८०>

यात्रा:— २० जून — रांची से टोकद (लोरी से)
२१ " — टोकद से तुं:जुर (पैदल)
२२ " — तुं:जुर से कोडोकेल "
२३ " — कोडोकेल से राईबेडा "
२४ " — राईबेडा में मीटिंग —
२५ " — राईबेडा से बन्दु (पैदल)
२६ " — बन्दु में ठहरना
२७ " — बन्दु से तुं:जुर "
२८ " — तुं:जुर में ठहरना
२९ " — तुं:जुर से टोकद "
३० " — एतवार गिर्जा और मीटिंग
के पीछे टोकद से इन्दीपिडी पैदल
१ जुलाई — इन्दीपिडी से रांची .... (लोरी से)

मैं ने १८ वीं जून को कमिशन मेम्बरों को अर्थात पादी मनसुख मनकी (तुं:जुर पेरिश) और पादी धर्मदास गुडिया (चुरदाग पेरिश) को राईबेडा में २२ जून को शाम तक उपस्थित आने को नोटिश दिई। — मैं रांची से २० वीं जून को चल निकला और २३ वीं जून को मनसुख मनकी और तुं:जुर के मुन्डा को तुं:जुर से लेके राईबेडा गांव पहुंचा पादी धर्मदास गुडिया भी अपने साथ एक मुख्य भाई को लेके उसी रोज पहुंचा — । वह दिन एतवार का दिन था — राईबेडा की मण्डली दो भागों में गिर्जा करती थी — पहिला दल ८ घरों का था जो सिंहभूम जिले के भीतर रहती है और तुं:जुर पेरिश में नहीं पर रांची जिले के चुरदाग पेरिश में रहने चाहती थी — और दूसरा दल २५ घरों का था जो रांची जिले के भीतर है और तुं:जुर पेरिश को नहीं छोडने चाहता था — ।
पहिला दल उस दिन ९-१० बजे बिहान गिर्जा कर चुका था — (हम लोग प्राय: १० बजे राईबेडा पहुंचे) दूसरा दल के साथ हम लोगों ने १२॥ बजे से गिर्जा किया — पादी मनसुख मनकी ने उपदेश दिया —

गिर्जा के पीछे हमने भाई बहिनों को बताया कि काल २४वीं जून को १२ बजे से मीटिंग होगी — और पहिले दल को नोटिश दिई।

२४वीं जून को ७ बजे बिहान पहिले दल ने एक कागज हमारे पास पेश किया जिसमें 7 अनबन के कारण लिखे हुए थे —। १२ बजे को सब कोई गिर्जाघर में जमा हुए और मैं ने (Convener होके) मत्ती १८, २१-३५ पद — "एक दूसरे को क्षमा करने के दृष्टान्त" पर उपदेश दिया — उस के पीछे पादरी धर्मदास गुडिया मीटिंग में सेक्रेटरी ठहराये गये और मीटिंग आरम्भ हुई — पेश किये हुए 7 कारणों पर विशेष ध्यान दिया गया — और बहुत समझौता और प्रेम के साथ पन्चैट चली और अन्त में बडे शान्त भाव से यह फल निकला कि दोनों दलों के भाइयें में मेलमिलाप हो गया — (नोट :- मेल चाहने वाले ४६ और नहीं चाहने वाले २ जन थे — हाजरी ५४ थी जिन में ३ भिजिटर थे)। — मेल की प्राथना किई गई और दो दल के भाइयों ने हाथ मिला के यीशुसहाय किया — इस रीति से अन्त कर हम लोग ५॥ बजे शाम को उन भाइयों से बिदा हुए —॥

इस मेल के कारण बहुत लोग आनन्दित हुए C.C. के लिये भी आनन्द की बात है ~~और~~ ईश्वर को धन्यबाद हो कि उसने इस झगडे को मिटा दिया है जो १९३४ साल से चला आया था —

लौटते समय मैं ने बन्दु मगडली को और वहां के स्कूल को देखा — वहां एक दिन ठहरा — बहुत बर्षा थी — २८वीं जून को तुःजुर पेरिश के पादरी मनसुख मन्की के काम और उस की बहियों को देखा — और मगडली जयदाद को भी देखा — मालूम हुआ कि वहां का पादरी अपना काम यत्न से करता है।

ता: ३०जून को एतवार दिन येकद में गिर्जा किया.

गिर्जा के पीछे भाई बहिनों के साथ मराउली सम्बन्धी
24 बात बिचार किया— बिशेष करके गिर्जा घर और
मिश्नरी बंगले की मरम्मति के बारे उनको समझाया
कि वे कौंसिल पर भरोसा न रखें पर अपने खर्च और
काम से करें।— गिर्जा घर चुआ है—उत्तर तरफ का
दीवाल गिरने पर है (झूक गया है) मिश्नरी बंगला
भी चूता है और कई जगह दीवाल धसने पर है।
मिशन जंगल के शाल गाछ कितने ऐसे हैं जो आगे
बढ़ने के योग्य नहीं—पर मरने पर हैं, ऐसे गाछ बिक्री
25 के योग्य हैं—पर वहां का बिक्री दर बहुत सस्ता है।
मीटिंग के पीछे ५ बजे शाम को मैं पादरी मनसिंह
पुर्ती इन्दीपिडी के यहां जाने को निकला— ७ बजे शाम
को पहुंचा— रातभर ठहरा— बिमारी की बिशेष
प्रार्थना किई गई। आजकल कुछ २ चल फिर सकते
हैं। काम के लिये तो योग्य नहीं हैं। मेरा बिचार था
कि मुलाकात के द्वारा उनको शांति मिले।
मैं दूसरे दिन १ली जुलाई को उनसे बिदा होके
लोरी से तीन बजे शाम को रांची कुशल से पहुंचा—॥

आप का आज्ञाधीन दास
Luther Jojowar,
Church Supervisor.
Ranchi.
2.7.40.

28

To,

The Secretary,

G.E.L. Church in Ch. N. + Assam,

Ranchi

The 6th July 1940

Dear Sir,

This is to inform you that Babu Wilfred Tirkey, Head clerk of the C.C.C.C. Bank is prepared to give his free hours in the mornings and evenings to audit the Council accounts. I have told him to fix his time in consultation with the Treasurer, Mr N. Roy.

Regarding the remuneration, he told me that he is prepared to accept any offer from the C.C. Please send an official order to audit the accounts giving him the period of which he has to audit.

Yours Sincerely,

J. O. Tiga

56

अरसुगदा
ता: 23/6/40

महा-मान्यवर-पाद्री-एल-जोजोवार-जी-ई-एल-याके-सुपरवेजर-को-
मेरी-ओर-से-यीशु सहाय।

महाशय।

I चिठ्ठी लिखने-की सूरत-यही है कि-जून-महिना-के-पेरिश-और
याके सुपरवेजर-के-सम्मिलित-बैठकी, अरसुगदा-में-मैं-अपने-कठिन-
बिमारी-के-कारण-हाजिर-होने-नहीं-सका-। और-आदमी-के-द्वारी-से-
हिसाब-तथा-कोई-चिठ्ठी-भी-नहीं देने-सका-। कृपाकर माफ-कीजिये।।

II पाद्रीसाहेब-के-पास-जो-चिठ्ठी-मैंने-लिखा-है, उसके कारण-आप-बहुत-
गोस्सा है। माफ-कीजिये-कि-मैंने-जो-लिखा-है, आप-दोनों-को-माता-
पिता-समझ-कर-घरोंजी-चिठ्ठी-लिखा है, मैं खुले दिल से जनाता हूं कि-
आप-सभों-से लेने के-मतलब-से-नहीं पर अनाने-चाहा। और-मैं
आनन्द-के-कारन-से लिखा है, क्योंकि-शान्ति का बिमारी घट गया है,
जो भी हुआ है पर-जो कुछ-उस-चिठ्ठी-के द्वारा-आप-को-दुःख-हुआ है,
माफ-मांगता-हूं-कृपाकर-माफ-कीजिये। क्योंकि-मेरे-मन में भी बहुत-
बेचैन-आ-गया है, मैं इसी चिठ्ठी द्वारा हार्दिक दिल से क्षमा मांगता हूं
क्षमा करिये-मैं इसका उत्तर-देखता-रहूंगा। और-यह-भी कि चिठ्ठी-का
पूरा-कैफियत-मुलाकात-हो रहते तो-मैं-कह-सुनाता-और-उसी चिठ्ठी-

POST CARD

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE 9 PS NINE PIES 9 PS

RANCHI 24 JUN 48 5 PM

JHARS... 21 38

Rev.
Church Supervisor
G.E.L. Church +
P.O. Ranchi
Church Road.
B.N.Ry.

કે. શ્રી આપ-ગોશા-મત-માનિયે આજ કલ-
વહીં ચિઠ્ઠી-મેં સંગ્રા-ઔર-દુરજી તથા-રોમન-કો લિરાય-
આપ-સભોં-કો-બતાયા-હૂં॥ આગે શુભ-
હમ સબ-લોગ વચે-આગ કાલે આરહે હૈં આગ
પ્રભુ કી કૃપા સે-આપ સભોં કા ભી વહીં ચાહતા હૂં।
શાન્તિ કા ખબર-મુઝે બતાઇયે। મૈં બહુત અફસોસ-
કિયા-ભાઇ-આપ-મુલાકાત-ન-હોને-સકા॥
આઇંદે આપ-માલિક હૈ
આપ કા આજ્ઞાકારી -P. [illegible]
Cat: Chist of Kutripali.

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (Bihar) India.

Secretary: ~~F. N. TOPNO Esqr.~~ No1439/40/F- 56. Dated the 16th Aug. 1940.

Offg. Secy: Rev. J.J.P.Tiga, B.D.

To,

The Rev. L. Jojowar,
Church Supervisor,
Khutitoli, Simdega.

Manywar Church Supervisor ko yishusahay.

Ap ki P. C. mili jis ko pakar mujhe darkar malum huwa ki hamare mrit manyawar Secretary ke mrityu ka samachar sab Council memberon ko bhej dun. So main ne aisa hi kiya.

Jambahal-Jamburla ke bishay ab kagjad main ap ke pas bhej de raha hun. Kripaya apni ray dijiye.

Age shubh,

Ap ka bishwast,

J. J. P. Tiga

Offg. Secretary.

To The Church Council, Ranchi. 56

रिपोर्ट ।

१६वीं अप्रेल १९४० — १०वीं माई १९४० तक ।

बूर्जू इलाके में ~~[illegible]~~ सफर ।

file NT. 20/6/40

ता १६: मैं मुर्हू लोरी से बुरजू सांझ को ६ बजे पहुंचा लोरी स्टेशन पर कोई भरिया हाजिर न रहने के कारण मैंने अपना सामान S.P.G. mission Murhu में छोड़ रखा और दूसरे ता: १७ — १९ तक Burju Ilaka meeting हुई – मैं ने समुचे उपस्थित भाइयों और स्कूल लड़के लड़कियों को और पेरिश के भाई बहिनों को एक उपदेश दिया, योहन १६, २३+२४ पद:– पेन्तिकोष्ट पर्ब्ब की तैयारी के लिये बिन्ती करना दरकार है, "मैं तुम से सच सच कहता हूं जो कुछ तुम मेरे नाम से पिता से मांगोगे वह तुम को देगा – अबलों तुमने मेरे नाम से कुछ नहीं मांगा है, मांगो तो पाओगे कि तुम्हारा आनन्द सम्पूर्ण होवे।"

इसके बाद कर्मचारियों को ३ एतवार के बचनों पर उपदेश की तैयारी दिई पहिला दिन थाने ता: १७ अप्रेल को धर्म बिषय ही पर सोच बिचार हुआ – ता: १८ को मण्डली सम्बन्धी बात बिचार हुआ जिसमें भिन्न २ पेरिशों का रिपोर्ट पढ़ा गया और बिचार किया गया – और मण्डली की लौकिक और आत्मिक दशा देखी गई। ता: १९ अप्रेल शुक्रवार को समुचे इलाके की आमदनी का centralisation हुआ और तलप अनुपात से बांटा गया और अन्त में बैठकी प्रार्थना के साथ अन्त हुई।

बूरजू इलाके की माहवारी बैठकी केवल एक ~~दिन~~ होती आई है – मैंने इलाके चेयरमेन से अर्जी किई है कि कम से कम २ दिन या अधिक हो तो ३ दिन बैठकी होवे जिस्ते माहवारी बैठकी सफलता के साथ होने पावे। कर्मचारियों का तलप अनुपात की रीति से बांटा जाता है पादरी लोग १०-१५ रुपैया तक पाते आये हैं – और प्रचारक लोग ३-८ रुपैया तक। इस इलाके में ~~[illegible]~~ ६४ प्रचारकों में अधिकांश स्कूल मास्टर हैं जो मीटिंग में नियमित रूप से हाजिर नहीं होते हैं। मेरा बिचार है कि ऐसे प्रचारक अपने ही में धर्म के ज्ञान में बिशेष उपदेश की तैयारी न पाने के कारण कमजोर हैं, उन के लिये कोई उपाय होना चाहिये।

(Margin note: How to prepare the village teachers who preach on Sundays and cannot attend the Ilaka karmcharis meeting)

ता: २० अप्रेल शनिश्चर को मैं ने बहियों को जांचा – और मुझे यह कहना है कि हिसाब ठीक से नहीं रखा गया है जैसे किसी ~~बहि में~~ यह देखा कि ३ महीने तक नहीं लिखा गया है, साल भर का (Annual Statement) हिसाब कोई साल नहीं लिखा गया है तलप पाने हारों की सही नहीं है, महिवारी हिसाब में किसी की सही नहीं है इति·

(Margin note: Registers not complete—)

में Ilaka chairman को दिखाया कि चूक सुधारा जाय।

ता: २१ अप्रेल एतवार :- Burju chairman पादरी बाबू अन्द्रियस तोपनो के साथ सनिच्चर साम को कुटाम गये जो सरनाटोली पेरिश की एक मुख्य और बड़ी मराउली है :- वहां एतवार को गिर्जा किया और सरनाटोली पेरिश पादरी निर्मोल एक्का ने प्रभु भोज बांटा और गिर्जा के पीछे मराउली पंचों और भाईयों के साथ बैठकी किई और मराउली पालन और शासन पर बातचीत किई- मराउली पंचों ने एक अर्जी पेश किई जिसमें वे चाहते थे कि उनका बड़ा गिर्जा घर को चार्च कौन्सिल मरम्मत करवा देवे- मैंने देखा कि गिर्जा घर बहुत बड़ा है और खराब अवस्था में है - मरम्मत की बहुत ही जरूरत है- मैं ने बताया कि वे आपही मरम्मत करने का भार लेवे- उनका कहना है कि रुपैया पैसे की बात में नहीं सकेंगे- मेहनत तो करने को तैयार हुए और आपस में यह ठहराया कि अगहन में धान जमा करेंगे और उसी को खाते २ मरम्मत करेंगे- मैं ने रुपैया पैसे के बारे पूछा कि कितना तक दरकार होगा- जवाब मिला कि कम से कम ५०) रु० और अधिक से अधिक १००) रुपैया दरकार होगा-

ता. २२ अप्रेल :- टियांकेल में धर्ममेला :- २१ ता. को आंधी और बरसा होने से सुसमय में भरनु इलाके की ओर से लोग जमा नहीं हो सके जिसके कारण गोबिन्दपुर इलाके के chairman Rev. Lukas Topno ता. २२ को धर्ममेला को बन्द कर दिया और धर्ममेला नहीं होने पाया- उसी रोज रोज हम लोग कोएनारा मराउली गये जहां Burju Ilaka की ओर से दजन आये जो Burju Ilaka की ओर से कमिशन चुने गये थे जिस्ते कोएनारा का गोलमाल फिर से विचारा जा के मिटाया जावे।

ता: २३ + २४ ता: अप्रेल :- कोएनारा का गोलमाल मिटाया गया। २२ ता: को २ बजे से १० बजे रात तक बैठकी हुई, कोएनारा मराउली के दोनों ~~दल~~ दल के भाई बहिन जमा हुए और कोएनारा मराउली से बाहर चारों तरफ के गांवों और मराउली से प्राय: ३५ माननीय लोग हाजिर थे- सब के सब यह चाहते थे कि कोई ~~तरह~~ तरह से कोएनारा मराउली का गोलमाल मिटाया जावे। चार्च कौन्सिल का फैसला उनके पास भेजा गया था जिसमें यह लिखा गया था कि कोएनारा

के भाई लोग ही आपस में मेल करें और पेरिश के पादरी
युनस डांग उस समय उनको मदद करे — इसी ८८ के
फैसले पर जोर दिया जाकर इस सभा में दोनों दल को कहा
गया कि वे इस सभा के साम्हने एक दूसरे से मेल मिलाप करें,
रात ८॥ बजे तक बहुत बातविचार हुआ — अन्त में उत्तर दलने
कहा कि हम लोग आपने से मेल कभी नहीं होंगे — क्योंकि हम लोगों
का पादरी साबु युनस डांग ने भी दो रोज कोशिश किया पर
नहीं मेल हुए — सो सभा ने एक उपाय निकाला कि एक
छोटी कमिटी चुनी जावे और वह अपनी राय सभा को सुनावे
सो इस कमिटीने बैठके सोच कर ऐसी राय दिई कि यदि
वे मेल मिलाप करें तो कई शर्त होना चाहिये: —

१. उत्तर दल दक्खिन दलके साथ मेल करें यदि मेल करें तो
उत्तर दल का गिर्जा संस्कार होवे
२. दोनों दल पारी पारी दोनों गिर्जा घर में एक साथ गिर्जा
करें — अर्थात एक एतवार इस गिर्जे में और दूसरे एतवार
दूसरे गिर्जे में — ऐसा ही प्रभुभोज के समय भी होवे —
३. सब सिक्की एक ही खजानची के हाथ रहे और एक ही
मराउली पंच होवे — इति

इस कमिटीने अपनी राय सभा को लेखमें पेश किया
और दोनों दलों से सभाने प्रत्येक शर्त पर पूछा तो सब
कोई राजी हुए — क्योंकि इस कमिटीने पेश करते समय
सारी सभा को यह जनाया कि यदि उत्तर दल का गिर्जा घर
संस्कार किया जाय तो वह ट्रस्टी क्लीशिया का जायदाद
रहेगा — और उत्तर दलके लोग S.P.G. में नहीं जायेंगे
सो २४ ता: ८ बजे बिहान को गिर्जा घर संस्कार किया
गया और समूचे गांव में आनन्द हुआ — सब जो बाहर
से आये हुए थे उन की इज्जत दोनों दल ने रखा
और गोलमाल मिटा दिया गया — ।

ता: २५ अप्रेल: — छुट्टी — छुट्टी में कोई विशेष काम
नहीं होने पाया क्योंकि उस दिन एक मुख्य भाई के घर
में शादी था — मैं ने केवल प्रचारक और कितने मराउली
पंचों को दिखाया कि उनका गिर्जा घर मरम्मत किया
जावे क्योंकि घर मरम्मत को बड़ी जरूरी है।

ता: २६ — ३० अप्रेल: — डाल्टोगुडु पेरिश में था —

मैं Burju Chairman के साथ खुंटीसे सैकिल से
ता: 26 अप्रैल को शाम को पहुंचा (Darigutu Chairman
पादरी रिक्त कल्याण गुडियाओं संग खुंटिसे आया वह
आएनातमें बिमार था) उस रोज भाई लोग हम लोगों
की आशा देखते पर हम लोगों के देरी से पहुंचने से अपने २ घर
को लौट गये — ता: २७ अप्रैल सनिवार को बचनदत्त वालों
के कारण किसी निकटवर्ती गांव नहीं गये केवल Burju
chairman Dully नामक गांव गये और जहां तक हो सका
घर २ जाके भाइयों को देखा — ।
ता: २८ अप्रैल एतवार को प्राय: पेरिश भर के बहुतसी जगहों
से भाई बहिन लोग गिर्जा आये और मैं ने उस दिन उपदेश
दिया — डाडीगुटु मराउली से बहुत लोग रोमन और S.P.G.
में ~~उल~~ कितने दिन पहिले उलट होगये इस आरास मैं ने एक
ऐसा उपदेश कि वे अपने लूथेरान कलीशा की निराली शिक्षा में
और ईश्वर की सेवा में बने रहें — जो भी थोड़े हैं, यहुशुआ
२४ पर्ब्ब से उपदेश दिया — "मैं और मेरा घराना ईश्वर की
सेवा करेंगे" खास डाडीगुटु में केवल एक ही लूथेरान घर
है — भाई बहिन लोग बहुत आनन्दित थे कि हम लोग
वहां उनके पास गये — गिर्जाघर को बीते बर्ष ही १९३९ में
भाइयों ने सुन्दर रीति से मरम्मत ~~किई~~ किया है — इस साल
वे पादरी के घर को मरम्मत कर रहे हैं — उनका कहना था कि
पेन्तिकोष्ट पर्ब्ब तक तैयार करेंगे — यह आनन्द की बात है
कि भाई लोग पादरी के घर को भी जो भी बहुत बड़ा है मजबूत
रीति से बनाते हैं। आशा है कि उन्होंने इस काम को
पूरा किया है। —— २९ अप्रैल ~~को~~ सोमवार को मैं ने
बहियों को देखा — बहि बस्ता ठीक से नहीं रखे जाते हैं
मैं ने पादरी को हिदायत दिया — ।
ता: ३० अप्रैल मंगलवार को मैं अकेला ही ~~बि~~ जीता
मराउली के सेरेंगाडिह और सेकेरेज गांव गये और
और भाइयों को धर्म में लौलीन रहने का उपदेश दिया —
इन गांवों में भी ~~क~~ बहुत से भाई लोग रोमन मिशन
में कितने दिन पहिले चले गये — केवल थोड़े लोग हैं।
ता: १ ली माई को मैं उयुर गुडिया मराउली गया जो
गोबिन्दपुर ~~बड़~~ इलाके की एक मराउली हां बड़ी मराउली है
ता: २ माई को स्वर्गारोहन पर्ब्ब था सो मैं ने उस दिन
गिर्जा में उपदेश दिया — गिर्जा के पीछे मराउली पंचों

के साथ मराउली सम्बन्धी बात चीत किई — वहां के भाइयों की मरजी थी कि कौंसिल मदद देवे कि उनका बड़ा गिर्जा घर मरम्मत किया जावे — मैं ने देखा कि मरम्मति बहुत जरुरत है — वहां मैं ने भाइयों को समझाया कि वे आपही अपने खर्च से मरम्मत करें — वहां का मास्टर सुलेमान आनन्द प्रचारक का काम भी करता है वह तपकारा में थोड़ा बरस बदली किया गया था — जिस समय के भीतर गिर्जा घर का ठीक देख भाल न हुआ — उसने भी भाइयों को उत्साह दिया कि हमहीलोगों को अपना गिर्जा घर मरम्मत करना चाहिये — सो अन्त में उन्होंने कहा कि अब किसी पर भरोसा नहीं रखेंगे हम लोग अपना गिर्जा घर आपही देखेंगे —

ता: ३ + ४ अप्रैल को वहां रह गया वहां शादी की भीड़ थी जिससे घर २ जाना नहीं हो सका — वहां ~~से~~ मेरे निज ~~पूर्वी को~~ रिश्तेदार हैं जिनके कारण मैं वहां ठहरा और अपने सफर के कपड़ों को सफा करवाया — ।

५वीं + ६वीं माई को मैं सरनाटोली पेरिश में था — एतवार ५वीं ता: को पेरिश के लोग जमा थे — आनन्द के साथ ईश्वरीय आराधना हुई — मैं ने उपदेश दिया और पादरी बाबू नि चोत एक्का ने आराधना लिई —

गिर्जा के पीछे पंचों की बैठकी हुई जिसमें मुझे आरजू किई गई कि विशेष रीति से पंचों को उनके कर्तव्य काम बताये जावें — मैं ने यत्न किया और साहस दिया कि अनपढ़ भाई लोग मराउली में बहुत २ कामों को कर सकते हैं — अपने टोले के घरों में एक स्थल बचन कंठस्थ बोल के बिन्ती कर सकते — रोगियों के साथ बिन्ती कर सकते हैं इति। ता: ६ सोमवार को मैं ने पादरी के बहियों को देखा — बहुत पुरानी २ बहियां हैं जो डोरी के फट जाने से खराब हो रहे हैं — खजाना सम्बन्धी बहियां भी ठीक नहीं हैं — पादरी नि चोत ~~एक्का~~ ने न इलाके की ओर से और न मराउली की ओर ~~[illegible]~~ पाया जिस से वे जवाबदेही नहीं होते हैं।

सरनाटोली के मिशन खेत के बारे में मैं कुछ कहना चाहता हूं कि वहां खेत बहुत है प्राय: २०० मन धान हर साल पैदा हो सकता है पर होता नहीं १९३६ में प्राय: ६१ मन धान हुआ है — क्या कारण है?

ईश्वर

तहसीलदार इस का कुछ ध्यान देवे।

सरनाटोली का गिर्जाघर:— भाइयोंने सुन्दर रीतिसे मरम्मत किया है पर कुछ काम बाकी है अर्थात मुन्धन नहीं मारा गया है जैसा होना चाहिये अर्थात चुना के साथ— मैं ने भाइयों को और पंचों का कहा कि वे बर्षा सुरु होने के आगे खतम करें।—

ता: ७ माई को मैं खुंटी आया— जहां आदिवासीमहासभा थी

ता: ८+९ माई को मैं टोकाद पेरिशमें था— पादरी बिमार है— इससे प्रचारक और मास्टरों से मण्डली सम्बन्धी बात चीत हुई— मैं ने पादरी बाबुके बहियोंको जांचा और देखाहै अधूरा पत्ता जेर और बेठिकाने का पाया जैसा बुरजू इलाके का बहियों को पाया।

गिर्जाघर:— गिर्जा घर अति ही सोचनीय अवस्था में है उत्तर तरफ दीवाल ही गिरने पर है— छत भी बहुत खराब है।

मिशनरी बंगला:— यह घर भी बिल्कुल ही गिरने की अवस्था में है।— पादरी का घर भी बे मरम्मत है।

गिर्जा घर की दशा ही कर्मचारी का परिश्रम और मण्डली की आत्मिक दशा बताती है। मैं ने पाया कि पादरी लोग पहिले के पादरियों के हिसाबकिताब और बहियों का जवाबदाहित्व नहीं ग्रहण करते हैं इसलिये मेरा प्रस्ताव है कि पादरियों को उचित रीति से चार्ज दिया जावे जब कभी नईरीति से बहाली या बदली होते हैं।

फिर मण्डलियों को पूरा भार जवाबदाहित्व दिखाया जाय कि वे वे अपने गिर्जों को प्यार करें।

मैं ता: १० अप्रेल को बुरजू लौटा— और दूसरेदिन ११ता: को रांची पहुंचा।

आप का बिश्वस्त सेवक

लूथर जोजोवार

Church Supervisor.

18 May 1940.

(Ranchi.)

C.C. के निकट झारसुगुदा इलाके का कुछ रिपोर्ट।

ता: ३१ माई से १४ जुन, १९४० तक।

File N.T. 26.6.40.

(क) पहाड़-सिरगिरा मण्डली।

मैं झारसुगुदा ३१ माई शुक्रवार को पहुंचा, १ली जुन शनिचर साम को पादरी लूथर कोनगाड़ी के साथ पहाड़-सिरगिरा मण्डली पहुंचा. यह मण्डली झारसुगुदा इलाके में सबसे दूर है और महानदी के उस पार एक मुख्य बड़ा पहाड़ बरो पहाड़ के नीचे बसी हुई है और वहां की ८ मण्डलियों में एक बड़ी मण्डली है। बीते साल १९३९ के जुलाई और अगस्त महीने के tour में महानदी में महाबाढ़ के कारण इस मण्डली को मैं नहीं देख सका. योहन सैंगरा, इलाका मेम्बर से हाल आया कि सिरगिरा में बहुत गोलमाल है जिससे मण्डली में दो प्रकार के आत्मा के लोग हैं, मण्डली बिरुद्धी आत्मा बढ़ जाता है।

२ जुन को एतवार था उस दिन हम लोगों ने मण्डली के साथ गिर्जा किया— गिर्जा के पीछे मण्डली शासन और स्वापालन के बिषय भाई बहिनों को बताया— स्वापालन को मतलब समझाने के बाद भाइयों को बताया गया कि सोमवार ३ ता: से प्रतिदिन बिहान ७ बजे से ११ बजे और दूसरी बेला ३ बजे से ७ बजे मण्डली पंच की बैठकी होगी— सो ३ ता: से ७ ता: तक बैठकी हुई और ९ गोलमालों को मिटाया— जिनके कारण मण्डली में भारी अशांति फैली हुई थी— मण्डली बिरुद्धी लोग यथाशक्ति समझा दिये गये— इनका leader Babu Manmasih Barla Binjipali है जो N.M.S. के समय से भाइयों को ~~बताता~~ भीतर २ बताता था कि हम लोग चार्च कौन्सिल के अधीन नहीं रहेंगे।

(ख) ता: ८ को हम लोग बिंजीपाली गये और ता: ९ को गिर्जा करके भाई बहिनों के साथ मीटिंग बैठे जिसमें बिचार हुआ कि बिंजीपाली गिर्जा घर बनाने के लिये जो फण्ड ४५०/रु. का था और कर्जा में उठाया गया है सो वासूल किया जाय— बताया गया कि भाई लोग बहुत गरीब हैं खदानों से को मिट्टी कोड़के अपनी जीविका पाते हैं सो अभी कठिन है कि उनसे रुपैया अदाय होवे सो एक छोटी कमिटी बनाई गई जो आनेवाले नोवेम्बर से रुपैया अदाय करने को शुरू करेगी — और अदाय कर गिर्जा बनाने का काम उठावेगी इस साल के लिये बर्षा आने के पहिले गिर्जा घर की मरम्मति कोई तरह से किई जायगी— इस कमिटी का convener, Rev. Luther Kongari है।

(ग) ता: १२–१४ जून तक झारसुगुदा में झारसुगुदा इलाका पंच औ कर्मचारि पंच बैठी — पादरी कोनगाडी को ४ एतवार के उपदेश तैयारि के जरिये जो कलीशिया के प्रेसिडेन्ट साहेब द्वारा भेजी गई थीं दिखाया गया कि किस तरह से प्रचारकों के कर्मचारियों को उपदेश की तैयारी देना चाहिये हर मीटिंग में पहिला दिन धर्म की शिक्षा और दूसरे दिन मण्डलियों का रिपोर्ट प्रचारकों से लेख मे और मुंहजबानी लेना गोलमालों का फैसला करना — कागपत्रों को जांचना और तीसरे दिन मण्डली आमदनी का centralisation और तलप को अनुपात से बांटना — होवे। इति

मण्डलियों की अवस्था बिजीपाली ~~को छोड़~~ और सासन को छोड़ मध्यम है। झारसुगुदा हल्के की अवस्था अब तक नहीं सुधरी है — हल्के का घेरा अब तक वैसा ही है जैसे N.M.S. के समय था — दो बंगलों ~~में~~ कोई भाड़ादार नहीं है। मुझे सूझ पड़ता है कि अच्छा होगा कि CC. इस झारसुगुदा इलाके पर थोड़े समय तक ज्यादा नजर रखे और ज्यादा बार मुलाहिज़ा करे।

आप का बिश्वास्त दास
लूथर जोजोवार
Church Supervisor,
Ranchi, 19.6.40.

Jharsuguda 8.6.40.

To

The Secretary, C.C. Ranchi.

Mahamanyawar Mahashay,

apko mera Yishusahay. Main bhala changa hun asha karta hun ki ap bhi saparivar achchhe hain. —— Main sankshep se apne tour ka report ap ko deta hun —— Main ~~—~~ apne tour Programme ke anusar Rev. L. Kongari ko Jharsuguda se leke Sambalpur ki ek mukhya mandli Pahar Sirgira 1st June ko pahuncha wahan anek golmal aur anban the jama 9 anban the jinko 3rd – 7th June daily meeting karke bari kathinta se mitaya — Binjipali ke Babu Manmasih Barla ke chalane par us mandli ~~us~~ men 2 party thi jo gupt riti se apna kam karti thi — main ne yathashakti is mandli birudhi party ko samjhaya hai yah party swapalit mandli ke niyamon ko nahin manne chahti hai, jo N.M.S ke samay N.M.S. ko chahti thi aur C.C. ko nahin aur jo American mission ko bhi bulane chahti thi.

Yadi yah atma na hota to Sambalpur ki mandliyan bahut sundar and shant bhaw se chaltin. — Kal 7th June ko 7 P.M. ham log Jharsuguda laute aur aj 2 P.M. ko apki C.C. Executive chitthi (pake) ke anusar ham log Binjipali jate hain — asha hai ki 11th June ko Jharsuguda Ilaka meeting men hajir awenge. Main koshis karunga ki 16th June ko yahan se start karung.

apka agyadhein
Luther Jojowar.

Rev. J. Stosch ko bhi yah report maine diya hai.
L.J.

Sambalpur men bahut dukh hai. idhar ab tak pani nahin hai idhar udhar aj kal thora 2 pani karta hai — rat ko bhi bechaini hai.
Rev. L.L. Ptiga ko mera Yishusahay.
L. Jojowar.

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.
[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (Bihar) India.

Secretary: F. N. TOPNO Esqr. No. 1039/40/F- 56. Dated the 10th June 1940.

To,

The Rev. L. Jojowar,
Camp Jharsugda.

Manyawar Padri Babu ko yishusahay.

Ap ka report mila aur us ke liye hardik dhanyabad dete hain. Chidi ka report ab tak nahin mila hai so us ke bishay ~~ha~~ ham hairan hain. Par umend karte hain ki report mil jayga.

Ap ka bishwast,
N. Topno.

Secretary,
G. E. L. CHURCH
CH. NAGPUR & ASSAM
RANCHI, BIHAR, INDIA.

Khunti 9.5.40

To Mr. N. Topono. Vide N.K. 6.40

56// Mahamanyawar Mahashay,

Apko saparivar mera yishusahay. Main bhala changa hun, asha hai ki ap log bhi sakushal hain. Aj main Tokad lauta aur apna tour idhar ka ant kiya – asha hai ki kal 10.5.40 ko Ranchi aunga. President sahib ko bhi likhta hun. – Main Burju Ilake ke andar ghumta the

16–19 April – Burju Ilaka meeting
20+21 April – Kutam mandli
22 April – Diankel
23–24 April – Kaenara – (mel hue aur girja sanskar hua
25 April – Khunti
26–30 April – Dariguttu
1–4 may – Upar guria (Swarguraloy)
5+6 may – Sarnatoli
7–9 may – Tokad

Burju Parish aur sab
Parishon men hisab
bahiyan bahut adhura
hain — Mandliyon ki
dasha manda sa
malum hoti hai.
Sab girja gharon ki
maramat darkar
hai. Kewal Burju
station aur Darigutu
ka achha hai.
Burju girja men khirki
ke aina ki bahut ha[..]
Padri Nichol Ekka
mundari men bahut
Kamjor hai — upadesh ko
bujhna muskil hai — main
ne shon ko bataya ki sikhe.

J. Topno
Girja ghar

POST CARD

10 MAY 40

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE
9 PS NINE PIES 9 PS

Mr. N. Topono
Secretary, G. E. L. church
Ranchi,
Dist. & P.O. Ranchi.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 981/40/F- 56.   Dated, the 3rd June, 1940.

The undermentioned document is forwarded to the Church Supervisor for information

N. Topno.

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the minutes of the C. C. Executive Commtt. held on the 31st May, 1940 at 3-30 p. m.

Item No. 14.

" Binjipali ka hisab :- Girja ghar ke liye rupaiya jama tha jis ko bhaiyon ne karja le kar ab chup hain. Is ko wasul xx karne ke liye kya kiya ja sakta hai so Church Supervisor tadaruk kare aur report dewe. Hisab un ko Jharsudga men bhej diya jay."

Enclosed :- Original letter from the Rev. L. Kongari, dated the 13th May, 1940.

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (Bihar) India.

Secretary: F. N. TOPNO Esqr. No. 818/40/F- 56. Dated the 2nd May 1940.

To,

The Rev. L. Jojowar,
Mandli Supervisor.

Manyawar Padri Babu ko yishusahay.

Nimn likhit kagaj C. C. ke resolution ke sath ap ki kararwai ke liye bheje jate hain. Uaisa uchit jan pare un par kararwai karne ki kripa kijiye.

Extract copy from the Minutes of the C. C. Executive Commtt. held on the 26th April, 1940.

Item No. 23.

" Padri Daud Soreng :- Padri ~~Ram~~ ke bishay jo kuchh kagjat ho so Mandli Supervisor Padri Luther Jojowar ko saompi jawen. We jab wahan jaynge tab is ko thik karenge."

Extract copy from the Minutes of the C. C. Executive Commtt. held on the 26th April, 1940.

Item No. 17.

" Chiddi khet ka golmal :- Padri Barnabas Hemrom ki chitti parhi gayi. Kuchh tark bitark ke bad phaisla huwa ki Mandli Supervisor Padri Luther Jojowar ko yah bishay saompi

P. T. O.

jawen. We Mahasabha ke purb Padri Barnabas ke sath mil is bat ko tay karen. Padri Barnabas Hemrom Mahasabha ke pahile susamay men bulaya jay."

Ap ka bishwast,

N. Toppo.

Secretary,
G. E. L. CHURCH
CH. NAGPUR & ASSAM
RANCHI, BIHAR, INDIA.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 237/40/F- 56. Dated, the 6th February, 1940.

The undermentioned document is forwarded to the Church Supervisor for information and guidance.

Actg. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the minutes of the Full C. C. meetings held from the 25th to 29th January, 1940.

Item No. 13.

" Church Supervisor ka kam, vetan aur allowance :-
Phaisla huwa ki (i) Kam :- Is sal ke liye thahraya gaya ki Church Supervisor sal ke arambh men idhar udhar Ilakaon men ghume tab 6 mahinon ke liye Khutitoly men rahen. Anewala sal ke liye pichhe thahraya jayga.

(ii) Vetan :- Vetan ke bare kaha gaya ki bite Full Council men phaisla huwa waisahi rahe.

(iii) Allowance :- Church Supervisor se puchha gaya ki we kya chahte hain aur un se sun kar thahraya gaya ki jab we apne saphar men khana ke liye kharch karte hain to asal kharch apne bill ke sath milawen aur Church Council se lewen. Un ke adha sal tak Khutitoly men rahte samay ke liye un ko mahina Rs. 5/- kar ke bishesh allowance mile is karan ki we apne pariwa se alag rahenge aur kisi dusre ke sath khana ka bandobas karna parega."

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 235/40/F- 56 Dated, the 6th February, 1940.

The undermentioned document is forwarded to the Church per-Super-visor for information, guidance and compliance.

J. O. Tiga
Actg. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the Minutes of the Full C. C. meetings held from the 25th To 29th January, 1940.

Item No. 24 B.

" Khutitoly U. P. School Headmaster :- Thahraya jata hai ki Church Supervisor ko hukum diya ~~xy~~ jay ki Khutitoli U. P. School ko janch ke C. C. men report dewe ki wahan ka Headmaster kam ke yogya hai ki nahin."

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 133/40/F- 56. Dated, the 19th January, 1940.

From :- Rev. J.J.P.Tiga,
Actg. Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

To,
The Church Supervisor,
G.E.L.Church, Ranchi.

Dear Sir,

I beg to forward to you the following resolution of the Executive of the C. C. for your information, guidance and compliance.

Item No. 2 (10) of 10.1.40.

" Dekhiye Item No. 1 of 14.10.1939 morning. Phaisla huwa ki Church Supervisor ap hi un sthanon ke pas jahan se Mandli paisa ekttha karne ka prastao we diye hain C. C. Executive ke nam se apna schem bhej dewen."

Item No. 10 of 10.1.40.

" Gopinathpur :- Padri Jojowar ne sunaya ki Padri Samuel Hemrom (Jamshedpur) Gopinathpur jane ko raji hain isliye Gopinathpur ke bhaiyon ke chitti ke jabab men yah phaisla huwa :-

Ki Council ke agle phaislanusar Jamshedpur ke Padri Gopinathpur ki dekh bhal karenge aur wahan ke bhaiyon se arji hai ki we Padri ke ane jane ke liye gari kharch ka bandobast karen.

Padri Jojowar se arji ki gayi ki we Padri S. Hemrom ko aur Gopinathpur ke bhaiyon ko uprokt phaisla sunaywen."

Yours sincerely,

J J P Tiga

Acting Secretary, 19/1
G. E. L. Church.